सूर्योदय 5:40 सूर्यास्त 7:15

आज का तापमान

शिमला	17.8 न्यू	22.7 अधि
धर्मशाला	17.8 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,639
निफ्टी	24,774

सोना 1,43,000 चांदी 2,17,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 4 अगस्त 2026 | 20 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 101, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

कश्मीर के कुपवाड़ा में बादल फटा, 1 की मौत

एजेंसी, कश्मीर। कश्मीर के कुपवाड़ा में बादल फटने के बाद आई बाढ़ से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बादल फटने से इलाके में अचानक पानी का तेज बहाव आ गया था। वहीं, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री नेशनल हाईवे कई जगहों पर बंद हो गया है। इसके चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रुद्रप्रयाग में लगातार बारिश के चलते कई इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर पुल दो हिस्सों में टूट गया। इसी दौरान पुल से गुजर रही एक यात्री बस बीच में फंस गई।

ईरान ने जासूसी के आरोप में 2 नागरिकों को दी फांसी

एजेंसी, तेहरान। ईरान ने इजरायल के साथ सहयोग और जासूसी के आरोप में अपने दो नागरिकों को फांसी दे दी है। न्यायपालिका से जुड़े समाचार आउटलेट मिजान के अनुसार, ओमिद बेहजाद और पौरिया सफवत पर आरोप था कि उन्होंने इजरायल को सैन्य व सुरक्षा ठिकानों की जानकारी, तस्वीरें और स्थान संबंधी विवरण भेजे थे। दोनों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया था। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब ईरान में सुरक्षा संबंधी मामलों में सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। हालिया संघर्ष के बाद ईरान और इजरायल के बीच तनाव लगातार बढ़ा हुआ है। ईरानी अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

4 उग्रवादी हथियार और अफीम के साथ गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान हथियार, गोला-बारूद और 13.230 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। इंफाल पूर्व जिले में केसीपी (अपुनबा) के कथित रंगदारी वसूलने वाले जॉयसन खंगेम्बाम को गिरफ्तार किया गया। वहीं, केसीपी (एमएफएल) के सक्रिय कैडर लौरेम्बाम रॉबिन्सन सिंह के कब्जे से दो पिस्तौल, मैगजीन और कारतूस बरामद हुए। चुराचांदपुर जिले में छापेमारी कर सेइखोगिन माटे को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से अफीम मिली। इसके अलावा बिष्णुपुर जिले से आरपीएफ/पीएलए के एक कैडर को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है।

रेलवे की माल ढुलाई में 9 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने जुलाई 2026 में माल ढुलाई के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.13 करोड़ टन माल का परिवहन किया। यह जुलाई 2025 के 12.97 करोड़ टन की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। माल ढुलाई से रेलवे की आय में भी 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रेल मंत्रालय के अनुसार माल परिवहन में बढ़ोतरी औद्योगिक मांग में वृद्धि, बेहतर परिचालन व्यवस्था और प्रभावी प्रबंधन का परिणाम है। प्रमुख माल श्रेणियों में लौह अयस्क की ढुलाई में सबसे अधिक 22.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा उर्वरकों में 12 प्रतिशत, खाद्यान्न व कोयले में 11.5-11.5 प्रतिशत तथा अन्य वस्तुओं में 12.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन; सरकार ने कहा- स्टूडेंट्स पर नहीं होगा केस

सुप्रीम कोर्ट में कहा -2700 गंभीर मामलों पर रहेंगी एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।'

मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

कोर्ट बोला- जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कोई पुलिस अधिकारी जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल करता है, तो उसे बेवजह बचाया नहीं जाना चाहिए और ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि छात्र प्रदर्शन की आड़ में किसी कुख्यात अपराधी को बचाया जाए।

लिव-इन में रहने वाली महिला को भी मिलेगा आपीसी 498ए का संरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए का दायरा बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित यह प्रावधान उन लिव-इन रिलेशनशिप पर भी लागू होगा, जो 'शादी जैसे रिश्ते' की श्रेणी में आते हैं। न्यायालय के अनुसार, ऐसे मामलों में महिला के साथ क्रूरता करने वाले पुरुष के खिलाफ भी धारा 498ए के तहत मुकदमा चलाया जा सकेगा। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट किया कि धारा 498ए केवल उन्हीं लिव-इन रिलेशनशिप पर लागू होगी, जो वास्तव में 'शादी जैसे रिश्ते' हों।

नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते

19324 वोट से हराया; एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में भाजपा जीती

एजेंसी, अहमदाबाद। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव हुए। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है। बिहार के बांकीपुर में नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते। जन सुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 19,324 वोटों से जीते। प्रशांत को 64,151 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले।

बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। काउंटिंग के दौरान चुनाव आयोग की वेबसाइट पर कुछ गड़बड़ देखने को मिली। सुबह से वेबसाइट पर 31 राउंड की काउंटिंग बताई जा रही थी। 31 राउंड पूरे होते ही पहले 32 और फिर 36 राउंड काउंटिंग दिखाई जाने लगी। बाद में फिर 32 राउंड की काउंटिंग दिखा दी गई। उधर, एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6,016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए। गुजरात के मांजलपुर में भाजपा के सतेंद्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

प्रशांत को भाजपा-राजद के कुल वोटों से भी ज्यादा वोट

जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में 64,151 वोट (49.23%) हासिल कर जीत दर्ज की। भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 वोट (34.40%) मिले। दोनों के बीच जीत का अंतर 19,324 वोट रहा। राजद की रेखा कुमारी 14,273 वोट (10.95%) के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। भाजपा और राजद को मिलाकर 59,100 वोट मिले, जो अकेले प्रशांत किशोर के वोटों से 5,051 कम हैं। यह उनकी मजबूत बढ़त को दिखाता है। चुनाव में कुल 1,30,313 वोट पड़े। इनमें से लगभग हर दूसरा वोट प्रशांत किशोर के पक्ष में गया। नोटा को 646 वोट (0.50%) मिले। वहीं, शीर्ष तीन उम्मीदवारों के बाद कोई भी प्रत्याशी 1,000 वोट तक नहीं पहुंच सका। चौथे स्थान पर रहे मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव को 973 वोट (0.75%) मिले।

खैनूरी गांव की क्षतिग्रस्त सड़क का मुख्यमंत्री धामी ने लिया संज्ञान, जल्द बहाली के निर्देश

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जिले के दशोली विकासखंड स्थित ग्राम खैनूरी को जोड़ने वाली आपदा प्रभावित सड़क के क्षतिग्रस्त होने का सोमवार को संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर सड़क की मरम्मत कर आवागमन शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए।

ग्राम खैनूरी के ग्रामीणों ने दूरभाष पर मुख्यमंत्री से संपर्क कर बताया कि आपदा के कारण गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे लगभग 120 परिवारों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। मुख्यमंत्री ने शिकायत मिलने के बाद चमोली जिलाधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति का मौके पर आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराया जाए और ग्रामीणों के लिए सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, विद्युत तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की बहाली में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनसुविधाओं को शीघ्र बहाल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

सीएम का भाजपा पर हमला, बोले- संपत्ति की जांच के लिए ईडी-सीबीआई स्वतंत्र

मेरी संपत्ति 20 साल से नहीं बदली : सुक्खू

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चंबा दौरे के दौरान प्रेसवार्ता में जिले के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत ढांचे को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में उनकी संपत्ति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यदि भाजपा के पास उनकी संपत्ति से जुड़े कोई दस्तावेज हैं, तो उन्हें ईडी और सीबीआई को सौंप देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां पूरी तरह स्वतंत्र हैं और प्रमाण मिलने पर कार्रवाई कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा पर भी निशाना साधते हुए उनकी संपत्ति की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि जांच में आय से अधिक संपत्ति सामने आती है तो उसे जब्त कर गरीबों के हित में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने मिंजर शोभायात्रा में भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए और कहा कि इससे उनकी सोच स्पष्ट होती है। सुक्खू ने भरमौर विधायक डॉ. जनक राज पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल पर्चियां देखकर इलाज संभव नहीं है। मरीजों को बेहतर सुविधा देने के लिए आधुनिक तकनीक और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं जरूरी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक विधानसभा में जनता के मुद्दों को प्रभावी तरीके से नहीं उठा रहे हैं।

◆ चंबा मेडिकल कॉलेज में मिलेंगी एम्स स्तर की जांच सुविधाएं, 190 करोड़ जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंबा मेडिकल कॉलेज में अब पुरानी मशीनों की जगह आधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे। अस्पताल भवन निर्माण के लिए करीब 190 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में चंबा में दिल्ली के एम्स स्तर की डायग्नोस्टिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्वास्थ्य संस्थानों को एकीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चंबा जिले में सड़क निर्माण और सुधार कार्यों पर 591 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह जिले के इतिहास में सबसे बड़ा निवेश है।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया।

सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा, तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा।

◆ बोले- होइहि सोइ जो राम रचि राखा; विनेश बोलीं- उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। बृजभूषण तब डब्ल्यूएफआई प्रेसिडेंट थे।

जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में पास

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर हंगामा, राज्यसभा में एमएसएमई संशोधन बिल को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर गई है। इसके पहले लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या (सीजेआई सहित) 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी बिल बिना चर्चा के पास कर दिया।

वहीं राज्यसभा ने एमएसएमई विकास (संशोधन) बिल पास कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्रवाई मंगलवार तक स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसदों ने प्रश्नकाल शुरू होते ही नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन आने और उनके बयान की मांग करते हुए नारे लगाए। संसद के मौजूदा सत्र में 8 बिल लिस्ट किए गए हैं। इनमें से वंदे मातरम और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) दोनों सदनों में पास हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल लोकसभा में और एमएसएमई विकास (संशोधन) बिल राज्यसभा में पास हुआ है। जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, आयकर (संशोधन) बिल,, विदेशी अंशदान (एफसीआरए) संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

सदन में उठाया जाएगा राम मंदिर का मुद्दा : शुक्ला

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि राम मंदिर दान का मुद्दा सोमवार को भी संसद में उठाया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि राम मंदिर ट्रस्ट संत-महात्माओं को क्यों नहीं सौंपा जाता? विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सदस्य ट्रस्ट में क्यों हैं? उन्होंने कहा कि महपाल सिंह के एसआईटी के सामने दिए गए बयान से मामला और उजागर हुआ है। उनके मुताबिक, दान की रकम पर कारसेवकपुरम में रहने वाले वीएचपी से जुड़े लोगों के पास गई और उसका इस्तेमाल वीएचपी के कार्यक्रमों तथा मकान बनाने में किया गया।

ईरान पर फिर हमला कर सकता हूं : ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर ईरान पर फिर हमला कर सकता है, लेकिन वह सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत के जरिए समाधान चाहते हैं।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, 'हम जब चाहें कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। अगर समझौता हो जाता है तो बहुत-सी जानें बच जाएंगी।' ईरान अब सीधे सैन्य जीत हासिल करने के बजाय अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए जंग की कीमत लगातार बढ़ाने की रणनीति अपना रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान का मानना है कि अगर संघर्ष लंबा चला तो अमेरिका पर आर्थिक व रणनीतिक दबाव बढ़ेगा। इससे भविष्य की बातचीत में ईरान की स्थिति मजबूत हो सकती है। ईरान धीरे-धीरे संघर्ष का दायरा बढ़ा रहा है।

हरियाणा में एआई और हाई रेजोल्यूशन मैपिंग से होगी निगरानी: सीएम सैनी

कहा- पांच शहरों में 800 वर्ग किमी क्षेत्र का डिजिटल मैप तैयार

एजेंसी, पंचकूला। हरियाणा में अब ड्रोन तकनीक सुशासन का अहम हिस्सा बनेगी। अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अवैध खनन, प्रदूषण और पुराने कचरा स्थलों की निगरानी एआई आधारित सिस्टम और हाई रेजोल्यूशन ड्रोन इमेजरी से की जाएगी। इससे सरकारी विभागों को मौके की सटीक स्थिति का डिजिटल डेटा मिलेगा और कार्रवाई भी अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगी।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सोमवार को ड्रोन इमेजिंग एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ हरियाणा (दृश्या) के निदेशक मंडल की बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाएं तय समय में पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में एआई आधारित चेंज डिटेक्शन एप्लीकेशन की प्रगति की समीक्षा हुई। यह सिस्टम हाई रेजोल्यूशन ड्रोन तस्वीरों के जरिए अवैध निर्माण और अतिक्रमण की स्वतः पहचान करेगा। फरीदाबाद, हिसार, करनाल, पानीपत और यमुनानगर में करीब 800 वर्ग किमी क्षेत्र का डिजिटल मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। इससे शहरी नियोजन, निगरानी और प्रवर्तन के लिए प्रदेश का बड़ा जियोस्पेशियल डेटाबेस तैयार हो रहा है।

नालों पर भी ड्रोन और थर्मल कैमरों से नजर

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए प्रमुख नालों का ड्रोन सर्वे, थर्मल इमेजिंग और वीडियोग्राफी कराई जा रही है। इसका मकसद अवैध सीवेज डिस्चार्ज पॉइंट की पहचान, प्रदूषण वाले संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और पर्यावरणीय उल्लंघनों पर कार्रवाई करना है। कई प्रमुख नालों का सर्वे पूरा हो चुका है।

अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन के पहले सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान व मानसून सत्र के शासकीय दायित्वों के बीच भी जनसेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने सोमवार सुबह की शुरुआत 'जनता दर्शन' से की।

प्रदेश के कई जनपदों से आए सभी लोगों से उन्होंने एक-एक कर मुलाकात की। उनके प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को प्रेषित करते हुए समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। 'जनता दर्शन' में पुलिस से जुड़ीं कई शिकायतें मिलीं, जिस पर मुख्यमंत्री काफी सख्त रहे। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और मुकदमे में दबाव जैसी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शासन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जनपदों में ऐसे मामले अधिक आ रहे हैं, वहां के पुलिस कप्तान की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी समस्या का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए पहले परस्पर संवाद और फिर विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। जनता की समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता से किया जाए। हर समस्या का समाधान गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

शुभारंभ पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' का शुभारंभ, पुराने वस्त्रों के रीसाइक्लिंग को मिलेगा बढ़ावा

पुराने कपड़ों का दान बनेगा समाजसेवा का सशक्त माध्यम : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' का शुभारंभ किया। यह पहल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एवं दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से शुरू की गई है।

इसका उद्देश्य पुराने उपयोग योग्य वस्त्रों का संग्रह, रीयूज, रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वस्त्र दान प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण केवल सड़कों, पुलों और मेट्रो लाइनों से नहीं होता, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों, संसाधनों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक भावना से होता है, जब अपशिष्ट को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थों में विकसित समाज का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुराने वस्त्रों का रीसाइक्लिंग केवल कचरा कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि जल, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी प्रभावी उपाय है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दान किया गया एक वस्त्र पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसी जरूरतमंद के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने बताया कि इस परिकल्पना के तहत दिल्ली मेट्रो के 10 प्रमुख स्टेशनों पर ये केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें पहले चरण के तहत आज 5 प्रमुख स्टेशनों, शालीमार बाग, पंजाबी बाग वेस्ट, मयूर विहार फेस-1, शाहदरा व रोहिणी वेस्ट पर अर्पण केंद्रों की शुरुआत कर दी गई है। इसके लिए संबंधित संस्थाओं के बीच औपचारिक समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित हो चुका है। सभी चयनित मेट्रो स्टेशनों पर टेक्सटाइल कलेक्शन-कम-सेल कियोस्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां नागरिक अपने उपयोग योग्य पुराने वस्त्र दान कर सकेंगे। नागरिकों की सुविधा के लिए वस्त्र दान की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया गया है। दानकर्ता क्यूआर कोड आधारित प्रणाली के माध्यम से आसानी से अपने पुराने कपड़े दान कर सकेंगे और उन्हें डिजिटल रिसिप्ट भी प्राप्त होगी। इससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देगी 'अर्पण केंद्र' पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें महिला स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से जोड़ा गया है। इन केंद्रों के संचालन, वस्त्रों के संग्रहण, पृथक्करण, पुनर्चक्रण और अपसाइक्लिंग की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उनके लिए सम्मानजनक आजीविका एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण का यह समन्वित मॉडल दिल्ली के सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार सदैव ऐसे इनोवेशन को प्रोत्साहित करती रहेगी जो पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन तथा जनभागीदारी को एक साथ आगे बढ़ाते हों। यह पहल देश में सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत करने और 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को व्यवहारिक रूप देने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रदेश के 112 नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री सुक्खू को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश सरकार नशे से युवाओं को दूर रखने और जो युवा नशे के आदी हो चुके हैं उन्हें समाज के साथ जोड़े रखने कि दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने नशे के विरुध युवाओं को जागरूक करने के लिए मैराथन का भी आयोजन किया, जिसमें स्कूली बच्चों को शामिल किया था। इससे मैराथन से एक व्यापक पूरे प्रदेश के युवाओं को मिला कि नशा एक गंभीर आदत, जिससे कई घर बर्बाद हो चुके हैं, लेकिन अब युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू ने नई पहल की है जिसमें प्रदेश सरकार ने खेलो हिमाचल चिटा मुक्त अभियान शुरू करने जा रही है। जिसके तहत 11.56 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस अभियान के तहत बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा और नशे से दूर रखने के लिए जागरूक भी किया जाएगा। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए राज्य नशा निवारण बोर्ड ने भी नई पहल की है। जिसके तहत प्रदेश में जितने भी नशा निवारण केंद्र हैं उनका निरीक्षण कर समीक्षा की जाएगी। अभी हाल ही में राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने जिला हमीरपुर के 4 नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया है इस दौरान नशा मुक्ति केंद्रों में कई खामियां पाई गई हैं। राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने बताया कि नशे से पीड़ित युवा का सुधार हो सकता है व शर्त है कि उसे उस तरह का माहौल मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 112 प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र हैं जिनका निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन नशा मुक्ति केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं उनके संचालकों को जो निर्देश जाएंगे कि ऐसे युवाओं को जो नशे के आदी हो चुके हैं उनमें सुधार लाने के लिए नई योजनाओं पर काम करें। जिससे युवा अपना जीवन समाज के दूसरे लोगों की तरह जी सकें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों का उदेश्य केवल नशे से छुटकारा दिलाना नहीं है बल्कि युवाओं को मानसिक, शारीरिक और स्वस्थ भी बनाना है।

स्कूलों के विकास कार्यों और शिक्षा गुणवत्ता की समीक्षा, रोहित ठाकुर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

खराब परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों पर होगी कार्रवाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की अध्यक्षता में शिक्षा निदेशालय में प्रदेश के विद्यालयों में चल रहे विकासात्मक कार्यों, शैक्षणिक गुणवत्ता, रिक्त पदों, परीक्षा परिणामों और विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शिक्षा सचिव, शिक्षा निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, समग्र शिक्षा परियोजना के परियोजना निदेशक, सभी जिला उपनिदेशक और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग के माध्यम से लंबित स्कूल निर्माण कार्यों की समीक्षा के लिए जल्द ही लोक निर्माण विभाग के सचिव सहित संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी जिला उपनिदेशकों को निर्देश दिए कि स्वीकृति मिलने के बावजूद शुरू नहीं हुए विद्यालय भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत स्थिति रिपोर्ट जल्द उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि अगले माह दोबारा समीक्षा बैठक आयोजित कर जिलावार विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि छोटे विकास कार्यों को गति देने के लिए अब पांच लाख रुपए तक के सिविल कार्य विद्यालय प्रबंधन समितियां (एसएमसी) अपने स्तर पर करवा सकेंगी। उन्होंने कहा कि इससे विद्यालयों में जरूरी मरम्मत और अन्य कार्य तेजी से पूरे किए जा सकेंगे।

बैठक में श्रीनिवास रामानुजन स्टूडेंट डिजिटल योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया गया कि योजना के तहत 9,359 विद्यार्थी लाभार्थी हैं। इनमें छह जिलों के 3,089 विद्यार्थियों के बैंक खातों में 16 हजार रुपये प्रति विद्यार्थी की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जा चुकी है, जबकि शेष 6,270 विद्यार्थियों को यह राशि 15 अगस्त से पहले उपलब्ध करवा दी जाएगी। रोहित ठाकुर ने कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों का परिणाम 25 प्रतिशत से कम रहा है, वहां जिला उपनिदेशक स्वयं निरीक्षण कर सुधार के लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। वर्ष 2025-26 में खराब परिणाम वाले 123 मामलों में विभागीय कार्रवाई जारी है। उन्होंने हार्ड और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 576 शिक्षकों के पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है, जिसमें फिजिकल एजुकेशन, टीजीटी आर्ट्स, टीजीटी नॉन मेडिकल और टीजीटी मेडिकल के पद शामिल हैं। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि समग्र शिक्षा और पीडीएनए के तहत वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक 82.37 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इनमें 580 कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 285 कार्य प्रगति पर हैं और 152 कार्य अभी शुरू नहीं हो पाए हैं। शिक्षा मंत्री ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। समेज क्षेत्र में आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालय के निर्माण कार्य में देरी पर शिक्षा मंत्री ने नाराजगी जताई और तीन दिनों के भीतर संयुक्त निरीक्षण कर कार्य शुरू करवाने के निर्देश दिए।

इसके अनुरूप शैक्षणिक सत्र जनवरी से शुरू करने पर भी विचार किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने डी-नोटिफाइड और विलय किए गए विद्यालयों के 738 भवनों को जल्द अन्य विभागों को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों से अतिरिक्त शिक्षकों को एकल शिक्षक या रिक्त पद वाले विद्यालयों में समायोजित करने को कहा।

हिमाचल की 40 राष्ट्रीय धरोहरों के संरक्षण पर पांच वर्षों में खर्च हुए 20 करोड़ रुपए: अनुराग

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय महत्व की घोषित 40 प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। इन धरोहरों के संरक्षण, जीर्णोद्धार, रखरखाव, पर्यावरणीय विकास और आगंतुक सुविधाओं के विस्तार के लिए पिछले पांच वित्तीय वर्षों में करीब 20 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यह कार्य राष्ट्रीय संरक्षण नीति-2014 के तहत आधुनिक पथ, सूचना संकेतक और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास के साथ किया जा रहा है। अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संस्कृति मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण केंद्र सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमारी सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि हमीरपुर जिले के लिए गर्व की बात है कि राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षित स्मारकों में सुजानपुर स्थित भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध नरवदेश्वर मंदिर और टीहरा सुजानपुर का ऐतिहासिक कटोच पैलेस भी शामिल हैं। प्रदेश की अन्य संरक्षित धरोहरों में बैजनाथ मंदिर, मसरूर के शैलकृत मंदिर, कांगड़ा किला, शिमला स्थित वाइस रीगल लॉज, स्पीति का ताबो बौद्ध मठ, मनाली का हिडिंबा देवी मंदिर और चंबा के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समूह शामिल हैं। अनुराग ने कहा कि एएसआई द्वारा इन स्थलों की सुरक्षा के लिए नियमित व्यवस्था की गई है और तकनीकी निरीक्षण के आधार पर संरक्षण कार्य वार्षिक योजनाओं में शामिल किए जाते हैं। संस्कृति मंत्रालय द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह और विश्व पर्यटन दिवस जैसे अवसरों पर हेरिटेज वॉक, प्रदर्शनी, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को धरोहर संरक्षण से जोड़ा जा रहा है।

सुजानपुर पुल से सेल्फी लेते समय फिसली युवती, पुलिस दमकल विभाग ने बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाताच हमीरपुर सुजानपुर पुल के पास सोमवार शाम सेल्फी लेने के दौरान एक युवती का संतुलन बिगड़ गया और वह पहाड़ी से नीचे झाड़ियों में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही सुजानपुर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया। जवानों ने सुरक्षा उपकरणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद युवती को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल सुजानपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मामूली चोटें बताईं। बाद में उसे हमीरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। एसएचओ प्रकाश ठाकुर ने बताया कि पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवती को सुरक्षित बचाया। प्रशासन ने लोगों से जोखिम वाले स्थानों पर सेल्फी लेने से बचने की अपील की है।

विनय शर्मा ने धर्मशाला में संभाला उपनिदेशक उत्तरी क्षेत्र का कार्यभार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। सूचना व जनसंपर्क विभाग में पदोन्नति के बाद विनय शर्मा ने सोमवार को धर्मशाला में उपनिदेशक उत्तरी क्षेत्र के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले वह हमीरपुर, मंडी, ऊना और धर्मशाला में बतौर जिला लोक संपर्क अधिकारी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

मूल रूप से हमीरपुर जिला के नादौन (किटपल) के निवासी विनय शर्मा सरकारी सेवा में आने से पहले विभिन्न समाचार पत्रों में पत्रकार के रूप में भी कार्य कर चुके हैं और उन्हें हिंदी राजभाषा पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवनियुक्त उपनिदेशक विनय शर्मा ने कहा कि विभाग का मुख्य कार्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना और जनता को जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में प्रिंट मीडिया के साथ साथ डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया का महत्व बढ़ गया है, इसलिए विभाग सूचना तकनीक का अधिकतम उपयोग कर जनता के साथ सीधे संवाद स्थापित करेगा उन्होंने मीडिया जगत के साथ मजबूत समन्वय स्थापित कर पारदर्शी और त्वरित जनसंपर्क व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

प्रदेश के सात जिलों में फ्लैश फ्लड का अलर्ट

बारिश से बढ़ी आफत, ठियोग में भूस्खलन से कार क्षतिग्रस्त; प्रदेश में 100 सड़कें बंद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ दिन मौसम खराब रहने का अनुमान है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, मंडी, सिरमौर और सोलन जिलों में अगले 24 घंटे, यानी 4 अगस्त तक फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों से नदी-नालों और खड्डों से दूर रहने, भूस्खलन वाले इलाकों में सावधानी बरतने और बिना जरूरी काम के जोखिम वाले क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में 9 अगस्त तक कई स्थानों पर बारिश का दौर जारी रह सकता है और अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। सोमवार सुबह शिमला शहर और आसपास के इलाकों में धुंध और बादलों का असर बना रहा। प्रदेश के कई हिस्सों में कहीं हल्की बारिश हुई, कहीं बादल छाए रहे और कुछ स्थानों पर धूप भी निकली। मौसम विभाग के अनुसार अगले सात दिनों तक मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल सकता है। बीते 24 घंटों में सबसे अधिक 75.8 मिलीमीटर बारिश सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में दर्ज की गई। इसके अलावा बिलासपुर जिले के नैना देवी में 68.2 मिलीमीटर, कुल्लू के कोठी में 35.2 मिलीमीटर, मंडी के मुरारी देवी में 33 मिलीमीटर, शिमला के रामपुर में 30 मिलीमीटर, कांगड़ा के धर्मशाला में 28 मिलीमीटर, मंडी के गोहर में 22 मिलीमीटर, सिरमौर के ददाहू में 20 मिलीमीटर और ऊना जिले के नंगल डैम में 15.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने सुंदरनगर, मुरारी देवी और कांगड़ा में गरज के साथ बिजली चमकने की भी जानकारी दी है। हालांकि प्रदेश में कहीं भी बर्फबारी, ओलावृष्टि, घना कोहरा, तेज हवाएं या लू की स्थिति दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 3 अगस्त से 9 अगस्त तक पूरे प्रदेश में बारिश का दौर बना रहेगा। 3 से 7 अगस्त के बीच अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 8 और 9 अगस्त को भी कई इलाकों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम सक्रिय बना रहेगा और 4 अगस्त से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इस बीच शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र में सोमवार सुबह भूस्खलन की घटना सामने आई। प्रेमघाट बाईपास सड़क पर पहाड़ी से अचानक पत्थर और मलबा गिरने से सड़क किनारे खड़ी मारुति सुजुकी ऑल्टो कार (एचपी23डी-7742) बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के समय वाहन में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। मलबा गिरने से कुछ समय के लिए सड़क बंद रही। बाद में लोक निर्माण विभाग ने मलबा हटाकर मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन के कारण करीब 100 सड़कें अब भी बंद हैं, जिन्हें बहाल करने का काम जारी है।

आईजीएमसी में स्क्रब टायफस के दो नए मरीज मिले, अब तक तीन मामलों की पुष्टि

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में स्क्रब टायफस के मामले सामने आने लगे हैं। शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में सोमवार को जांचे गए नौ नमूनों में दो मरीजों में स्क्रब टायफस की पुष्टि हुई है। सात नमूनों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। आईजीएमसी के वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव ने बताया कि अब तक अस्पताल में कुल 38 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इनमें तीन मरीजों में स्क्रब टायफस की पुष्टि हुई है, जबकि बाकी नमूनों की रिपोर्ट नेगेटिव रही है। डॉ. राहुल राव ने कहा कि स्क्रब टायफस से बचाव सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि खेतों, झाड़ियों या जंगल वाले क्षेत्रों में जाने के बाद बुखार, सिरदर्द या शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और इलाज शुरू होने से स्क्रब टायफस का सफलतापूर्वक उपचार किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतने और बीमारी के लक्षण दिखने पर बिना देरी डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी है।

प्रदेश में ग्रीनहाउस-पॉलीहाउस में होगी भांग की खेती

शिमला, 03 अगस्त (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में पहली बार भांग की खेती को लेकर स्पष्ट और विस्तृत नियम लागू हो गए हैं। अब राज्य में भांग की खेती केवल औषधीय और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए ही की जा सकेगी। सरकार ने हिमाचल प्रदेश नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। अधिसूचना राजपत्र (ई-गजट) में प्रकाशित होने के साथ ही ये नियम प्रभावी हो गए हैं।

सिर्फ दवा और शोध के लिए उपयोग, निजी इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित

सरकार ने साफ कर दिया है कि भांग की खेती केवल दवाइयों के निर्माण और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए होगी। किसी भी व्यक्ति को निजी इस्तेमाल, मनोरंजन, बिना अनुमति बिक्री या परिवहन की छूट नहीं होगी। खेती करने वालों को केवल अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं से प्रमाणित देशी बीज ही खरीदने होंगे। बीजों के साथ उनकी गुणवत्ता और कैनाबिनॉयड की मात्रा का प्रमाणपत्र भी देना होगा। खेती कम से कम तीन एकड़ में एक साथ जुड़े हुए क्षेत्र में की जा सकेगी। हालांकि सरकारी विभागों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को इस शर्त से छूट दी गई है। बीज उपलब्ध कराने वाले आपूर्तिकर्ताओं को भी आबकारी विभाग से लाइसेंस लेना होगा और परिवहन के लिए अलग परमिट लेना जरूरी होगा।

सरकार का कहना है कि नए नियमों से एक नियंत्रित व्यवस्था तैयार होगी, जिसमें खेती से लेकर भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण और दवा बनाने तक हर चरण पर निगरानी रहेगी। साथ ही किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। नए नियमों के तहत भांग की खेती खुले खेतों में नहीं की जा सकेगी। इसकी खेती केवल पूरी तरह घिरे हुए और सुरक्षित ग्रीनहाउस या पॉलीहाउस में ही होगी। खेती वाले परिसर की जियो टैगिंग करानी होगी। वहां एक ही प्रवेश और निकास द्वार होगा। सीसीटीवी कैमरे, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और आने-जाने वाले हर व्यक्ति का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। किसानों को फसल की कटाई शुरू होने से पहले भंडारण के लिए गोदाम भी तैयार करना होगा। इसके अलावा खेती, कटाई, उपज के वजन और किसी भी अनधिकृत प्रवेश की कोशिश का पूरा रिकॉर्ड रखना भी जरूरी होगा। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। भांग से औषधीय उत्पाद बनाने वाली इकाइयों के लिए भी सरकार ने कड़े मानक तय किए हैं। ऐसी इकाई स्थापित करने के लिए कम से कम 100 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश करना होगा। इन इकाइयों को वार्षिक कारोबार पर तीन प्रतिशत राज्य उपकर भी देना होगा। इसमें दो प्रतिशत दूध उपकर और एक प्रतिशत पर्यावरण उपकर शामिल रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि लाइसेंसधारी भी भांग के किसी हिस्से का उपयोग केवल स्वीकृत औषधीय और वैज्ञानिक कार्यों के लिए ही कर सकेंगे।

4 अगस्त को शिमला में होगी भाजपा विधायक दल की बैठक: रणधीर शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 4 अगस्त 2026 को सायं 7:00 बजे होटल मरीना, शिमला में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में किया जाएगा। यह जानकारी भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि बैठक में विशेष रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल उपस्थित रहेंगे। बैठक में प्रदेश के सभी भाजपा विधायक भाग लेंगे और आगामी विधानसभा सत्र सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। रणधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश की जनता लगातार निराश हुई है। सरकार ने विकास और सुशासन के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध, भ्रष्टाचार और जनविरोधी निर्णयों को प्राथमिकता दी है। भाजपा विधायक दल बैठक में इन सभी विषयों पर विस्तृत रणनीति तैयार करेगा और

▶ कांग्रेस सरकार को घेरने की रणनीति होगी तय

विधानसभा के भीतर तथा बाहर सरकार को तथ्यों के साथ बेनकाब करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए प्रशासन का दुरुपयोग किया है।

भाजपा नेताओं, विधायकों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ चुन-चुनकर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर भय का वातावरण बनाया जा रहा है, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अत्यंत चिंताजनक है। रणधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के बजाय उसे संरक्षण देने में लगी हुई है। सरकारी भर्तियों, ठेकों, प्रशासनिक निर्णयों तथा विभिन्न विभागों में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगते रहे हैं, जबकि जनता से जुड़े मुद्दे पूरी तरह उपेक्षित हैं।

एचपीयू में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ एसएफआई का विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) में विभिन्न फीस और प्रशासनिक शुल्कों में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी के विरोध में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन ने शुल्क वृद्धि को छात्र विरोधी बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है।

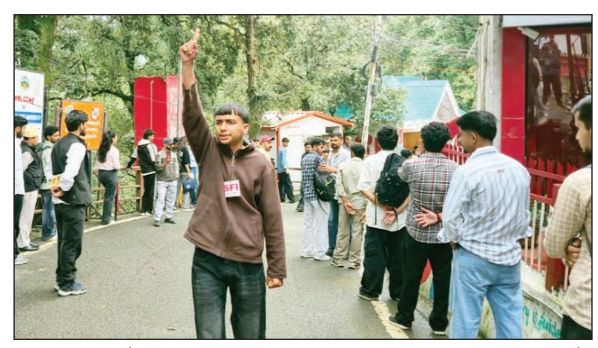

एसएफआई का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने सामान्य फीस, परीक्षा शुल्क, हॉस्टल शुल्क और कई प्रशासनिक मदों में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। संगठन के अनुसार इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर, ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों से आने वाले छात्रों पर पड़ेगा। एसएफआई ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्थापना राज्य के छात्रों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुई थी, लेकिन शुल्क बढ़ने से कई विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो सकता है। संगठन ने दावा किया है कि उसने पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए एक वैकल्पिक ज्ञापन भी सौंपा था। एसएफआई के अनुसार प्रशासन ने उन सुझावों पर ध्यान देने के बजाय छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का रास्ता चुना। एसएफआई के विश्विद्यालय इकाई अध्यक्ष आशीष चौहान ने कहा कि एमए, एमएससी, एमकॉम, एलएलबी, एमटेक और एमबीए सहित कई स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की फीस के अलावा शोधार्थियों की थीसिस विस्तार फीस, प्रोजेक्ट मूल्यांकन शुल्क, पुनर्मूल्यांकन शुल्क, डिग्री जारी करने का शुल्क, माइग्रेशन प्रमाणपत्र और विलंब शुल्क में भी 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया है कि हॉस्टल रखरखाव और सुरक्षा शुल्क में भी वृद्धि की गई है। एसएफआई का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन अपने वित्तीय संकट का बोझ छात्रों पर डाल रहा है। संगठन ने राज्य सरकार से विश्वविद्यालय को विशेष वित्तीय सहायता देने और उसकी वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। साथ ही सभी बढ़ी हुई शैक्षणिक, परीक्षा, हॉस्टल और प्रशासनिक फीस वापस लेने की मांग भी की गई है।

'बिलासपुर का हक छीनकर नादौन को दिया जा रहा फायदा': जम्वाल

◆ पीडब्ल्यूडी हॉर्टिकल्चर सब-डिवीजन स्थानांतरण पर सियासत तेज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने पीडब्ल्यूडी के हॉर्टिकल्चर सब-डिवीजन को बिलासपुर से नादौन स्थानांतरित किए जाने के फैसले पर प्रदेश सरकार की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लगातार जनहित के संस्थानों को बंद करने और उन्हें दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करने का काम कर रही है। उनका कहना है कि अब वर्ष 1988 से बिलासपुर में संचालित हॉर्टिकल्चर सब-डिवीजन को मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र नादौन शिफ्ट करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जम्वाल ने कहा कि सरकार बिलासपुर के साथ भेदभाव कर रही है और भाजपा के तीन विधायक चुनने का खामियाजा जिले की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में जल शक्ति विभाग का डिवीजन कार्यालय, हरलोग उपतहसील, गर्ल्स आईटीआई, 28 प्राथमिक और मिडिल स्कूल, कृषि विभाग के कई एक्सटेंशन सेंटर तथा अन्य संस्थान बंद किए जा चुके हैं। साथ ही एमएंडपी सर्कल को भी बिलासपुर से हमीरपुर स्थानांतरित किया गया।

उन्होंने बताया कि हॉर्टिकल्चर सब-डिवीजन में 41 स्वीकृत पदों में से 27 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसके अधीन कोठीपुरा, सुंगल, बनेर और गंभरोला नर्सरियों से तैयार पौधे ऊना, नूरपुर, डलहौजी, धर्मपुर, देहरा और हमीरपुर क्षेत्रों में भेजे जाते हैं। उनके अनुसार नादौन में फिलहाल नर्सरी विकसित करने के लिए पर्याप्त भूमि और आधारभूत ढांचा उपलब्ध नहीं है, ऐसे में स्थानांतरण पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे। विधायक ने सरकार से यह आदेश तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि यदि फैसला नहीं बदला गया तो बिलासपुर की जनता अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को मजबूर होगी।

समारोह ललित कला कॉलेज के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में शामिल हुए विक्रमादित्य सिंह, कहा-

रचनात्मक शिक्षा से युवाओं का सर्वांगीण विकास संभव

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह आज शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू ललित कला राजकीय महाविद्यालय, लौहारब में आयोजित वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने वर्षभर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने महाविद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह का सपना था कि लौहारब में ललित कला महाविद्यालय स्थापित हो। इसी उद्देश्य से वर्ष 2016 में इस संस्थान की आधारशिला रखी गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने वर्ष 2024 में महाविद्यालय का लोकार्पण किया, जिसके बाद से यह संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ललित कला केवल कला का माध्यम नहीं, बल्कि रचनात्मकता, सौंदर्य बोध और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त मंच है। चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत एवं अन्य कलाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है और उनका व्यक्तित्व निखरता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित करते हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी 30 राजकीय महाविद्यालयों में कौशल विकास से संबंधित विभिन्न ट्रेड प्रारंभ किए गए हैं, जिन्हें विद्यार्थियों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। साथ ही चरणबद्ध ढंग से महाविद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ललित कला राजकीय महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में स्थापित करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन को विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा, सुविधा एवं आवागमन के लिए बस सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि महाविद्यालय परिसर तक सड़क की टायरिंग एवं मेटलिंग का कार्य बरसात समाप्त होते ही आरंभ कर दिया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक बजट का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया तथा कहा कि शिक्षक और अभिभावकों के मार्गदर्शन से ही युवा अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने महाविद्यालय प्रबंधन को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा भी की। इससे पूर्व महाविद्यालय की प्रधानाचार्य कामायनी बिष्ट ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनकी मुख्यातिथि ने सराहना की।

शिवालयों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

एजेंसी, नाहन। श्रावण मास के सोमवार को नाहन के ऐतिहासिक एकादश रुद्र महादेव मंदिर रानीताल में सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और लोगों ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का दूध, शहद और जल से जलाभिषेक किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में हवन और यज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोट विकास खण्ड धर्मपुर, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

पंचायत बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के समक्ष प्रधान महोदय जी द्वारा प्रस्ताव रखा कि ग्राम पंचायत में वर्ष 2026-2027 में होने वाले विकास कार्यों के निष्पादन हेतू सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जानी आवश्यक व उचित है। निविदाएं दिनांक 10-08-2026 को अपराहन 2:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत कोट में सभी निविदाएं सील बन्द लिफाफे में देनी अनिवार्य होगी। अधूरी व खुली निविदाएं मान्य नहीं होगी । पंचायत पदाधिकारीयों एवं कर्मचारियों के परिवार व रिश्तेदारों से सम्बन्धित निविदाएं मान्य नहीं होगी। निविदाएं दिनाँक 11-08-2026 को ग्राम पंचायत कोट में 12 बजे ग्राम पंचायत निर्माण/कार्य कमेटी व निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय में खोली जाएंगी। **सामग्री विवरण-** 1. रेता क्रशर- प्रति घन मीटर, 2. रेता घुला (प्लांट)-प्रति घन मीटर, 3. बजरी क्रशर 10एमएम, 20एमएम, 40एमएम-प्रति घन मीटर, 4. बोल्डर/सोलिंग पत्थर-प्रति घन मीटर, 5. पत्थर (cut stone)-प्रति घन मीटर, 6. शटरिंग लकड़ी प्रति रनिंग मीटर, स्टल प्लेट प्रति वर्ग मीटर-प्रति वर्ग मीटर, 7.जेसीबी मशीन द्वारा केटान (हार्डरॉक-साफटरॉक) -प्रति घंटा, 8. Inter Locking tiles 40,60,80 एमएम (ISI Market)-प्रति टाईल, 9. दीवार लेखनी (wall writing)-प्रति वर्ग मीटर, 10. Block व टाईल फर्श व दीवार-प्रति ब्लॉक, 11. Pvc पाइपें /GI पाईपें/ RCC पाईपें-प्रति मीटर, 12. टाईल Path / Ground - प्रति टाईल, 18 सीमेंट ढुलान सरकाघाट से पंचायत स्टोर तक (लोडिंग/अनलोडिंग सहित)- प्रति बैग, 19. सीमेंट ढुलान स्टोर से कार्यस्थल तक-प्रति बैग, 20. सरिया 8एमएम, 10एमएम, 12एमएम, 16एमएम-प्रति क्विंटल। **नियम व शर्ते :-** 1. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण पैन संख्या टीन (TIN) G.S.T, CGST नम्बर होना आवश्यक है। 2. ठेकेदार आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से हस्ताक्षरित M. FORM जमा करवाने होंगे। 3. सभी दरों का लेन देन सरकार के प्रावधानों अनुसार होंगें । 4. पारित निविदादाता को मुबलिग 20,000/- रुपये अग्रिम सुरक्षित राशि के रूप में ग्राम पंचायत के पास जमा करवाने होंगे। 5. दरें अकों और शब्दों दोनों में लिखी होनी चाहिए। 6. निर्माण सामग्री कार्य स्थल / सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 7. निविदादाता अगर पंचायत को सामग्री आपूर्ति समय अनुसार नहीं कर पाता है तो उसकी गत समय में की गई सामग्री का देय भुगतान नहीं किया जाएगा । और न ही सुरक्षित राशि वापिस होगा। किसी भी निविदा के बिना कारण बताय स्वीकृत/अस्वीकृत करने सर्शत निविदा समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए आदेश निर्गत करने सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदायें किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा सामग्री लेने की अन्तिम मूल्य / निर्णय विभाग की Justification व पारित निविदादाता के साथ या Negotiation अनुसार किया जायेगा ।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत कोट विकास खण्ड धर्मपुर, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

न्यूज शॉर्ट्स

फर्जी अनुमति पत्र से स्कूलों में पहुंचा जादूगर बच्चों से की धन वसूली

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री राहत कोष के नाम पर बच्चों से ठगी का मामला सामने आया है। अल्मोड़ा में एक जादूगर पर फर्जी दस्तावेज के जरिए स्कूली छात्रों से 10-10 रुपये वसूलने का आरोप है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि शुल्क लेने संबंधी पत्र फर्जी है। विभाग ने संबंधित जादूगर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: जिलाधिकारी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ होना चाहिए। यह बात जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की विभागवार समीक्षा बैठक के दौरान कही। जिलाधिकारी ने 36 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों की एक-एक कर समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने को कहा।

श्री नंदा देवी महोत्सव: 2026 के लिए 22 समितियां गठित

भारतेंदु संवाददाता,नैनीताल। नैनीताल में आयोजित होने वाले श्री नंदा देवी महोत्सव-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। श्री रामसेवक सभा ने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए 22 विभिन्न समितियों का गठन किया है। समितियों को कदली वृक्ष, मूर्ति निर्माण, मंडप व्यवस्था, पूजा, प्रसाद वितरण, शोभायात्रा और मंदिर व्यवस्थाओं जैसी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। महासचिव जगदीश बवाड़ी ने बताया कि जल्द ही नागरिकों और महिला प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में दावे-आपत्तियों की सुनवाई शुरू

भारतेंदु संवाददाता,चमोली। चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू होने पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से कहा कि निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिले। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचक नामावली से संबंधित दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया सोमवार से जनपद में शुरू हो गई।

आपदा के एक साल बाद धराली में लौटी रौनक पुनर्निर्माण से बदली तस्वीर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। धराली आपदा के एक साल बाद क्षेत्र में फिर से उम्मीद और विकास की तस्वीर दिखाई दे रही है। मलबे और तबाही से उबरते हुए धराली, हर्षिल और भटवाड़ी में सड़कें, सुविधाएं और आजीविका के साधन धीरे-धीरे बहाल हो रहे हैं। राज्य सरकार ने राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के तहत 33 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य कर प्रभावित परिवारों को सहायता पहुंचाई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेंगी बैंकिंग सुविधाएं : डॉ. धन सिंह रावत

कहा- आरबीआई की अनुमति के बाद शुरू होगा नई शाखाओं का संचालन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश में जिला सहकारी बैंक की 34 नई शाखाएं खोली जाएंगी। सहकारिता विभाग ने विभिन्न जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों की जांच के बाद 34 शाखाओं को मंजूरी दे दी है। इन शाखाओं के शुरू होने से गांवों और सीमांत क्षेत्रों के लोगों को आधुनिक बैंकिंग सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश सरकार सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी उद्देश्य से जिला सहकारी बैंकों के नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग को नई शाखाएं खोलने के लिए कुल 41 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से 34 प्रस्तावों को स्वीकृति दे दी गई है। वहीं सात प्रस्तावों में कमियां पाए जाने के कारण उन्हें संशोधन के लिए वापस किया गया है।

स्वीकृत नई शाखाओं में अल्मोड़ा, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, नैनीताल, पिथौरागढ़, टिहरी, ऊधमसिंह नगर, उत्तरकाशी और चमोली जनपद शामिल हैं। इन क्षेत्रों के कई कस्बों और ग्रामीण इलाकों में जिला सहकारी बैंक की नई शाखाएं खोली जाएंगी।

सूबे में खुलेंगी सहकारी बैंक की 34 नई शाखाएं

ग्रामीण क्षेत्रों में आसान होंगी वित्तीय सेवाएं

वर्तमान में उत्तराखंड में जिला सहकारी बैंकों की 315 शाखाएं संचालित हो रही हैं। नई शाखाओं के जुड़ने से प्रदेश का सहकारी बैंकिंग नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा। विभाग की ओर से सभी स्वीकृत प्रस्ताव भारतीय रिजर्व बैंक को भेज दिए गए हैं। आरबीआई की अनुमति मिलने के बाद नई शाखाओं का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। सहकारिता मंत्री ने विश्वास जताया कि नई शाखाओं के खुलने से सहकारी बैंकों की पहुंच और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। इससे प्रदेश के ग्रामीण और सीमांत क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा ।

डॉ. धन सिंह रावत ने क्या कहा

- डॉ. रावत ने कहा कि सहकारी बैंक किसानों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों, छोटे व्यापारियों और ग्रामीण उपभोक्ताओं को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नई शाखाओं के संचालन से बचत, ऋण और अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ अधिक लोगों तक पहुंच सकेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

कांवड़ यात्रा में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बना रोडवेज बसों का सहारा

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

- रुड़की-दिल्ली बस सेवा को एक्सप्रेस-वे से मिली नई रफ्तार
- कांवड़ यात्रा के दौरान पहली बार रोडवेज संचालन नहीं रहा प्रभावित

कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे रोडवेज बसों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है जब कांवड़ यात्रा के कारण दिल्ली जाने वाली बसों के संचालन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। रुड़की डिपो से दिल्ली मार्ग पर चलने वाली एक दर्जन से अधिक बसें अब एक्सप्रेस-वे के माध्यम से सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। इससे यात्रियों को जाम और रूट डायवर्जन की परेशानी से राहत मिली है।

पहले कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली जाने वाली बसें सामान्य मार्ग से होकर गुजरती थीं, जिससे यातायात दबाव के कारण संचालन प्रभावित होता था। इस बार परिवहन निगम ने देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे से बसों को चलाने का निर्णय लिया है। हालांकि दूरी कुछ बढ़ी है और किराये में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन यात्रियों का सफर अधिक सुविधाजनक हो गया है। अब दिल्ली पहुंचने में लगभग तीन से साढ़े तीन घंटे का समय लग रहा है। एक्सप्रेस-वे के इस्तेमाल से जहां यात्रियों को समय की बचत हो रही है, वहीं रोडवेज की आय पर भी कांवड़ यात्रा का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खेल महाशक्ति बनने के संकल्प के साथ रेखा आर्या करेंगी कांवड़ यात्रा

- हरिद्वार से ऋषिकेश तक 22 किमी पैदल चलेंगी रेखा आर्या

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्या ने सोमवार को घोषणा की कि वह भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी दिलाने के संकल्प के साथ 10 अगस्त को हरिद्वार से ऋषिकेश तक 22 किलोमीटर लंबी पैदल कांवड़ यात्रा निकालेंगी। उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रेखा आर्या ने कहा कि यह यात्रा हरिद्वार के हर की पौड़ी से शुरू होकर ऋषिकेश स्थित वीरभद्र मंदिर में जलाभिषेक के साथ संपन्न होगी। खेल मंत्री ने प्रदेश के युवाओं, खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों, संत समाज और आमजन से 10 अगस्त को आयोजित इस कांवड़ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से भारत खेल महाशक्ति बनने तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

उत्तराखंड बनेगा साहित्यिक पर्यटन केंद्र, दो साहित्य ग्राम होंगे स्थापित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड अब साहित्यिक पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित होने जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दो मॉडल 'साहित्य ग्राम' स्थापित करने की योजना तैयार की है। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में बनने वाले इन साहित्य ग्रामों में पुस्तकालय, राइटर्स रेजीडेंसी, पांडुलिपि संग्रहालय, कार्यशाला कक्ष और ओपन-एयर थिएटर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां देश-विदेश के लेखक, शोधकर्ता और साहित्य प्रेमी आकर्षित होंगे। सरकार प्रदेश की पुरानी पांडुलिपियों और अप्रकाशित साहित्य का डिजिटल संरक्षण एवं प्रकाशन भी करेगी। यह पहल उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक विरासत को नई पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ऋषिकेश में भाजपा की बैठक, स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों पर हुआ मंथन

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश

ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने ऋषिकेश स्थित अपने कैंप कार्यालय में भाजपा के मंडल अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों, हर घर तिरंगा अभियान, संगठन की मजबूती और जनसंपर्क बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

- स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान को लेकर डॉ. अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के गौरव, बलिदान और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है, जिसे सभी कार्यकर्ताओं को पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ मनाना चाहिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए घर-घर संपर्क करें और लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें।

श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में अध्यापक अभिभावक संघ की बैठक, नई कार्यकारिणी गठित

- मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों का सम्मान और फीस रियायत की जानकारी दी गई

भारतेंदु संवाददाता, कर्णप्रयाग

कर्णप्रयाग। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, जयकंडी में प्रधानाचार्य बुद्धिबल्लभ डोभाल की अध्यक्षता में अध्यापक-अभिभावक संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत अनिवार्य उपस्थिति, अनुशासन, वेशभूषा, पाठ्यक्रम, गृहकार्य, बोर्ड परीक्षा, परीक्षाफल तथा विद्यालय के नियमों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सत्र 2025-26 की कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में 100, 50 और 25 प्रतिशत तक की छूट की जानकारी दी गई। बैठक में अध्यापक-अभिभावक संघ की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया।

एआई युग में संस्कृत को तकनीक से जोड़ने की जरूरत: राज्यपाल

- महर्षि पाणिनी विश्वविद्यालय के कुलपति से मिले राज्यपाल, संस्कृत संवर्धन पर हुई चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को लोक भवन में महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रो. शिव शंकर मिश्रा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संस्कृत हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। राज्यपाल ने आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में संस्कृत अध्ययन व शोध को तकनीक से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय और उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक व शोध सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन करने का सुझाव दिया।

चमोली: नाबालिग से दुष्कर्म कर गर्भवती करने के आरोप में 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

- नंदानगर पुलिस ने दुष्कर्म आरोपी को दबोचा, जांच जारी

जिले के नंदानगर थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई 2026 को नाबालिग के पिता ने नंदानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी पुत्री लंबे समय से पेट दर्द की समस्या से परेशान थी। परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लेकर गए, जहां चिकित्सकीय जांच और अल्ट्रासाउंड के बाद उसके करीब चार माह की गर्भवती होने की पुष्टि हुई। इसके बाद परिजनों ने जब किशोरी से जानकारी ली तो उसने ग्राम मोख मल्ला निवासी 21 वर्षीय राजेन्द्र लाल पर जबरन दुष्कर्म करने का आरोप लगाया।

चार साल से अटका देवराड़ा सिद्धपीठ मार्ग, अब जल्द निर्माण की उठी मांग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

थराली क्षेत्र के नंदा सिद्धपीठ देवराड़ा तक स्वीकृत मोटर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग तेज हो गई है। नगर पंचायत थराली के जनप्रतिनिधियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। ग्वालदम-सिमली राष्ट्रीय राजमार्ग के धारी तोक से देवराड़ा मंदिर तक ढाई किलोमीटर सड़क वर्ष 2021 में स्वीकृत हुई थी, लेकिन अब तक निर्माण शुरू नहीं हो पाया है।

- सालों से लंबित सड़क निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधियों ने लो.नि.वि. को सौंपा ज्ञापन

जनप्रतिनिधियों का कहना है कि नंदा देवी की उत्सव डोली छह माह तक मंदिर में रहती है, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सड़क बनने से धार्मिक पर्यटन और स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी।

भूस्खलन प्रभावित चमोली-खैनुरी सड़क की होगी मरम्मत

चमोली-खैनुरी मोटर मार्ग के सुधारीकरण के लिए डीएम ने दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

चमोली जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए चमोली-खैनुरी मोटर मार्ग की स्थिति सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर तहसील प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार को मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों, सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और जल निकासी व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। दशोली विकासखंड के अंतर्गत आने वाला यह मार्ग मानसून के दौरान कई स्थानों पर प्रभावित हुआ है। बारिश के चलते कुछ जगहों पर पहाड़ी से मलबा सड़क पर आ गया है, जिससे यातायात प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। वहीं जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क को और नुकसान पहुंचने का खतरा भी बढ़ गया है।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए सभी जरूरी कार्य जल्द पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जिले के संवेदनशील मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क बहाली के कार्यों में तेजी लाई जा रही है, ताकि लोगों को आवागमन में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

नैनीताल से हाई कोर्ट शिफ्टिंग का यूकेडी ने किया विरोध

हाई कोर्ट को नैनीताल में ही रखने की मांग, यूकेडी ने राज्यपाल से की हस्तक्षेप की अपील

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल

उत्तराखंड क्रांति दल ने नैनीताल स्थित उत्तराखंड हाई कोर्ट की प्रस्तावित शिफ्टिंग का विरोध करते हुए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। यूकेडी के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती और पूर्व विधायक डॉ. नारायण सिंह जंतवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के प्रधान सचिव रविनाथ रमन के माध्यम से यह ज्ञापन सौंपा। दल ने मांग की है कि हाई कोर्ट की मुख्य पीठ को नैनीताल में ही यथावत रखा जाए।

ज्ञापन में यूकेडी ने कहा कि हाई कोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों का पर्वतीय क्षेत्रों में बने रहना उत्तराखंड की मूल भावना, संवैधानिक व्यवस्था और क्षेत्रीय संतुलन के लिए जरूरी है। दल का कहना है कि उत्तराखंड राज्य का गठन पर्वतीय क्षेत्रों के विकास और प्रशासनिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से हुआ था। ऐसे में राज्य के प्रमुख संस्थानों को पर्वतीय क्षेत्र से हटाना राज्य निर्माण की भावना के विपरीत होगा।

यूकेडी ने उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 का हवाला देते हुए कहा कि उत्तराखंड हाई कोर्ट की स्थापना नैनीताल में की गई थी। इसलिए मुख्य पीठ का स्थानांतरण अधिनियम की मूल भावना और राज्य की संवैधानिक परिकल्पना के अनुरूप नहीं है। दल ने राज्यपाल से इस मामले में गंभीरता से विचार कर आवश्यक हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नैनीताल में हाई कोर्ट का बने रहना न केवल ऐतिहासिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं से भी जुड़ा हुआ है।

आस्था

तपकेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़, विधि-विधान से हुआ जलाभिषेक

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा तपकेश्वर धाम, पहुंचे हजारों श्रद्धालु

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

- सावन सोमवार पर तपकेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

सावन माह के पावन सोमवार के अवसर पर देहरादून स्थित प्रसिद्ध तपकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह तड़के से ही मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। दूर-दूर से पहुंचे भक्तों ने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलकामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहा।

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में भगवान शिव की पूजा, रुद्राभिषेक और जल अर्पण करने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

इसी आस्था और विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु तपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। भक्तों ने बेलपत्र, फूल, फल और पवित्र जल अर्पित कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

साधु-संतों भी आते हैं यहां

मान्यता है कि महाभारत काल से इस स्थान का संबंध जुड़ा हुआ है और यहां तपस्या करने वाले साधु-संतों ने भगवान शिव की आराधना की थी। सदियों से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

भक्तों के लिए की गई व्यवस्थाएं

सावन सोमवार के दिन मंदिर में भक्तों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन और प्रशासन की ओर से व्यवस्थाएं की गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कतार व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य आवश्यक इंतजाम किए गए। भक्तों ने शांतिपूर्ण तरीके से दर्शन कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

मौसम पूर्वानुमान में एआई की एंट्री, पंजाब में ट्रायल हुआ शुरू

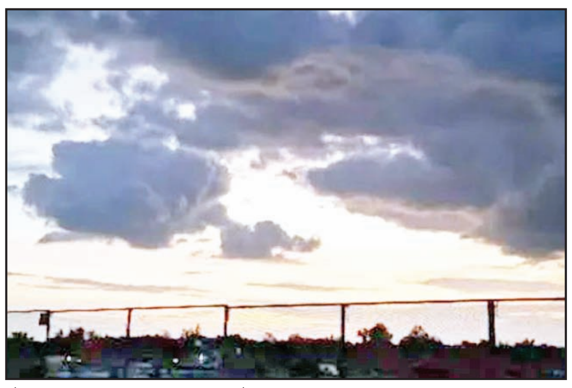

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

बारिश कब होगी, गर्मी कितनी पड़ेगी और मौसम कब बदलेगा, जैसे सवालों के जवाब अब पहले से अधिक सटीक मिल सकते हैं। मौसम विभाग मौसम पूर्वानुमान को आधुनिक और अधिक भरोसेमंद बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का सहारा ले रहा है। इसी दिशा में पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए एआई आधारित मौसम पूर्वानुमान मॉडल का परीक्षण शुरू कर दिया गया है। यदि यह ट्रायल सफल रहता है तो भविष्य में लोगों को अधिक सटीक और समय पर मौसम संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा सकेगी।

मौसम विभाग के चंडीगढ़ केंद्र में एआई आधारित मॉडल की कार्यप्रणाली का परीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान मौसम से जुड़े विभिन्न आंकड़ों, जैसे तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा की दिशा और गति सहित अन्य वैज्ञानिक सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। उद्देश्य यह जानना है कि एआई मॉडल बदलती मौसम परिस्थितियों का कितना सटीक आकलन कर सकता है और पारंपरिक पूर्वानुमान प्रणाली की तुलना में कितना बेहतर परिणाम देता है।

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़ी मात्रा में उपलब्ध आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण कर सकती है। इससे अचानक मौसम परिवर्तन, भारी वर्षा, लू, आंधी या अन्य मौसम संबंधी घटनाओं का पहले से अधिक सटीक अनुमान लगाने में सहायता मिल सकती है। इससे समय रहते चेतावनी जारी करना भी आसान होगा।

मौसम विभाग चंडीगढ़ केंद्र के मौसम वैज्ञानिक शिवेंद्र सिंह ने बताया कि एआई की मदद से मौसम पूर्वानुमान को और अधिक प्रभावी बनाने की योजना पर काम चल रहा है। फिलहाल यह मॉडल परीक्षण चरण में है और ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

भाखड़ा विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की पंजाब को फटकार

हिमाचल के पक्ष में पुराने आदेश पर अमल का निर्देश, समझौते पर सहमति नहीं बनी तो ब्याज सहित मिलेगा पूरा लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हिमाचल प्रदेश के पक्ष में वर्ष 2011 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने को लेकर भाखड़ा नंगल और ब्यास परियोजनाओं से जुड़े लंबे समय से लंबित बिजली बकाया विवाद पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने पंजाब सरकार के रुख पर कड़ी नाराजगी जताते हुए टिप्पणी की कि राज्य को अदालत के आदेशों का पालन न करने की आदत पड़ गई है और पुरानी आदतें आसानी से नहीं जातीं। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिए कि यदि आपसी सहमति से समाधान नहीं निकला तो हिमाचल प्रदेश को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाएगा और आदेश को ब्याज सहित लागू कराया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने बताया कि उन्होंने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऐतिहासिक पूंजीगत लागत देनदारी के रिकॉर्ड की जांच करवाई है। इसके बाद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्रीय बिजली मंत्रालय के साथ कई दौर की विस्तृत बातचीत हुई, जिसके आधार पर एक व्यवहारिक और शांतिपूर्ण समाधान का प्रारूप तैयार किया गया है।

अटॉर्नी जनरल ने अदालत को बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था पूरी तरह कैशलेस होगी। इसके तहत किसी राज्य को दूसरे राज्य को सीधे धनराशि नहीं देनी होगी। हिमाचल प्रदेश के ऊर्जा बकाया और उसकी पूंजीगत लागत देनदारी का समायोजन ऊर्जा आपूर्ति के माध्यम से किया जाएगा। इससे वर्षों पुराने विवाद का समाधान बिना किसी प्रत्यक्ष वित्तीय लेनदेन के संभव हो सकेगा।

सुनवाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और बलबीर सिंह ने अटॉर्नी जनरल के

प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि दोनों राज्य इस समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। वहीं पंजाब सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने कहा कि राज्य को इस प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर गंभीर आपत्तियां हैं और इससे पंजाब को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पंजाब की आपत्तियों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह लगभग 60 वर्ष पुराने अंतरराज्यीय विवाद से जुड़ा मामला है, जिस पर 30 वर्ष पहले मूल वाद दायर हुआ था और 15 वर्ष पहले अंतिम फैसला सुनाया जा चुका है। अदालत ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पक्ष में स्पष्ट आदेश मौजूद है और यदि उसे लागू करने की नौबत आई तो वर्ष 2011 से ब्याज सहित उसका लाभ दिलाया जाएगा। अदालत ने कहा कि यदि सभी पक्ष समझौते पर सहमत हो जाएं तो यह बेहतर होगा, अन्यथा पंजाब को परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को निर्धारित की है। साथ ही पंजाब सरकार को अपने रुख पर पुनर्विचार करने और दो सप्ताह के भीतर स्पष्ट जवाब देने का अवसर दिया है। अदालत ने कहा कि न्याय के हित में राज्य को अंतिम अवसर दिया जा रहा है ताकि विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान निकल सके।

प्रस्तावित समझौते के अनुसार पंजाब और हरियाणा, हिमाचल प्रदेश को 15 लीन सीजन (अक्टूबर से मार्च) के दौरान हर वर्ष 871 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली उपलब्ध कराएंगे। इस प्रकार कुल 13,066 मिलियन यूनिट ऊर्जा बकाया का समायोजन किया जाएगा। यह वितरण भाखड़ा नंगल परियोजना के लिए 58:42 तथा ब्यास परियोजना के लिए 60:40 के अनुपात में होगा।

न्यूज ब्रीफ

फर्जी बैंक कर्मचारी बन महिला से 67 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली के सेक्टर-69 निवासी 74 वर्षीय आशा झांब साइबर ठगी का शिकार हो गईं। अज्ञात ठगों ने खुद को यूको बैंक का कर्मचारी बताकर लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन अपडेट कराने के बहाने उनके मोबाइल में फर्जी एपीके फाइल डाउनलोड करवाई। इसके बाद मोबाइल हैक कर उनकी नौ फिक्स्ड डिपॉजिट के विरुद्ध 67.66 लाख रुपये का कर्ज लेकर रकम विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। आरोपी लेनदेन से जुड़े मोबाइल संदेश भी हटा गए। बेटी द्वारा बैंक स्टेटमेंट देखने पर धोखाधड़ी का पता चला, जिसके बाद महिला ने तत्काल खाता फ्रीज कराया। साइबर थाना ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरबीआई की जांच के बाद यूको बैंक, केनरा बैंक, बंधन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक पर कुल 28.25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इनमें से तीन बैंकों ने पीड़िता को संबंधित राशि लौटा दी है, जबकि शेष भुगतान लंबित है।

फर्जी नियुक्ति पत्र भेजकर युवाओं को ठगने का मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। घर-घर रोजगार एवं कारोबार मिशन के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर युवाओं को ठगने के आरोप में स्टेट साइबर क्राइम थाना मोहाली ने यमुनानगर निवासी मोहित कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत मिशन के निदेशक पुनीत सेठी ने दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी जीमेल आईडी बनाकर संगरूर निवासी गुरविंदरप्रीत सिंह को क्लर्क पद का नकली नियुक्ति पत्र भेजा था। मिशन कार्यालय से सत्यापन कराने पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। तकनीकी जांच में ईमेल आईडी आरोपी के मोबाइल नंबर से जुड़ी मिली। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही युवाओं से सरकारी नियुक्ति पत्रों की आधिकारिक वेबसाइट से जांच करने की अपील की गई है।

रिश्वत मामले में दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने 1.30 लाख रुपये रिश्वत मामले में एएसआई गुरजीत सिंह और हेड कांस्टेबल बलविंदर सिंह के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। दोनों पर एनडीपीएस मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी टालने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार पहले पांच लाख रुपये की मांग की गई थी, जिसे बाद में 2.30 लाख रुपये में तय किया गया। एक लाख रुपये पहले ही दिए जा चुके थे। शेष 1.30 लाख रुपये मांगने पर शिकायतकर्ता ने विजिलेंस से संपर्क किया। जांच के बाद विजिलेंस ने जाल बिछाकर 2 जून को एएसआई गुरजीत सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जांच में हेड कांस्टेबल की संलिप्तता मिलने पर उसे भी आरोपी बनाया गया।

प्रीपेड बिजली व्यवस्था से स्कूलों की पढ़ाई प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली जिले के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में प्रीपेड बिजली व्यवस्था के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कई स्कूलों में प्रीपेड मीटर का रिचार्ज समाप्त होने या बिजली आपूर्ति बाधित होने से पंखे, लाइट और स्मार्ट क्लास बंद हो रही हैं। हाल ही में फेज-3बी2 के एक स्कूल में रिचार्ज खत्म होने से बिजली बंद हो गई, जबकि फेज-3बी1 स्कूल में दो दिन तक बिजली नहीं रही। इससे बच्चों और शिक्षकों को गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ा। फेज-6 स्कूल प्रबंधन ने भी समय पर रिचार्ज नहीं होने पर ऐसी स्थिति बनने की आशंका जताई है। जिला शिक्षा अधिकारी (एलिमेंट्री) दर्शनजीत सिंह ने बताया कि सभी सरकारी प्राइमरी स्कूलों के लिए औसत बिजली खर्च के आधार पर अग्रिम राशि सीधे बिजली विभाग के खाते में जमा कराई जाएगी।

25 अगस्त से चंडीगढ़ में होगी तैराकी प्रतियोगिता 22 अगस्त तक नि :शुल्क आवेदन करने का मौका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ खेल विभाग की ओर से 25 से 27 अगस्त तक तीन दिवसीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के मुकाबले सेक्टर-23 स्थित ऑल वेदर स्विमिंग पूल में आयोजित होंगे। इसमें 11 से 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी तथा विशेष बच्चे भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों से 22 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिता में प्रवेश और प्रतिभागियों के भोजन की व्यवस्था पूरी तरह निशुल्क रहेगी। प्रतियोगिता में केवल चंडीगढ़ के निवासी या चंडीगढ़ के किसी स्कूल अथवा कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी ही भाग लेने के पात्र होंगे। पात्रता के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड के साथ स्कूल या कॉलेज का पहचान पत्र अथवा संबंधित संस्थान का बोनाफाइड प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

युवा प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में तैराकी खेल को बढ़ावा देना, नई प्रतिभाओं की पहचान करना और खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना है। खेल विभाग का मानना है कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, साथ ही भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद मिलती है। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों में अलग-अलग स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। सभी मुकाबले निर्धारित नियमों और तैराकी महासंघ के दिशा-निर्देशों के अनुसार कराए जाएंगे। प्रत्येक प्रतिभागी को समय पर रिपोर्ट करना होगा तथा अपने साथ आवश्यक पहचान दस्तावेज रखना अनिवार्य होगा। विभाग ने प्रतिभागियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है ताकि सत्यापन प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

पीएचडी शोधार्थी ज्योति की मौत के मामले में मजिस्ट्रियल जांच तेज, एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी की पीएचडी शोधार्थी ज्योति की परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में यूटी प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जिला मजिस्ट्रेट, यूटी चंडीगढ़ ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और विस्तृत जांच सुनिश्चित करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश के अनुसार समिति की अध्यक्षता यूटी के समाज कल्याण निदेशक नवीन रत्तू (डेनिक्स) करेंगे। समिति में चंडीगढ़ पुलिस के डीएसपी (ट्रैफिक) लक्ष्य पांडे (डैनिप्स) तथा यूटी इंजीनियरिंग विभाग के डिवीजन-1 के कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल) गुरप्रीत सिंह बैंस को सदस्य बनाया गया है। समिति घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहन जांच करेगी।

जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता

लगाना है कि शोधार्थी ज्योति की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके वास्तविक तथा तत्काल कारण क्या थे। इसके साथ ही समिति यह भी जांच करेगी कि किसी व्यक्ति, विभाग, एजेंसी, विश्वविद्यालय प्रशासन या अन्य संबंधित पक्ष की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही, चूक अथवा जिम्मेदारी बनती है या नहीं।

जांच केवल मौत के कारणों तक सीमित नहीं रहेगी। समिति को घटना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव प्रणाली और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की भी समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की कमी या रखरखाव में लापरवाही सामने आती है तो उसका विस्तृत उल्लेख रिपोर्ट में किया जाएगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक और संस्थागत उपाय सुझाने की जिम्मेदारी भी समिति को सौंपी गई है।

विश्वविद्यालय को सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी रिपोर्ट, संबंधित रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ-साथ जांच के लिए प्रशासनिक और लॉजिस्टिक सहायता भी सुनिश्चित करनी होगी।

86 वर्षीय बीमार महिला की सुरक्षा में लापरवाही पर मानवाधिकार आयोग ने प्रशासन से मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-35 में रहने वाली 86 वर्षीय गंभीर रूप से बीमार महिला की सुरक्षा में कथित लापरवाही को लेकर पंजाब-चंडीगढ़ मानवाधिकार आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने चंडीगढ़ प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उपायुक्त (डीसी) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से विस्तृत जवाब तलब किया है। आयोग ने पूछा है कि लगभग तीन वर्ष पहले अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी आदेशों को अब तक लागू क्यों नहीं किया गया और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई।

मामला सेक्टर-35 निवासी 86 वर्षीय संतोष से जुड़ा है, जो एडवांस इंटरस्टिशियल लंग बीमारी से पीड़ित हैं। उनकी स्वास्थ्य स्थिति अत्यंत गंभीर है और वह लंबे समय से लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट पर जीवन यापन कर रही हैं। याचिका के अनुसार, उनकी शारीरिक स्थिति को

देखते हुए प्रशासन को विशेष संवेदनशीलता बरतनी चाहिए थी, लेकिन सुरक्षा संबंधी आदेशों के बावजूद उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई।

याचिका में बताया गया कि 8 दिसंबर 2023 को तत्कालीन एडीसी ने संबंधित थाना प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पुलिसकर्मियों को उनके घर भेजा जाए। आदेश में विशेष रूप से महिला पुलिसकर्मी की तैनाती का भी उल्लेख किया गया था ताकि वरिष्ठ नागरिक की सुरक्षा और आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके। इसके बावजूद इन निर्देशों पर अमल नहीं हुआ।

शिकायतकर्ता के अनुसार, दो जनवरी 2024 को महिला के बेटे ने कथित रूप से जबरन घर में प्रवेश कर उनकी देखभाल कर रहे नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इस घटना की शिकायत पुलिस को दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। शिकायत के बावजूद न तो आरोपित के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की गई और न ही महिला की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया।

मामला जब पंजाब-चंडीगढ़ मानवाधिकार आयोग के समक्ष पहुंचा तो आयोग ने इसे गंभीरता से लिया। सुनवाई के दौरान आयोग ने कहा कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों में प्रशासन और पुलिस का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। यदि पहले से जारी सुरक्षा आदेशों का पालन नहीं किया गया है तो यह प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला माना जाएगा।

आयोग ने एसएसपी को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट अगली सुनवाई से पहले प्रस्तुत की जाए। साथ ही संबंधित क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को भी व्यक्तिगत रूप से आयोग के समक्ष उपस्थित होकर तथ्यात्मक रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए हैं।

देर रात मोबाइल से युवाओं की नींद और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। देर रात तक मोबाइल फोन का उपयोग, ऑनलाइन गेम, वेब सीरीज और पढ़ाई का बढ़ता दबाव युवाओं की नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। अनियमित दिनचर्या के कारण बड़ी संख्या में युवा नींद की कमी, तनाव, थकान और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। मनोरोग विशेषज्ञों के अनुसार, हर महीने करीब 100 युवा केवल नींद और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के कारण परामर्श लेने अस्पताल पहुंच रहे हैं। पहले इस तरह की समस्याएं मुख्य रूप से नौकरीपेशा लोगों में देखने को मिलती थीं, लेकिन अब विद्यार्थी भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश छात्र देर रात दो से तीन बजे तक मोबाइल पर वेब सीरीज देखते हैं, सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं या ऑनलाइन गेम खेलते रहते हैं। इसके बाद सुबह जल्दी कॉलेज या कोचिंग जाने के कारण उनकी नींद पूरी नहीं

◆ हर महीने सौ युवा नींद और मानसिक समस्याओं के लिए पहुंच रहे अस्पताल

हो पाती। लगातार कम नींद लेने से शरीर और मस्तिष्क दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे पढ़ाई में मन नहीं लगता, याददाश्त कमजोर होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और मानसिक तनाव भी बढ़ने लगता है।

चिकित्सकों के अनुसार मोबाइल और लैपटॉप की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट दिमाग को सक्रिय बनाए रखती है। इससे शरीर को समय पर सोने का संकेत नहीं मिल पाता और धीरे-धीरे जैविक नींद चक्र प्रभावित हो जाता है। लंबे समय तक यही स्थिति बनी रहने पर अनिद्रा, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है। फेज-6 स्थित एम्स मोहाली के मनोरोग विभाग की सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रिया अरोड़ा ने बताया कि युवाओं के लिए प्रतिदिन कम से कम सात से आठ घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक है।

बिना चर्चा प्रस्ताव पारित करने पर प्रशासक ने निगम से मांगा जवाब

बिना चर्चा प्रस्ताव पारित होने पर प्रशासक सख्त, निगम आयुक्त से जवाब तलब, मेयर की कार्यशैली भी सवालों में

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम की सदन बैठक में बिना चर्चा के कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाने का मामला अब तूल पकड़ गया है। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए नगर निगम आयुक्त अमित कुमार से जवाब तलब किया है। उन्होंने पूछा है कि आखिर बिना पर्याप्त चर्चा के प्रस्तावों को जल्दबाजी में पारित करने की क्या वजह थी। सूत्रों के अनुसार प्रशासक ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

जानकारी के अनुसार हाल ही में हुई निगम सदन की बैठक में टेबल एजेंडा के तहत 15 से अधिक प्रस्ताव पेश किए गए थे। इनमें से केवल चार प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जबकि शेष 11 प्रस्ताव बिना पढ़े और बिना किसी बहस के एक साथ पारित कर दिए गए। इन प्रस्तावों में सेक्टर-25 के सूखा कचरा प्रसंस्करण संयंत्र से जुड़ा आरएफपी भी शामिल था। इसके अलावा शहर के विकास और नगर निगम से जुड़े कई अहम प्रस्ताव भी बिना चर्चा के मंजूर कर दिए गए।

प्रशासक इस मामले की विस्तृत जानकारी लेने के लिए कई पार्षदों से भी बातचीत करेंगे। बुधवार को यूटी सचिवालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी इस विषय पर चर्चा होने की संभावना है। प्रशासन चाहता है कि यह स्पष्ट हो कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय जनता पार्टी के भीतर भी असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। कई भाजपा पार्षद मेयर सौरभ जोशी की कार्यशैली से नाराज बताए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि महत्वपूर्ण प्रस्तावों को बिना चर्चा के पारित कराया गया और निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला। कुछ पार्षद मेयर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की तैयारी भी कर रहे हैं और पार्टी नेतृत्व से शिकायत कर चुके हैं।

पार्षद कंवरजीत सिंह राणा ने भी निगम अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए विकास कार्यों में देरी, बुड़ैल क्षेत्र में जलभराव और सफाई व्यवस्था में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर वह धरने पर बैठेंगे।

वर्ष के अंत में होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले भाजपा के भीतर बढ़ती नाराजगी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विपक्ष भी इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर उठे सवाल

नगर निगम की कार्यवाही को लेकर उठे विवाद ने शहर की राजनीतिक हलचल भी तेज कर दी है। कई पार्षदों का मानना है कि महत्वपूर्ण नीतिगत और विकास संबंधी प्रस्तावों पर सदन में विस्तृत चर्चा होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। बिना बहस के प्रस्तावों को पारित करने से न केवल पार्षदों की भूमिका सीमित होती है, बल्कि जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता भी प्रभावित होती है। यही कारण है कि इस मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार प्रशासक इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा करेंगे और यदि जांच में प्रक्रिया संबंधी अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है। प्रशासन यह भी जानना चाहता है कि क्या सभी प्रस्ताव नियमानुसार सदन के सदस्यों को उपलब्ध कराए गए थे और क्या प्रत्येक प्रस्ताव पर चर्चा का पर्याप्त अवसर दिया गया था।

बाल यौन शोषण सामग्री अपलोड करने पर दोषी को अदालत ने दी उम्रकैद की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ

बाल यौन शोषण से जुड़ी अश्लील सामग्री (सीएसएएम) इंटरनेट पर अपलोड करने के मामले में मोहाली की अदालत ने एक दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विक्रांत वर्मा की अदालत ने आरोपी संदीप सिंह को पॉक्सो अधिनियम की धारा-6 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े अपराध समाज के लिए अत्यंत गंभीर हैं और ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है।

अदालत ने आरोपी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67-बी के तहत भी दोषी ठहराया। इस अपराध के लिए उसे पांच वर्ष के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की अतिरिक्त सजा सुनाई गई। मामले में राज्य सरकार की ओर से उप जिला अटॉर्नी हरदीप सिंह रोमाणा ने प्रभावी पैरवी की।

मामले की शुरुआत तब हुई जब पंजाब राज्य साइबर क्राइम पुलिस को ऑनलाइन माध्यमों पर बाल यौन शोषण से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री अपलोड किए जाने की सूचना मिली। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच टीम ने संदिग्ध मोबाइल नंबरों, ई-मेल खातों और डिजिटल गतिविधियों का विस्तृत विश्लेषण किया, जिसके आधार पर आरोपी संदीप सिंह की पहचान की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी के विभिन्न ऑनलाइन खातों से बच्चों के यौन शोषण से संबंधित कई तस्वीरें और वीडियो अपलोड किए गए थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कराई। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने

आपत्तिजनक सामग्री डिजिटल माध्यमों पर संग्रहीत की थी और उसे सुरक्षित रखने के लिए अलग-अलग ई-मेल आईडी का भी उपयोग किया था।

फोरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तकनीकी प्रमाणों के आधार पर पुलिस ने अदालत में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए। जांच के दौरान पीड़ित नाबालिगों की पहचान भी स्थापित की गई। अदालत ने उपलब्ध डिजिटल रिकॉर्ड, फोरेंसिक रिपोर्ट, दस्तावेजी साक्ष्य और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को दोषी ठहराया।

परीक्षा घोटालों पर पंजाब विधानसभा का केंद्र को प्रस्ताव

पंजाब विधानसभा ने प्रश्नपत्र लीक और भर्ती अनियमितताओं पर जताई चिंता, केंद्र से परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सरकारी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक और भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर सदन में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में देश की परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताते हुए इसे सुधारने के लिए व्यापक कदम उठाने की मांग की गई।

हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सरकारी परीक्षाओं में बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा प्रक्रिया में धोखाधड़ी, भर्ती में अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं ने योग्यता आधारित व्यवस्था को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं का सीधा असर लाखों युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है, जो वर्षों तक मेहनत करने के बाद निष्पक्ष अवसर की उम्मीद रखते हैं।

प्रस्ताव में कहा गया कि पिछले एक दशक के दौरान देश में कई बड़े परीक्षा घोटाले सामने आए हैं। इनमें प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल परीक्षा प्रणाली में सेंधमारी और भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ी अनियमितताएं शामिल हैं। इन घटनाओं के कारण सरकारी संस्थानों और भर्ती प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं। प्रस्ताव में कहा गया कि निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लोकतंत्र तथा युवाओं के अधिकारों के लिए बेहद जरूरी है।

छात्र आंदोलनों पर कार्रवाई का किया विरोध : वित्त मंत्री ने प्रस्ताव में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार और जवाबदेही की मांग करने वाले छात्रों पर कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि कई स्थानों पर छात्रों के खिलाफ मनमानी गिरफ्तारियां की गईं, आपराधिक मामले दर्ज किए गए और बल प्रयोग किया गया।

प्रस्ताव में पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की हिरासत तथा उनके खिलाफ की गई कार्रवाई की भी आलोचना की गई। इसमें कहा गया कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा सुधार की मांग करने वाले लोगों के साथ संवेदनशील तरीके से व्यवहार किया जाना चाहिए।

चीमा ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राज्यों में शांतिपूर्ण और निहत्थे छात्र आंदोलनों के दौरान आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया और बड़ी संख्या में प्राथमिकी दर्ज की गई।

नाबालिग छात्रों पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया : प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि कुछ मामलों में नाबालिग छात्र-छात्राओं के खिलाफ भी भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मामले दर्ज किए गए। पंजाब विधानसभा ने ऐसे मामलों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

सदन में रखे गए प्रस्ताव में प्रश्नपत्र लीक, भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और संस्थागत विफलताओं की कड़े शब्दों में निंदा की गई। साथ ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों और नागरिकों के खिलाफ दर्ज कथित अनुचित आपराधिक मामलों को वापस लेने की मांग की गई।

परीक्षा संस्थाओं में सुधार की मांग: प्रस्ताव के माध्यम से केंद्र सरकार से सरकारी परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार करने की अपील की गई। इसमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में सुधार, परीक्षा व्यवस्था के विकेंद्रीकरण और प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग शामिल है। इसके अलावा प्रस्ताव में परीक्षा संबंधी आंदोलनों के दौरान घायल हुए छात्रों को उचित उपचार, पुनर्वास और मुआवजा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। पंजाब विधानसभा ने सुझाव दिया कि प्रस्ताव की प्रतियां प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय को भेजी जाएं।

पार्टी विरोधी गतिविधियों पर अकाली दल ने दो नेताओं को हटाया

भारतेंदु संवाददाता, कपूरथला।

शिरोमणि अकाली दल ने पार्टी अनुशासन को मजबूत बनाए रखने के लिए कपूरथला विधानसभा क्षेत्र से जुड़े दो नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने हरजीत सिंह वालिया और सुखदेव सिंह उर्फ सुखा कादुपुर की प्राथमिक सदस्यता समाप्त कर दी है। दोनों नेताओं पर लंबे समय से पार्टी गतिविधियों से दूरी बनाने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं।

इस संबंध में शिरोमणि अकाली दल के कपूरथला जिला अध्यक्ष दलविंदर सिंह सिद्धू ने लिखित प्रेस बयान जारी कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फैसला पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान के निर्देशों के अनुसार दोनों नेताओं को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटा दिया गया है।

दलविंदर सिंह सिद्धू ने आरोप लगाया कि हरजीत सिंह वालिया और सुखदेव सिंह उर्फ सुखा कादुपुर पिछले काफी समय से पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय नहीं थे। इसके अलावा उन पर पार्टी की नीतियों और फैसलों के खिलाफ गतिविधियां करने के आरोप भी लगे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन को किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं होने दिया जा सकता और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता लगातार संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को देखते हुए कपूरथला विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता मेहनत कर रहे हैं। ऐसे समय में पार्टी लाइन से अलग गतिविधियां करना संगठन और एकजुटता के लिए नुकसानदायक माना गया।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल में प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता के लिए पार्टी की नीतियों, फैसलों और अनुशासन का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़ रही है और आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति तैयार की जा रही है।

दलविंदर सिंह सिद्धू ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आपसी मतभेदों को दूर रखते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए काम करें। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता से कपूरथला हलके में पार्टी को मजबूती मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल किए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सीमा पर बढ़ी सुरक्षा पंजाब पुलिस-बीएसएफ का संयुक्त अभियान तेज

घुसपैठ और तस्करी रोकने के लिए सीमावर्ती इलाकों में हो रही कड़ी निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पंजाब से लगती भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। किसी भी संभावित खतरे, घुसपैठ, ड्रोन गतिविधि, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन और फ्लैग मार्च अभियान शुरू किया है।

पंजाब पुलिस प्रमुख गौरव यादव के अनुसार, पठानकोट, फिरोजपुर, अमृतसर सहित अन्य संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने गहन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सीमा से सटे गांवों, खेतों, नहरों, कच्चे रास्तों और अन्य संदिग्ध स्थानों की जांच की गई। सुरक्षा जवानों ने इलाके में गश्त बढ़ाते हुए हर गतिविधि पर नजर रखी। अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त अभियान का उद्देश्य सीमा पार से होने वाली किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करना और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाना है। इसके अलावा ड्रोन के जरिए हथियार या नशीले पदार्थ भेजने की कोशिशों को रोकने के लिए भी विशेष निगरानी की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पंजाब पुलिस, बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच लगातार समन्वय स्थापित किया गया है। सीमा क्षेत्रों में अत्याधुनिक निगरानी उपकरणों, ड्रोन रोधी तकनीक और नियमित गश्त के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

डीजीपी कार्यालय की ओर से सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रोजाना रिपोर्ट भी ली जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त सर्च ऑपरेशन और फ्लैग मार्च आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि किसी भी संभावित खतरे का समय रहते मुकाबला किया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से भी सहयोग की अपील की है।

कनाडा में पंजाबी युवक की रैश ड्राइविंग का वीडियो हुआ वायरल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा के कैलगरी से सामने आए एक कथित रैश ड्राइविंग वीडियो ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। वायरल वीडियो में एक पंजाबी युवक अपनी कार्वेट कार को ट्रैफिक वाली सड़क पर करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उसे डिपोर्ट करने की मांग उठाई है।

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, कार चला रहे युवक की पहचान जस सिंह के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, युवक पंजाब के किस क्षेत्र से संबंधित है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में कार का स्पीडोमीटर तेज रफ्तार दिखाता नजर आ रहा है।

एफएंडसीसी विवाद में विधायकों के बेटों ने छोड़ी सदस्यता

हाईकोर्ट नोटिस के बाद इस्तीफे से गरमाई नगर निगम राजनीति

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना।

लुधियाना नगर निगम की फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी (एफएंडसीसी) को लेकर चल रहा विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई और मेयर को नोटिस जारी होने के बाद विधायक मदन लाल बग्गा और विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू के बेटों ने एफएंडसीसी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की।

हाईकोर्ट रोक के बीच एफएंडसीसी कमेटी पर बढ़ा संकट

जानकारी के अनुसार, 24 जून को लुधियाना की मेयर ने दोनों विधायकों के बेटों को एफएंडसीसी का सदस्य नियुक्त करने के आदेश जारी किए थे। इस नियुक्ति के बाद आम आदमी पार्टी के कई पार्षदों ने भी नाराजगी जताई थी। उनका आरोप था कि पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के किसी भी पार्षद को कमेटी में जगह नहीं दी गई, जबकि संबंधित विधायकों के बेटों को सदस्य बना दिया गया।

इसके बाद कांग्रेस पार्षदों ने इस नियुक्ति को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि नगर निगम अधिनियम के अनुसार एफएंडसीसी के सदस्यों का चयन पार्षदों द्वारा किया जाता है और मेयर को सीधे नियुक्ति करने का अधिकार नहीं है।

वहीं, मेयर पक्ष की ओर से तर्क दिया गया कि 24 मार्च को हुई जनरल हाउस की बैठक में उन्हें एफएंडसीसी सदस्यों के चयन का अधिकार दिया गया था। याचिकाकर्ताओं ने इस दावे को गलत बताते हुए कहा कि बैठक में ऐसा कोई एजेंडा पेश नहीं किया गया था और न ही कोई मतदान हुआ था। मामले में कांग्रेस पार्षदों के अलावा शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और निर्दलीय पार्षदों ने भी याचिका के समर्थन में शपथ पत्र दाखिल किए थे। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एफएंडसीसी की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को डीए जारी करने के दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को कर्मचारियों और पेंशनरों का लंबित महंगाई भत्ता (डीए) जल्द जारी करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने सरकार को 15 दिन के भीतर करीब 8 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया डीए का भुगतान करने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि इस महीने के अंत तक कर्मचारियों और पेंशनरों को डीए का भुगतान नहीं किया जाता है तो सरकार को 6 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। अदालत के इस आदेश से लंबे समय से बकाया डीए का इंतजार कर रहे कर्मचारियों में राहत की उम्मीद जगी है। जानकारी के अनुसार, पंजाब सरकार ने महंगाई भत्ते से जुड़े मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत की सिंगल बेंच ने सरकार की अपील को खारिज कर दिया और पहले दिए गए आदेश को बरकरार रखा।

कर्मचारियों की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार की दलीलों को स्वीकार नहीं किया है। अब पंजाब सरकार के पास केवल 15 दिन का समय है, जिसमें उसे कर्मचारियों और पेंशनरों का लंबित डीए जारी करना होगा।

विदेशी हैंडलर के इशारे पर पुलिस चौकी पर किया था ग्रेनेड हमला

बटाला ग्रेनेड हमले में दो नाबालिग आरोपी गिरफ्तार, साजिश का खुलासा

भारतेंदु संवाददाता, बटाला।

गुरदासपुर के बटाला में अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी पर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने विदेश में बैठे एक हैंडलर के निर्देश पर और पैसों के लालच में इस वारदात को अंजाम दिया था।

डीआईजी बॉर्डर रेंज हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला हुआ था। घटना के बाद पुलिस ने जांच के लिए कई टीमें गठित की थीं। प्रतिरक्षा खुफिया इकाई और बटाला पुलिस को मिले अहम सुरागों के आधार पर दोनों आरोपियों को पकड़ा गया।

पुलिस के मुताबिक, दोनों गिरफ्तार आरोपी बटाला पुलिस जिले के रहने वाले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वे विदेश में बैठे एक हैंडलर के संपर्क में थे। हैंडलर के कहने पर उन्होंने मामूली रकम के लालच में पुलिस चौकी को निशाना बनाया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों का संपर्क हैंडलर से कैसे हुआ और उन्हें वारदात के लिए किस तरह तैयार किया गया।

डीआईजी ने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी की पहचान भी कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि साजिश में शामिल सभी लोगों तक पहुंचा जा सके।

विदेश भेजने के नाम पर 15.50 लाख की ठगी

भारतेंदु संवाददाता, होशियारपुर।

हाजीपुर थाना पुलिस ने विदेश भेजने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई एसएसपी होशियारपुर संदीप कुमार मलिक के निर्देशों पर की गई है। हाजीपुर थाना प्रभारी हरप्रेम सिंह ने बताया कि गांव थेह बरनाला निवासी सतनाम सिंह पुत्र स्वर्गीय मदन लाल ने एसएसपी होशियारपुर को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि गांव थेह बरनाला निवासी परमिंदर सिंह, जो वर्तमान में जालंधर के कपूरथला चौक के पास रहता है, ने उसे विदेश भेजने का भरोसा देकर 15 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी होशियारपुर ने मामले की जांच डीएसपी सब-डिवीजन मुकेरियां को सौंपी।

गन के दम पर लूटी एक्सयूवी बेचने की साजिश बेनकाब, शातिर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना।

लुधियाना के फुल्लांवाल चौक के नजदीक गन प्वाइंट पर लूटी गई एसयूवी कार को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने वाले शातिर आरोपी का पर्दाफाश हुआ है। आरोपी ने कार डीलर को जाली पहचान पत्र और फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज दिखाकर 3.75 लाख रुपये में वाहन बेच दिया था। हालांकि, जब कार डीलर गाड़ी के सत्यापन के लिए असली मालिक के घर पहुंचा तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। इसके बाद कार मालिक और डीलर ने पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़वा दिया।

पक्खोवाल रोड स्थित निर्मोहगढ़ कॉलोनी निवासी विनोद कुमार ने बताया कि 17 नवंबर 2025 को फुल्लांवाल चौक स्थित होटल कीज के पास उनकी एसयूवी कार को एक व्यक्ति ने गन प्वाइंट पर लूट लिया था। इस संबंध में थाना दुगरी की एसबीएस नगर पुलिस चौकी में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 23 जुलाई को एक कार डीलर से संपर्क कर एसयूवी कार बेचने का सौदा किया। उसने फर्जी आईडी प्रूफ और दस्तावेज पेश किए तथा बिक्री समझौते पर वाहन मालिक विनोद कुमार के जाली हस्ताक्षर कर दिए। आरोपी ने डीलर से तीन लाख रुपये नकद ले लिए, जबकि 75 हजार रुपये की राशि बाकी थी।

रजनीश धीमान बने भाजपा पंजाब महासचिव कार्यकर्ताओं ने दी बधाई और शुभकामनाएं

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हाईकमान की ओर से रजनीश धीमान को पंजाब प्रदेश का महासचिव नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आत्म नगर विधानसभा क्षेत्र के नेता मुकेश साहनी अपनी पूरी टीम के साथ रजनीश धीमान के निवास स्थान पहुंचे और उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान मुकेश साहनी और उनकी टीम ने रजनीश धीमान का मुंह मीठा करवाकर खुशी जाहिर की। मुलाकात के दौरान पार्टी संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने पंजाब में भाजपा की जमीनी पकड़ मजबूत करने और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर भी विचार-विमर्श किया। मुकेश साहनी ने कहा कि रजनीश धीमान को मिली नई जिम्मेदारी से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने उम्मीद जताई कि धीमान अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के बल पर पंजाब में भाजपा को और मजबूत करने का काम करेंगे।

रजनीश धीमान ने भी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता से संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर नरेंद्र मल्ली, डॉ. निर्मल नय्यर, सुरिंदर कौशल, नवल जैन, शिवजय बियाला, रमेश पांडे, निशांत डावर, राज कुमार छाबड़ा, मुकेश चोपड़ा, मनु जैन और विनय मित्तल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने रजनीश धीमान के नेतृत्व में संगठन को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने रजनीश धीमान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। नेताओं ने विश्वास जताया कि धीमान के अनुभव से पंजाब में भाजपा की गतिविधियों को विस्तार मिलेगा और आगामी चुनावों की तैयारियों में भी संगठन को लाभ होगा।

सियासत कार्यकर्ता सम्मेलन में नेताओं के बयानों से कांग्रेस के अंदरूनी समीकरण हुए उजागर

बरनाला कांग्रेस में छिड़ी सियासी तकरार, मंच पर दिखी खींचतान

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला।

बरनाला में आयोजित कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन केवल संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इस मंच से पार्टी के अंदर चल रहे राजनीतिक समीकरण भी सामने आ गए। सम्मेलन के दौरान बरनाला के विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह काला ढिल्लों ने जहां विधानसभा क्षेत्र में बाहरी नेताओं के हस्तक्षेप को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की, वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी अपने संबोधन में काला ढिल्लों को राजनीतिक संदेश दिया।

कार्यक्रम में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। काला ढिल्लों ने अपने संबोधन में क्षेत्रीय राजनीति और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने संकेत दिया कि विधानसभा क्षेत्र के मामलों में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

इसके बाद जब पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने मंच संभाला तो उन्होंने अपने संबोधन में काला ढिल्लों का जिक्र करते हुए कहा कि वह उनके छोटे भाई हैं और उनका विधायक बनना पार्टी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि काला ढिल्लों को विधायक बनाने में पार्टी संगठन और नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राजा वड़िंग ने कहा कि उपचुनाव के दौरान काला ढिल्लों को करीब 26 हजार वोट मिले थे। चुनाव में कई उम्मीदवार होने के कारण वोटों का विभाजन हुआ, लेकिन अंत में कांग्रेस को जीत हासिल हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हर मंच पर बरनाला में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काला ढिल्लों के योगदान को स्वीकार किया है।

कांग्रेस सम्मेलन में वड़िंग-ढिल्लों के बयानों से बढ़ी सियासी हलचल

अपने भाषण के दौरान राजा वड़िंग ने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा कि जब कोई व्यक्ति विधायक बन जाता है तो कई बार उसे लगता है कि वह बड़ा नेता बन गया है और आसपास से सुनी हुई बातें आगे साझा करने लगता है। उन्होंने कहा कि कई बार अधूरी जानकारी के आधार पर धारणाएं बन जाती हैं, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

राजा वड़िंग ने यह भी याद दिलाया कि चुनाव के दौरान पार्टी नेतृत्व की ओर से काला ढिल्लों को लगातार लोगों के बीच रहने और घर-घर संपर्क करने की सलाह दी गई थी। उन्होंने कहा कि संगठन और नेतृत्व के सहयोग से ही चुनावी सफलता हासिल होती है।

सम्मेलन के बाद कांग्रेस के राजनीतिक हलकों में दोनों नेताओं के बयानों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मंच से दिए गए इन बयानों ने पार्टी के अंदर चल रहे समीकरणों को उजागर कर दिया है।

भगवान हनुमान के आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है मंगलवार का पवित्र दिवस

सिकंदर बंसल
रामपुर बुशहर

भारतीय संस्कृति में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित माना गया है। इन्हीं में मंगलवार का विशेष महत्व है। यह दिन भगवान हनुमान और मंगल ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है। हिंदू धर्म में मंगलवार को शक्ति, साहस, पराक्रम, आत्मविश्वास और सेवा भावना का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान हनुमान की आराधना करने से भय, संकट, रोग और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है। यही कारण है कि देशभर के हनुमान मंदिरों में मंगलवार को विशेष पूजा-अर्चना और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

भगवान हनुमान को भगवान शिव का रुद्रावतार तथा श्रीराम का परम भक्त माना जाता है। उन्होंने अपने अद्भुत बल, बुद्धि, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा से मानवता के सामने आदर्श प्रस्तुत किया। रामायण में हनुमान जी का प्रत्येक कार्य कर्तव्यनिष्ठा, साहस और समर्पण का संदेश देता है। उन्होंने समुद्र लांघकर माता सीता का पता लगाया, लंका दहन किया और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा की। इन घटनाओं से यह शिक्षा मिलती है कि दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और ईश्वर पर अटूट विश्वास से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

मंगलवार को अनेक श्रद्धालु व्रत रखते हैं और हनुमान चालीसा, सुंदरकांड तथा बजरंग बाण का पाठ करते हैं। मंदिरों में सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल, नारियल और बूंदी का प्रसाद अर्पित किया जाता है। कई लोग इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान भी करते हैं। भारतीय परंपरा में यह माना जाता है कि सच्ची भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं होती, बल्कि सेवा, परोपकार और सदाचार के माध्यम से भी व्यक्त होती है। इसलिए मंगलवार को सेवा कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है।

ज्योतिष शास्त्र में मंगलवार का संबंध मंगल ग्रह से माना गया है। मंगल ग्रह को साहस, ऊर्जा, पराक्रम, आत्मबल और नेतृत्व का कारक माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होती है, वे मंगलवार को विशेष पूजा, दान और मंत्र जाप करते हैं। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि ज्योतिषीय उपायों के साथ-साथ अच्छे कर्म, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही जीवन में स्थायी सफलता का आधार बनते हैं।

मंगलवार हमें केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों की भी शिक्षा देता है। भगवान हनुमान का जीवन हमें विनम्रता, निष्ठा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता का संदेश देता है। अपार शक्ति होने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। उन्होंने सदैव स्वयं को भगवान श्रीराम का सेवक माना। आज के समय में जब समाज में स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और तनाव बढ़ता जा रहा है, तब हनुमान जी का चरित्र हमें सेवा, संयम और समर्पण का मार्ग दिखाता है।

आज का युवा वर्ग यदि हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन, आत्मविश्वास और परिश्रम को अपनाए तो वह जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकता है। नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, समय का सदुपयोग और लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे गुण भी हनुमान जी के व्यक्तित्व से जुड़े हुए हैं। इस दृष्टि से मंगलवार केवल धार्मिक अनुष्ठानों का दिन नहीं, बल्कि स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने की प्रेरणा देने वाला दिन भी है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मंगलवार को अनेक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कई स्थानों पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भंडारे, रक्तदान शिविर और सेवा कार्य भी आयोजित होते हैं। इससे समाज में भाईचारे, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना मजबूत होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कहते हैं भारत में कुछ नहीं हो रहा, लेकिन सच यह है कि बहुत कुछ हो रहा है और सवाल भी उठ रहे हैं

डॉ. अशोक कुमार चौबे
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कृषि प्रसार शिक्षा

लोग कह रहे हैं भारत में कुछ नहीं हो रहा, यह गलत बोल रहे हैं। भारत में वह सब होता है जो विश्व के किसी देश में नहीं होता। क्या विश्व के किसी भी चर्च में कभी चढ़ावा चोरी हुआ? क्या एक दिन में किसी देश में 35 करोड़ वृक्ष लगे। यह मात्र भारत में ही संभव हो सकता है। यहां विशाल जनता है जो एक दिन में कुछ भी कर सकती है। उत्तर प्रदेश में एक दिन में 40 करोड़ पौधे लगे हैं, जबकि आबादी है 55 करोड़। सवाल उठता है कि क्या हर व्यक्ति ने दो पौधे लगाए? क्या 5 साल के लड़के भी शामिल थे पौधरोपण में? क्या एक दिन में 3 लाख पौधे किसी शहर में लगे हैं? भारत में लगे हैं और कहते कुछ नहीं हो रहा है। देखने सुनने का नजरिया बदल दें।

भारत में अब बस सुनने का अधिकार है, ऐसा किसी देश में है? हमारे देश से बैंकों का पैसा लेकर लोग भाग जाते हैं, कहा जाता है भारतीय पैसा था ले गया। 10 रुपए बैंक का कर्ज किसान कम वापस करता है तो कुर्की हो जाती है जमीन की, परंतु जो अरबों लेकर भाग गया वह सम्मानयोग्य है। यह नया भारत है। पांच साल में लगभग नौ लाख भारतीय भारत की नागरिकता छोड़ चुके हैं। क्या अन्य किसी देश के नागरिक ऐसा करते हैं? यहां शिक्षा बदल गई। सरकारी स्कूल बंद हो गए-किसी ने कुछ बोला। कभी पेट्रोल में इथेनॉल की लूट तो कभी नौकरी के पेपर की लूट। चिकित्सा महाविद्यालयों में डॉक्टर नहीं फिर भी डिग्री की लूट। निजी कॉलेजों में मानक के अनुसार अध्यापक नहीं, वेतन नहीं, परंतु डिग्री तो मिल रही है। विश्व में ऐसा कोई देश है, बस बोलते हैं भारत में कुछ नहीं हो रहा है।

भारत में ड्रोन तकनीकी से 7000 करोड़ की सड़क बनती है और वह एक बारिश में बह जाती है और कोई सड़क 3000 करोड़ की बनी उद्घाटन से पहले ही गड्ढे बन जाते हैं। यह सब हो रहा है और कहते हैं कुछ नहीं हो रहा है। अनशन पर बैठे युवा-छात्र। क्या किसी देश में अनशन वालों को अनशन करने से रोका जाता है? भारत में व्यवस्था सही रहे इसलिए आंदोलनों को रोका जाता है। मुकदमे होते हैं और कहते हैं कुछ नहीं हो रहा है।

भारत में इस समय बहुत तरह की समस्याओं की बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ में राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपी चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपालराव से भाजपा सरकार परेशान भी है। कहीं न कहीं हर जगह कुछ हो रहा है। हर शहर हर प्रदेश में, लेकिन इस कुछ में कुछ जनता कुछ युवा छात्र ही बस आवाज दे रहे हैं। अब हर आवाज में चढ़ावा चोरी की गूंज जैसे कानों को विदिर्ण कर रही है, दर्द दे रही है। आस्था कमजोर हो रही है, विश्वास भागवान से उठ रहा है। इस विश्वासघात पर जनता हताश, निराश एक-दूसरे को बस देख रही है शक भरी नजर से कि क्या यह भी उसी गिरोह का हिस्सा तो नहीं है? बाकी जनता को पेंशन नौकरी में है, वह मौन है। परेशान है सबसे गरीब और मध्यम श्रेणी, परंतु मध्यम वर्गीय परिवार सरकार से डर कर बस जी रहा है। मंहगाई की मार से कमर टूट रही है।

वह अपने लड़कों को सही शिक्षा देने योग्य नहीं है। वह अब सरकारी नौकरी पर आस और विश्वास नहीं कर रहे हैं। निजी क्षेत्र की तरफ भी उतनी उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। बस मौन है। जनता जानती है जब सरकारी नौकरी कम होती है तो निजी क्षेत्रों में भी नौकरियां कम होने लगती हैं। वेतन भी कम मिलने लगता है। कारण, सरकार से प्रतिस्पर्धा समाप्त हो रही है। अब तो बस सांसद ,विधायक और सेना को ही पेंशन, डीए, मेडिकल सुविधा के साथ बैंक लोन मिलेगा। पांच किलो राशन पर जिंदा आम आदमी ने अपने भाग्य को भगवान मान लिया है। वह अयोध्या की लूट पर मौन है, परंतु आस्था लुट रही है, बेचैन है।

एक तरफ कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके जंतर-मंतर पर युवाओं और छात्रों के साथ भूख हड़ताल पर बैठकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ‘**विश्वास** वह शक्ति है जिससे उजड़ा संसार भी बस सकता है।’
> — रवीन्द्रनाथ ठाकुर

संपादकीय

कचरा प्रबंधन और स्वच्छ शहरों की चुनौती

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और बदलती जीवनशैली ने भारत सहित विश्व के अधिकांश शहरों के सामने कचरा प्रबंधन की गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। आज प्रत्येक शहर प्रतिदिन हजारों टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न कर रहा है। यदि इस कचरे का वैज्ञानिक और समयबद्ध तरीके से निस्तारण न किया जाए तो यह केवल गंदगी का कारण नहीं बनता, बल्कि पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, जल स्रोतों, वायु गुणवत्ता तथा जैव विविधता के लिए भी गंभीर खतरा बन जाता है। स्वच्छ और सुंदर शहर केवल आधुनिक इमारतों, चौड़ी सड़कों और आकर्षक पार्कों से नहीं बनते, बल्कि उनकी वास्तविक पहचान वहां की स्वच्छता, सुव्यवस्थित कचरा प्रबंधन व्यवस्था और नागरिकों की जागरूकता से होती है। इसलिए कचरा प्रबंधन आज केवल नगर निकायों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व बन चुका है।

वर्तमान समय में शहरों में निकलने वाले कचरे में घरेलू अपशिष्ट, प्लास्टिक, पॉलीथीन, कागज, कांच, धातु, ई-कचरा, चिकित्सा अपशिष्ट, निर्माण सामग्री का मलबा तथा जैविक कचरा प्रमुख रूप से शामिल हैं। इनमें से प्लास्टिक और ई-कचरा सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं, क्योंकि ये लंबे समय तक नष्ट नहीं होते और पर्यावरण को निरंतर प्रदूषित करते रहते हैं। खुले स्थानों पर फेंका गया कचरा दुर्गंध फैलाता है, मच्छरों और मक्खियों को बढ़ावा देता है तथा डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, हैजा और अन्य संक्रामक रोगों के प्रसार का कारण बनता है। वर्षा के दौरान यही कचरा नालियों और जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध कर देता है, जिससे जलभराव और शहरी बाढ़ जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

कचरे का अनियोजित निस्तारण पर्यावरण संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। प्लास्टिक का कचरा मिट्टी की उर्वरता को कम करता है और वर्षा जल के साथ बहकर नदियों, झीलों और समुद्र तक पहुंच जाता है। इससे जल प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ जाता है। खुले में जलाया जाने वाला कचरा वायु में विषैले धुएं और गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे श्वसन संबंधी रोग, एलर्जी और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ती हैं। आज अनेक महानगरों में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण ठोस अपशिष्ट का अनुचित प्रबंधन भी है।

भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास किया है। इस अभियान के अंतर्गत शहरों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, घर-घर से कचरा संग्रहण, सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण, खुले में कचरा फेंकने पर रोक तथा नागरिकों को जागरूक बनाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। कई शहरों ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया है कि प्रशासन और नागरिक मिलकर किसी भी शहर को स्वच्छ बना सकते हैं। इंदौर, सूरत, नवी मुंबई और मैसूर जैसे शहर कचरा प्रबंधन के सफल उदाहरण बनकर सामने आए हैं। इन शहरों में स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, नियमित संग्रहण, कम्पोस्टिंग, पुनर्चक्रण तथा आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

कचरा प्रबंधन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण। यदि प्रत्येक परिवार गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र करना शुरू कर दे तो कचरे का बड़ा हिस्सा पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण के योग्य बन सकता है। रसोई से निकलने वाले जैविक कचरे से कम्पोस्ट खाद तैयार की जा सकती है, जबकि प्लास्टिक, कागज, धातु और कांच जैसे पदार्थों का पुनर्चक्रण कर उन्हें दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। इससे लैंडफिल स्थलों पर दबाव कम होगा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी संभव होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग न्यूनतम किया जाए। कपड़े के थैले, स्टील या कांच की बोतलें तथा पुन: उपयोग योग्य सामग्री को अपनाना समय की मांग है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी संस्थानों, बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में नियमित जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। बच्चों में प्रारंभ से ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित किए जाएं, क्योंकि वही भविष्य में स्वच्छ समाज के निर्माण की आधारशिला बनेंगे।

नगर निगमों और स्थानीय निकायों को भी आधुनिक तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। घर-घर कचरा संग्रहण के लिए जीपीएस आधारित वाहन, स्मार्ट डस्टबिन, अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, बायोगैस इकाइयां, कम्पोस्ट प्लांट और पुनर्चक्रण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। चिकित्सा अपशिष्ट और ई-कचरे के लिए अलग व्यवस्था विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इनका सामान्य कचरे के साथ निस्तारण पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए अत्यंत हानिकारक हो सकता है। कचरा प्रबंधन में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

-शिवांश धाकड़

कविता

शब्दों का बोलबाला

डॉ. उर्मिल कौंडल, टीजीटी, नॉन मेडिकल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, टावा, त. बल्ह, जिला मंडी

शब्द ही रुलाते हैं, शब्द ही हंसाते हैं।
शब्द झगड़ा कराते हैं, शब्द ही प्रेम बढ़ाते हैं।
शब्द दुश्मन बन जाते हैं, शब्द ही दोस्ती कराते हैं।
शब्द ही भरमाते हैं, शब्द ही तीर चलाते हैं।
शब्द दिल को चुभ जाते हैं, शब्द मन मुटाव कराते हैं।
शब्द गुस्सा दिलाते हैं, शब्द ही शांत कराते हैं।
शब्द निंदा कराते हैं, शब्द प्रशंसा बन जाते हैं।
शब्द है मां, शब्द है पिता, शब्द है रोग, शब्द है चिता।
शब्द है जन्म, शब्द है मरण, शब्द है साक्षर, शब्द है निरक्षर।
शब्द है शादी, शब्द है बारात, शब्द है मिलाप, शब्द है तलाक।
शब्द है राजा, शब्द है प्रजा, शब्द है राम, शब्द है सीता।
शब्द है कृष्ण, शब्द है गीता, शब्द है बाण, शब्द है प्राण।
शब्द है धरती, शब्द है आकाश, शब्द है अंधकार, शब्द है प्रकाश।
जहां देखो वहां शब्दों का बोलबाला है, सारा जहां शब्दों ने संभाला है।

नारी को शक्ति कहने वाला समाज कब उसे एक संपूर्ण मनुष्य के रूप में करेगा स्वीकार?

डॉ अंकिता चौधरी, (सह-प्राध्यापक)
अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि .प्र)

यह शीर्षक असहज कर सकता है। कुछ लोगों को यह कठोर लगेगा, कुछ इसे साहसिक कहेंगे, तो कुछ इसे अनावश्यक रूप से उत्तेजक मानेंगे। लेकिन कभी-कभी समाज को आईना दिखाने के लिए ऐसे शब्दों की आवश्यकता होती है जो हमारी सुविधा के घेरे को तोड़ दें। प्रश्न यह नहीं है कि शीर्षक असहज क्यों है; प्रश्न यह है कि वह यथार्थ, जिसकी ओर यह संकेत करता है, आज भी हमारे बीच क्यों मौजूद है।

हम अक्सर कहते हैं कि भारत महिलाओं का सम्मान करने वाला देश है। हम देवी की पूजा करते हैं, नारी को शक्ति का स्वरूप मानते हैं और माँ को सर्वोच्च स्थान देते हैं। लेकिन यदि इन आदर्शों के पीछे छिपे व्यवहार को देखें तो एक गहरी विडंबना सामने आती है। वही समाज, जो नारी को पूजनीय बताता है, उसकी पहचान को बार-बार उसके शरीर तक सीमित कर देता है। उसकी बुद्धि, संवेदनशीलता, संघर्ष, श्रम और उपलब्धियाँ पीछे छूट जाती हैं, जबकि उसके शरीर को लेकर बहस कभी समाप्त नहीं होती। आज भी किसी महिला की योग्यता से पहले उसके पहनावे पर चर्चा होती है। किसी छात्रा की उपलब्धि से अधिक उसकी तस्वीर पर टिप्पणियाँ की जाती हैं। किसी महिला अधिकारी, पत्रकार, प्रोफेसर, कलाकार या राजनेता के विचारों की बजाय उसके चेहरे, रंग, उम्र या शरीर को विश्लेषण का विषय बना दिया जाता है। यह केवल कुछ व्यक्तियों का व्यवहार नहीं, बल्कि उस मानसिक संरचना का परिणाम है जिसे हमने पीढ़ियों से सामान्य मान लिया है।

समस्या यह नहीं कि स्त्री सुंदर है। समस्या यह है कि समाज उसकी सुंदरता को उसकी सबसे बड़ी पहचान बना देता है। उसकी प्रतिभा को गौण और उसके शरीर को प्रधान बना देना ही वस्तुकरण है। जब किसी व्यक्ति को उसकी संपूर्ण मानवता के बजाय उसके शरीर के किसी हिस्से तक सीमित कर दिया जाए, तब उसके अधिकार, उसकी गरिमा और उसकी स्वतंत्रता भी धीरे-धीरे सीमित होने लगती है। यह प्रवृत्ति केवल सड़क या सार्वजनिक जीवन तक सीमित नहीं है। विज्ञापनों में उत्पाद बेचने के लिए स्त्री-शरीर का उपयोग, फिल्मों में महिला पात्रों को केवल आकर्षण का माध्यम बनाना और सोशल मीडिया पर महिलाओं को लाइक्स तथा फॉलोअर्स के पैमाने पर तौलना—ये सब उसी सोच के विस्तार हैं। डिजिटल युग ने अवसरों के साथ-साथ स्त्री के वस्तुकरण के नए मंच भी तैयार किए हैं। एल्गोरिद्म ध्यान आकर्षित करने वाली सामग्री को आगे बढ़ाते हैं और कई बार स्त्री की देह को उपभोग की वस्तु में बदल देते हैं।

इस सोच का सबसे दुखद रूप तब दिखाई देता है जब किसी महिला के साथ अपराध होता है। चर्चा अपराधी की मानसिकता पर कम और पीड़िता के कपड़ों, समय, मित्रों या जीवनशैली पर अधिक होने लगती है। यह प्रवृत्ति न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। अपराध का उत्तरदायित्व अपराधी का होता है, पीड़ित का नहीं। फिर भी समाज बार-बार वही प्रश्न पूछता है, जो उसे नहीं पूछने चाहिए। दूसरी ओर स्त्री के शरीर से जुड़ी जैविक वास्तविकताओं—जैसे मासिक धर्म, स्तनपान, प्रजनन स्वास्थ्य और रजोनिवृत्ति—को लेकर आज भी अनेक मिथक और संकोच मौजूद हैं। एक ओर इन्हीं विषयों के आधार पर बाज़ार लाभ कमाता है, दूसरी ओर इन्हीं पर खुलकर बात करने में समाज असहज हो जाता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

राष्ट्रीय चॉकलेट चिप कुकी दिवस: मिठास और खुशियों को साझा करने का खास अवसर

हितेंद्र शर्मा
गांव किंगल, कुमारसैन

हर वर्ष 4 अगस्त को राष्ट्रीय चॉकलेट चिप कुकी दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया की सबसे लोकप्रिय मिठाइयों में से एक मानी जाने वाली चॉकलेट चिप कुकी के स्वाद, इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को समर्पित है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, लगभग हर आयु वर्ग के लोगों को यह कुकी पसंद आती है। अपनी कुरकुरी बनावट, मक्खन की सुगंध और चॉकलेट के मीठे स्वाद के कारण यह केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि आनंद और अपनत्व का प्रतीक भी बन चुकी है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को इस प्रसिद्ध व्यंजन के इतिहास से परिचित कराना, घर पर इसे बनाने के लिए प्रेरित करना तथा परिवार और मित्रों के साथ मधुर क्षण साझा करने का संदेश देना है।

चॉकलेट चिप कुकी की शुरुआत बीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में मानी जाती है। माना जाता है कि अमेरिका की एक रसोइया ने पारंपरिक कुकी बनाते समय उसमें चॉकलेट के छोटे-छोटे टुकड़े मिला दिए। उन्हें लगा कि बेक होने पर चॉकलेट पूरी तरह पिघल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चॉकलेट के टुकड़े कुकी में बने रहे और एक नया स्वाद सामने आया। यही प्रयोग आगे चलकर पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। आज चॉकलेट चिप कुकी अनेक देशों में पसंद की जाती है और इसके अनेक स्वाद तथा रूप बाजार में उपलब्ध हैं।

समय के साथ यह कुकी केवल एक मिठाई नहीं रही, बल्कि पारिवारिक मेलजोल और उत्सवों का हिस्सा बन गई। जन्मदिन, पारिवारिक समारोह, विद्यालयी कार्यक्रम, कार्यालयों की बैठकों और विभिन्न सामाजिक आयोजनों में इसे बड़े चाव से परोसा जाता है। कई परिवारों में छुट्टी के दिन बच्चे और बड़े मिलकर घर पर चॉकलेट चिप कुकी बनाते हैं। यह प्रक्रिया केवल स्वाद तक सीमित नहीं रहती, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच अपनापन, सहयोग और रचनात्मकता को भी बढ़ावा देती है।

चॉकलेट चिप कुकी का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी सरलता है। सामान्यत: मैदा, मक्खन, चीनी, अंडा या उसके विकल्प, वैनिला और चॉकलेट चिप्स जैसी सामान्य सामग्री से इसे तैयार किया जाता है। आज स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को देखते हुए गेहूं के आटे, ओट्स, गुड़, शहद, कम चीनी और सूखे मेवों के साथ भी इसके पौष्टिक रूप तैयार किए जा रहे हैं। इससे लोग स्वाद का आनंद लेते हुए संतुलित आहार की दिशा में भी कदम बढ़ा सकते हैं।

आज के समय में खाद्य उद्योग में चॉकलेट चिप कुकी का बड़ा आर्थिक महत्व भी है। बेकरी उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और घरेलू उद्यमों के लिए यह एक लोकप्रिय उत्पाद है। अनेक छोटे उद्यमी और गृहिणियां घर पर बनी कुकी तैयार कर स्वरोजगार का सफल माध्यम बना रही हैं। ऑनलाइन व्यापार और घरेलू खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग ने इस क्षेत्र में नए अवसर भी पैदा किए हैं।

हालांकि किसी भी मीठे खाद्य पदार्थ की तरह इसका सेवन भी संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए। अधिक चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं माना जाता। इसलिए पोषण विशेषज्ञ संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और सीमित मात्रा में मिठाइयों का सेवन करने की सलाह देते हैं। यदि घर पर कुकी तैयार की जाए तो उसकी गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण पर बेहतर ध्यान दिया जा सकता है। राष्ट्रीय चॉकलेट चिप कुकी दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति, रचनात्मकता और रिश्तों को जोड़ने का माध्यम भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

क्या वैज्ञानिकों का बढ़ता पलायन भारत की अनुसंधान व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है?

डॉ. बलदेव सिंह नेगी
संकाय सदस्य, अंतर्विषयक अध्ययन विभाग, एचपीयू, शिमला

जुलाई 2026 में जब यह समाचार सामने आया कि इसरो के 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इस्तीफा दिया या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली, तब इसे एक असाधारण घटना के रूप में देखा गया, किंतु उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या अचानक नहीं, बल्कि पिछले एक दशक से धीरे-धीरे गहराती रही है।

नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल के अनुसार 2012-17 के बीच 289, 2018-22 के बीच 381 तथा 2023-24 में 38 वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मी इसरो छोड़ चुके थे। जुलाई 2026 तक सामने आए 120 नए मामलों को जोड़ने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल व्यक्तिगत करियर परिवर्तन का मामला नहीं, बल्कि देश की सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्था में बढ़ते असंतोष का संकेत है।

सवाल यह नहीं कि वैज्ञानिक क्यों जा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे निराश क्यों हो रहे हैं और वैज्ञानिक समुदाय का मनोबल लगातार क्यों गिर रहा है। भारत अनुसंधान एवं विकास पर अपनी जीडीपी का केवल 0.6-0.9 प्रतिशत खर्च करता है, जबकि चीन लगभग 2.6 प्रतिशत तथा दक्षिण कोरिया और इसराइल 5 प्रतिशत से अधिक निवेश करते हैं। सीमित संसाधन, धीमी वित्तीय स्वीकृतियां, प्रशासनिक एवं राजनीतिक हस्तक्षेप और वैज्ञानिक स्वायत्तता पर बढ़ते प्रश्न वैज्ञानिकों में असंतोष पैदा कर रहे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो नई पीढ़ी को विज्ञान की ओर आकर्षित करना भी कठिन होगा।

भारत की वैज्ञानिक प्रतिष्ठा को तब भी झटका लगा जब भारतीय विज्ञान कांग्रेस जैसे मंचों पर ऐसे दावे प्रस्तुत किए गए जिनका आधुनिक विज्ञान में कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं था। 2015 और 2019 की विज्ञान कांग्रेस में प्राचीन विमान, स्टेम सेल, टेस्ट-ट्यूब बेबी और न्यूटन-आइंस्टीन के सिद्धांतों पर विवादास्पद दावे किए गए। प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा कि ऐसे दावों से भारत की वैज्ञानिक विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि आईआईएससी, टीआईएफआर, आईआई एसईआर तथा सीएसआईआर के अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने विज्ञान कांग्रेस से दूरी बना ली।

2024 में 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का निर्धारित समय पर आयोजित न हो पाना भी संस्थागत संकट का संकेत माना गया। वर्ष 2020 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (ष्ठस्र) की योजना के अंतर्गत गोमूत्र, गोबर और पंचगव्य पर लगभग 98 करोड़ रुपए के अनुसंधान प्रस्ताव ने भी व्यापक बहस को जन्म दिया। 100 से अधिक वैज्ञानिकों ने खुला पत्र लिखकर कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान किसी निष्कर्ष को सिद्ध करने के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष परीक्षण के लिए होता है।

उनका मत था कि सीमित संसाधनों को स्वास्थ्य, जैव-प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी तथा मूलभूत विज्ञान जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित किया जाना चाहिए। विवाद केवल एक शोध विषय का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्राथमिकताओं और सार्वजनिक अनुसंधान निधि के उपयोग का था। स्वतंत्रता के बाद जवाहरलाल नेहरू, होमी भाभा, विक्रम साराभाई और मेघनाद साहा ने जिस आधुनिक भारत की परिकल्पना की थी, उसकी आधारशिला वैज्ञानिक दृष्टिकोण थी। संविधान के अनुच्छेद 51(क)(ह) में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जिज्ञासा की भावना के विकास को नागरिकों का कर्तव्य बताया गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

हिमाचल की पहचान गढ़ने वाले महान जननेता

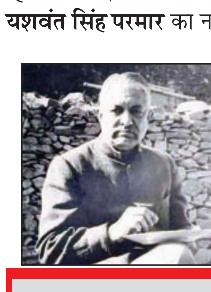

डॉ. यशवंत सिंह परमार
जन्म : 4 अगस्त 1906

हिमाचल प्रदेश के निर्माण और विकास की चर्चा जब भी होती है, **डॉ. यशवंत सिंह परमार** का नाम अत्यंत सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। उन्हें आधुनिक हिमाचल प्रदेश का शिल्पकार माना जाता है। **4 अगस्त 1906** को सिरमौर रियासत के चनहालग (वर्तमान सिरमौर जिला) में जन्मे डॉ. परमार ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा की भावना से हिमाचल को नई पहचान दिलाई। उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और विकास के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और विधि तथा प्रशासन का गहन अध्ययन किया। वे विद्वान, कुशल प्रशासक और प्रखर विचारक थे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भी उन्होंने जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन किया। उनका मानना था कि पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं का समाधान स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं से ही संभव है।

स्वतंत्रता के बाद डॉ. यशवंत सिंह परमार ने हिमाचल प्रदेश के गठन और उसके सुदृढ़ विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने और लंबे समय तक इस पद पर रहते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव रखी। उन्होंने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, कृषि और बागवानी जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों तक विकास की किरण पहुंची और लोगों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

डॉ. परमार ने विशेष रूप से सेब उत्पादन और बागवानी को बढ़ावा देने की नीति अपनाई, जिसने आगे चलकर हिमाचल की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। आज प्रदेश की बागवानी आधारित समृद्धि में उनकी दूरदर्शी सोच का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। उन्होंने ग्रामीण विकास, सहकारिता और विकेंद्रीकरण की भावना को भी प्रोत्साहित किया, जिससे गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

अर्टिगा टक्कर से सात घायल, भगत सिंह प्रतिमा क्षतिग्रस्त

एजेंसी, जौनपुर। जौनपुर के केराकत कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज रफ्तार अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर सारायवीरू चौराहे पर लगी शहीद भगत सिंह की प्रतिमा से टकरा गई। हादसे में कार सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि प्रतिमा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बीएसएल क्रिकेट लीग में चमकेगा खेल प्रतिभाओं का हुनर

एजेंसी,बिजनौर। बिजनौर सुपर लीग (बीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट की प्राइज लॉन्चिंग सेरेमनी आयोजित की गई। चांदपुर रोड स्थित निजी मैरिज हॉल में हुए कार्यक्रम में घोषणा की गई कि विजेता टीम को निसान मैगनाइट कार और उपविजेता टीम को रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि लीग का ऑक्शन 6 सितंबर से शुरू होगा। टीम मालिकों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 30 हजार रुपये और ओनर पर्स तीन लाख रुपये रखा गया है। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच देना है।

गाजियाबाद फ्लैट में देह व्यापार का भंडाफोड़

एजेंसी,गािजयाबाद । गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में पुलिस ने न्यायखंड-3 स्थित एक फ्लैट में चल रहे देह व्यापार के अड्डे का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छापेमारी कर एक महिला को रेस्क्यू किया और दंपति समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अजय गुप्ता, उसकी पत्नी अमिता, आरिफ और शगुन गुप्ता शामिल हैं। पुलिस ने मौके से 8,800 रुपये और दो मोबाइल फोन बरामद किए। जांच में सामने आया कि आरोपी व्हाट्सऐप के जरिए महिलाओं से संपर्क कर ग्राहकों को उनकी तस्वीरें भेजते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नोएडा में पत्नी ने पति पर चाकू से किया हमला

एजेंसी, नोएडा। नोएडा के थाना बादलपुर क्षेत्र में पत्नी द्वारा पति पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार सादोपुर झाल गांव निवासी विपिन शर्मा पर उसकी पत्नी मोनिका शर्मा ने हमला किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित के पिता की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि पति-पत्नी के बीच पहले से विवाद चल रहा था। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

सारंगनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ स्थित सारंगनाथ महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों भक्तों ने जोड़ा शिवलिंग पर जल, दूध और फूल अर्पित कर पूजा-अर्चना की। हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा और श्रद्धालुओं की कतारों को व्यवस्थित किया गया। मंदिर परिसर में सावन मेले का भी आयोजन किया गया है। श्रद्धालुओं ने बताया कि जोड़ा शिवलिंग के दर्शन से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं, लापरवाही बरतने पर दो पुलिसकर्मियों को ड्यूटी से हटा दिया गया।

ट्रैक्टर हादसे में पांचवीं के छात्र की दर्दनाक मौत

एजेंसी, गाजियाबाद । गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से 11 वर्षीय छात्र सलमान की मौत हो गई। कक्षा पांच का छात्र सलमान साइकिल से स्कूल जा रहा था, तभी करहेड़ा मोड़ पर ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने करहेड़ा कट पर जाम लगाकर विरोध जताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक मुरसलीम को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 64 मेधावियों को मिले 88 पदक

एजेंसी, आगरा

डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के 92वें दीक्षांत समारोह का सोमवार को भव्य आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को 88 पदकों से सम्मानित किया। समारोह के दौरान कुल 79,832 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गईं।

विवेकानंद परिसर स्थित शिवाजी मंडपम प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के चेयरपर्सन प्रोफेसर पंकज अरोड़ा मौजूद रहे। वहीं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस वर्ष उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में स्नातक पाठ्यक्रम के 55,686, परास्नातक के 9,150, प्रोफेशनल कोर्स के 14,826, पीएचडी के 167 और डी.लिट के तीन शोधार्थी शामिल हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावी विद्यार्थियों को पदक प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह में इस बार बालिकाओं के स्वास्थ्य को विशेष प्राथमिकता दी गई। विश्वविद्यालय की पहल पर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर लगाया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में इस शिविर का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने विश्वविद्यालय की छह महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ऑनलाइन लोकार्पण भी किया।

सीएम योगी का जनता दर्शन: फरियादियों को न्याय, लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दिए जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के सख्त निर्देश

एजेंसी, लखनऊ

सावन के पहले सोमवार को धार्मिक अनुष्ठानों और विधानमंडल के मानसून सत्र की व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों के प्रार्थना पत्र लिए और उन्हें संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेजते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले का निस्तारण पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता आम जनता को त्वरित न्याय और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़े मामलों पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के समाधान में देरी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

पुलिस से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी, मुकदमों में अनावश्यक दबाव बनाना और कार्रवाई में लापरवाही जैसी शिकायतें गंभीर विषय हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जिलों से पुलिस संबंधी शिकायतें अधिक प्राप्त हो रही हैं, वहां के पुलिस कप्तानों की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता को संतुष्टि मिलने तक प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए।

राजस्व मामलों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीन, संपत्ति और अन्य पारिवारिक विवादों में पहले संवाद और आपसी सहमति के माध्यम से समाधान का प्रयास किया जाए। यदि बातचीत से समाधान संभव न हो तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए।

श्रावण प्रकृति संरक्षण और सहअस्तित्व का देता है संदेश: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए एक विशेष पाती लिखी है। श्रावण मास के पहले सोमवार पर जारी संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पवित्र माह लोकमंगल, श्रम-सम्मान और सामूहिकता का पर्व है। भगवान शिव की आराधना हमें संयम, सेवा, त्याग और समरसता का संदेश देती है।

मुख्यमंत्री ने श्रावण को लोकमंगल और पर्यावरण का पर्व बताया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रावण केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का हलाहल पान सर्वोच्च त्याग और लोककल्याण की भावना को दर्शाता है। शिव की आराधना हमें समाज और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराती है।

उन्होंने कहा कि श्रावण मास में धान रोपाई के बाद होने वाले सहभोज और सामूहिक श्रम की परंपरा भारतीय संस्कृति में आपसी सहयोग और सामाजिक एकता का उदाहरण है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण, सहअस्तित्व और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को लेकर प्रदेशवासियों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि जल पंचतत्वों में जीवन का मूल आधार है और इसका संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए करीब 20 हजार अमृत सरोवर विकसित किए गए हैं। इसके अलावा लखनऊ की एक सोसाइटी ने 50 हजार लीटर जल पुनर्भरण की पहल कर समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते पर्यावरणीय हालात में प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि श्रावण मास को सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के रूप में मनाएं।

कांवड़ यात्रा को लेकर हुए डायवर्जन से गाजियाबाद के कई जगहों पर लगा जाम

एजेंसी, गाजियाबाद

कट बंद और यातायात बदलाव से मेरठ रोड जीटी रोड पर वाहनों की लगीं लंबी कतारें

सावन के पहले सोमवार को कांवड़ यात्रा और दूधेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के चलते गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। डायवर्जन और कई कट बंद किए जाने के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। सोमवार सुबह से ही मेरठ रोड, जीटी रोड और राजनगर एक्सटेंशन मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

सबसे ज्यादा असर मेरठ तिराहे पर दिखाई दिया, जहां वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। पुलिस ने कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए मेरठ रोड के कई कट बंद कर दिए हैं, जिससे वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया।

मेरठ से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके चलते मेरठ रोड को लगभग एकतरफा कर दिया गया है और एक लेन का इस्तेमाल मुख्य रूप से कांवड़ियों के लिए किया जा रहा है।

लखनऊ के हनुमान मंदिर में 35 लाख की चोरी, चोर फरार

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू हैदराबाद के पंच हनुमान मंदिर में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रविवार देर रात मंदिर में घुसे चोर भगवान की मूर्तियों पर चढ़े मुकुट, जेवर और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। सोमवार सुबह मंदिर के पुजारी दिनेश कुमार दीक्षित जब पहुंचे तो उन्होंने मंदिर का ताला टूटा हुआ पाया। अंदर जाकर देखा तो देवी-देवताओं के ऊपर लगे छत्र, मुकुट और आभूषण गायब थे। इसके बाद मंदिर की देखरेख करने वाले प्रदीप कुमार को घटना की जानकारी दी गई, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद महानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि चोर मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों और डीवीआर को भी अपने साथ ले गए हैं, जिससे घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने में परेशानी हो सकती है।

कानपुर में टीडी-डीपीटी अभियान शुरू 60 हजार बच्चों को मिलेगा सुरक्षा कवच

एजेंसी, कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए स्कूल आधारित टीडी-डीपीटी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को छावनी परिषद स्कूल, फेथफुलगंज में अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कोई भी पात्र बच्चा टीके से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सभी विद्यालयों, मदरसों, शिक्षकों और अभिभावकों को मिलकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करना होगा।

जिले में यह अभियान तीन अगस्त से सात अगस्त तक चलाया जाएगा। इसके तहत कक्षा पांच से 12 तक के करीब 60 हजार विद्यार्थियों को टिटनेस, डिप्थीरिया और काली खांसी जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने एक छात्रा को टीका लगवाकर अभियान की शुरुआत की।

जिलाधिकारी ने बताया कि बच्चों के नियमित टीकाकरण के बाद पांच, 10 और 16 वर्ष की आयु में लगने वाले बूस्टर डोज भी बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि टीडी-डीपीटी टीका पूरी तरह सुरक्षित, वैज्ञानिक और निशुल्क है। प्रत्येक पात्र बच्चे तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करना स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के साथ समाज की भी जिम्मेदारी है।

विधान भवन में 'सपा 'का प्रदर्शन सरकार पर जमकर बरसे विधायक

एजेंसी, लखनऊ

विधायकों ने नीट, किसान और भर्ती मुद्दों पर सरकार को घेरा

उत्तर प्रदेश विधान मंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार सुबह समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधान भवन परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने धरना दिया। सपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

धरने के दौरान सपा विधायकों के हाथों में सरकार विरोधी स्लोगन लिखे पोस्टर थे। इन पोस्टरों में नीट परीक्षा पेपर लीक, राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, शिक्षक भर्ती, पुरानी पेंशन बहाली, महंगाई और किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया था। विधायकों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह ने धरने के दौरान कहा कि प्रदेश का किसान, नौजवान और व्यापारी वर्ग परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की भावनाओं और समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई गंभीर घटनाएं हुई हैं, जिनसे लोगों का भरोसा प्रभावित हुआ है।

ओम प्रकाश सिंह ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश सरकार केवल सीमित समय के लिए विधानसभा सत्र आयोजित कर रही है और जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती।

सीतापुर में कांवड़ यात्रा तैयारी के दौरान करंट लगने से दो की मौत

एजेंसी, सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में सावन मास के पहले सोमवार को कांवड़ यात्रा की तैयारी के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। थानगांव थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर क्योटाना के पास डीजे वाहन हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। करंट फैलने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गांव के श्रद्धालुओं का एक दल सोमवार सुबह करीब 9 बजे कांवड़ यात्रा को लेकर लोगों को जागरूक करने और उत्साह बढ़ाने के लिए निकला था। इसी दौरान पिकअप वाहन में रखा डीजे ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन से टकरा गया। अचानक करंट फैलने से मौके पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई।

हादसे में गुड्डू यादव और ग्राम धोरा निवासी संतोष यादव की करंट लगने से मौत हो गई। वहीं दो श्रद्धालु गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही थानगांव पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई और कांवड़ यात्रा की तैयारियां मातम में बदल गईं।

लोधेश्वर धाम में उमड़ा आस्था सैलाब एक लाख भक्तों ने चढ़ाया जल

एजेंसी, बाराबंकी

सावन मास के पहले सोमवार पर उत्तर भारत के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लोधेश्वर महादेव धाम में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। रविवार देर रात से ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए थे। सोमवार सुबह होते ही पूरा महादेवा क्षेत्र हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

मंदिर परिसर में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवा श्रद्धालु हाथों में गंगाजल और पूजा सामग्री लेकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। करीब एक किलोमीटर लंबी कतार के बावजूद श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आस्था के आगे लोगों को घंटों इंतजार भी कठिन नहीं लगा।

मंदिर के पुजारी आदित्य तिवारी ने बताया कि रविवार रात से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। सोमवार देर रात तक जलाभिषेक और दर्शन का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि शाम तक एक लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक कर चुके थे।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने मंदिर परिसर, मेला क्षेत्र और कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बयान | **वंदेमातरम, गौसेवा और सनातन संस्कृत को लेकर मंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना**

अखिलेश यादव राम-राम कहें, तभी होगा कल्याण : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भगवान श्रीराम की शरण में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव यदि राम-राम कहकर जनता के बीच जाएंगे, तभी उनका कल्याण होगा। मंत्री ने कहा कि यह अच्छी बात है कि आज विपक्ष के नेता भी हिंदू और हिंदुत्व की बात कर रहे हैं। श्रीराम का स्मरण व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सद्भाव लाता है।

धर्मपाल सिंह ने विधानमंडल में हुए संपूर्ण वंदेमातरम गायन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आजादी के 78 वर्षों बाद उत्तर प्रदेश विधानमंडल में पहली बार पूरा वंदेमातरम गाया गया। उन्होंने कहा कि भारत माता का वंदन और सम्मान भारतीय संस्कृति की मूल भावना है। प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह देश की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करे।

मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान और नियमों के अनुसार सदन चलाने में विश्वास रखती है, जबकि विपक्ष के पास विकास से जुड़े मुद्दे नहीं बचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल राजनीतिक विरोध के लिए सदन की कार्यवाही बाधित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की राजनीति करती है, जबकि विपक्ष विनाश की राजनीति कर रहा है।

गौसेवा को बताया ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार : पशुधन मंत्री ने गायों के संरक्षण को लेकर सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गौ हमारी माता है और उसका दूध अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार गौवंश संरक्षण, संवर्धन और देशी नस्लों के सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि व्यवस्था और भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। धर्मपाल सिंह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर गौवंश की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार गौसमृद्धि और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक मजबूती को बढ़ावा मिल रहा है।

विपक्ष पर सदन बाधित करने का आरोप : विधानमंडल में विपक्ष के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि विपक्ष सदन की कार्यवाही चलने नहीं देना चाहता। उन्होंने कहा कि शोक संवेदना के अवसर पर भी राजनीतिक प्रदर्शन किया गया, जो उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को जनहित के मुद्दों से ज्यादा राजनीति की चिंता है।

छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर भी बोले मंत्री : जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को लेकर धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं और छात्रों के भविष्य को लेकर संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के हितों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

धर्मपाल सिंह ने दावा किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है और प्रदेश में विकास के साथ-साथ परंपराओं का संरक्षण भी किया जा रहा है।

आठ हजार वर्ष पुराने नागराज वासुकी मंदिर में श्रावण पर उमड़ा श्रद्धा का महासागर

एजेंसी, प्रयागराज

प्रयागराज में है विश्व का एक मात्र नागराज वासुकी का मंदिर

श्रावण मास में देशभर से पहुंच रहे भक्त मंदिर की प्राचीन महिमा बनी आकर्षण

तीर्थराज प्रयागराज अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। त्रिवेणी संगम और अक्षयवट के साथ ही यहां स्थित नागराज वासुकी का प्राचीन मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि यह मंदिर आठ हजार वर्ष से अधिक पुराना है और संसार में नागराज वासुकी को समर्पित अपनी तरह का एकमात्र प्राचीन मंदिर है। श्रावण मास में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजन के लिए पहुंच रहे हैं।

श्रावण महीने में मंदिर परिसर हर-हर महादेव और नागराज वासुकी के जयकारों से गूंज उठता है। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ नागराज वासुकी की पूजा-अर्चना करते हैं और सुख, शांति, समृद्धि तथा जीवन में आने वाली बाधाओं से मुक्ति की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रावण में विधि-विधान से नागराज वासुकी की पूजा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मंदिर के पुजारी श्याम बिहारी मिश्र के अनुसार नागराज वासुकी मंदिर का उल्लेख कई धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान वासुकी नाग के शरीर पर गंभीर घाव हो गए थे। इसके बाद उन्होंने भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव से ऐसे स्थान की इच्छा जताई, जहां उन्हें शांति और विश्राम मिल सके। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने उन्हें तीर्थराज प्रयाग जाने का मार्ग बताया, जहां पवित्र सरस्वती नदी के प्रभाव से उन्हें शांति प्राप्त होगी। इसके बाद नागराज वासुकी प्रयाग आए और यहीं निवास करने लगे। बाद में भगवान ब्रह्मा द्वारा किए गए प्रथम यज्ञ के दौरान सभी देवी-देवता प्रयाग पहुंचे। इसी अवसर पर भगवान शिव ने नागराज वासुकी को प्रयाग के उत्तर दिशा में विशेष स्थान प्रदान किया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव ने नागराज वासुकी को वरदान दिया कि तीर्थराज प्रयाग की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं मानी जाएगी, जब तक श्रद्धालु उनके दर्शन और पूजन नहीं करेंगे। इसी कारण संगम स्नान और धार्मिक यात्राओं के दौरान भक्त नागराज वासुकी मंदिर पहुंचकर पूजा करते हैं।

आर्बिट्रेशन अवार्ड पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, देशभर में निष्पादन का रास्ता हुआ साफ

संपत्ति वाले स्थान पर भी दायर हो सकेगी निष्पादन याचिका

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) मामलों में अवार्ड के निष्पादन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मध्यस्थता अवार्ड को लागू कराने के लिए दायर की जाने वाली एग्जीक्यूशन याचिका केवल उसी स्थान तक सीमित नहीं होगी, जहां अवार्ड पारित किया गया है। यदि अवार्ड के ऋणी की संपत्ति या बैंक खाते किसी अन्य स्थान पर मौजूद हैं, तो वहां की सक्षम अदालत में भी निष्पादन कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

जस्टिस जसगुरप्रीत सिंह पुरी की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए चंडीगढ़ की अदालत में चल रही एग्जीक्यूशन कार्यवाही को वैध ठहराया है। यह मामला केंद्र सरकार और एमएस त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन के बीच अनुबंध उल्लंघन से जुड़े विवाद का था।

जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच विवाद की मध्यस्थता पटना में हुई थी। इसके बाद 3 मार्च 2025 को कंपनी के पक्ष में आर्बिट्रेशन अवार्ड पारित किया गया था। केंद्र सरकार ने इस अवार्ड को चुनौती देते हुए पटना जिला अदालत में मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत आपत्तियां दायर की थीं, जिन पर अभी सुनवाई लंबित है।

इसी बीच त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन ने अवार्ड के निष्पादन के लिए चंडीगढ़ की अतिरिक्त जिला अदालत में एग्जीक्यूशन याचिका दायर कर दी। केंद्र सरकार ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि निष्पादन की कार्यवाही केवल पटना की अदालत में ही हो सकती है, क्योंकि मध्यस्थता वहीं हुई थी। हालांकि, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने केंद्र सरकार की इस आपत्ति को खारिज कर दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने हाई कोर्ट में चुनौती दी।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि रक्षा मंत्रालय के मुख्य खाते और संपत्तियां पटना में स्थित हैं, इसलिए चंडीगढ़ की अदालत को इस मामले में अधिकार क्षेत्र नहीं है। वहीं, त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन ने दलील दी कि रक्षा मंत्रालय की संपत्तियां और बैंक खाते चंडीगढ़ में भी मौजूद हैं, इसलिए यहां एग्जीक्यूशन याचिका दाखिल करना पूरी तरह कानूनी है।

हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्बिट्रेशन अवार्ड किसी एक विशेष अदालत की डिक्री नहीं होता। इसका निष्पादन देश की किसी भी ऐसी सक्षम अदालत में किया जा सकता है, जहां संबंधित संपत्ति या खाते मौजूद हों और जहां डिक्री का निष्पादन संभव हो।

टोहाना शहीद चौक की बदहाली पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना शहर में स्थित ऐतिहासिक शहीद चौक की बदहाली को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। किसान संगठनों ने चौक के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण की मांग को लेकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यह धरना प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा और मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं लाभ सिंह और हरि ने बताया कि प्रशासन को 31 जुलाई तक शहीद चौक के निर्माण कार्य को शुरू करने का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन तय समय सीमा समाप्त होने के बावजूद काम शुरू नहीं किया गया। इसके विरोध में किसानों ने आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया।

किसान नेताओं का आरोप है कि प्रशासन ने कुछ दिन पहले चौक के आसपास इंटरलॉकिंग टाइलें लगाने का काम शुरू कराया था, लेकिन एक-दो दिन बाद ही इसे बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चौक की मौजूदा स्थिति बेहद खराब है और इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संगठन ने आरोप लगाया कि शहीद चौक के वर्तमान डिजाइन में कई खामियां हैं, जिसके कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। किसानों ने मांग की है कि चौक का मूल स्वरूप बरकरार रखते हुए इसका वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण कराया जाए और इसका बेहतर तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाए।

संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, वर्ष 1991 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं की स्थापना कर इस चौक का उद्घाटन किया था।

न्यूज ब्रीफ

गंदे पानी के विरोध में ग्रामीणों की ट्रैक्टर यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। मसानी बैराज में जाने वाले सहाबी के दूषित पानी को रोकने की मांग को लेकर सोमवार को दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने ट्रैक्टर यात्रा निकालकर प्रदर्शन किया। ग्रामीण मसानी से यात्रा करते हुए रेवाड़ी पहुंचे और जिला सचिवालय जाकर उपायुक्त अभिषेक मीणा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि गंदे पानी से करीब 30 गांव प्रभावित हैं, जिनमें 10 गांवों की स्थिति गंभीर है। दूषित पानी के कारण लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने जड़थल से मसानी बैराज तक पाइपलाइन बिछाकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। डीसी ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गुरुग्राम में कचरा प्रबंधन पर पोर्टल निगरानी अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एसडब्ल्यूएम मॉनिटरिंग पोर्टल का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, रोड स्वीपिंग, वाहनों और मैनपावर का पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी होगा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि अब भुगतान केवल पोर्टल पर दर्ज कार्य रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों और एजेंसियों को पोर्टल संचालन की जानकारी दी गई। इससे सफाई कार्यों की वास्तविक समय निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

कॉमनवेल्थ में हरियाणा का जलवा, 11 पदकों से बढ़ाया गौरव

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पदक विजेताओं, प्रशिक्षकों और परिजनों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की खेल प्रतिभा साबित की है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

फरीदाबाद में नाबालिग घरेलू सहायिका की संदिग्ध मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। सेक्टर-14 स्थित एक मकान में 15 वर्षीय घरेलू सहायिका महिमा का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी है। मृतका मूल रूप से हरदोई, उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी और दो माह से एक कपड़ा कारोबारी के घर काम कर रही थी। पुलिस ने बताया कि मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

फतेहाबाद में घायल युवक की हुई मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। फतेहाबाद के रतिया रोड पर रविवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में घायल मिले युवक की अस्पताल पहुंचने के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़ोपल निवासी 37 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। राहगीरों ने उसे सड़क किनारे लहूलुहान हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। राकेश खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इत्तेफाकिया कार्रवाई दर्ज कर जांच पूरी की।

अनुबंध कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा का मिलेगा लाभ

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अनुबंध कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा कानून के दायरे में लाने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति पात्र संस्थाओं की जांच कर सूची तैयार करेगी। सरकार ने सेवा सुरक्षा पोर्टल पर पंजीकरण और सत्यापन की समय-सीमा भी बढ़ाई है। पात्र कर्मचारी 7 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। डीडीओ सत्यापन 14 अगस्त और विभागाध्यक्ष सत्यापन 21 अगस्त तक करेंगे।

बृजभूषण बरी होने पर भी विनेश फोगाट ने जारी रखी कानूनी लड़ाई

भारतेन्दु संवाददाता, जींद

महिला पहलवानों से जुड़े कथित यौन शोषण मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बरी किए जाने के बाद जुलाना से कांग्रेस विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करने और न्याय की लड़ाई जारी रखने की बात कही है।

विनेश फोगाट ने अपने पोस्ट में कहा कि महिला पहलवानों को सड़क पर उतरने और सत्ताधारी दल के एक प्रभावशाली नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए काफी हिम्मत जुटानी पड़ी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और प्रभाव के चलते कई लड़कियों पर दबाव बनाया गया, लेकिन कुछ महिला पहलवान डटी रहीं और उन्होंने अदालत में अपनी लड़ाई जारी रखी।

विनेश फोगाट ने फैसले के खिलाफ अपील करने का किया ऐलान

उन्होंने कहा कि अदालत द्वारा बृजभूषण शरण सिंह को आरोपों में दोषी नहीं मानने के फैसले से उन्हें दुख पहुंचा है। विनेश ने आरोप लगाया कि शुरुआत से ही पूरा तंत्र, सरकार और व्यवस्था बृजभूषण सिंह को बचाने में लगी रही। ओलंपियन पहलवान ने बताया कि महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करने के निर्देश दे दिए हैं और जल्द ही इस संबंध में कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पानीपत में विदेश भेजने के नाम पर 35 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। विदेश भेजने के नाम पर कबूतरबाजों द्वारा लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पानीपत के सेक्टर-29 थाना क्षेत्र में ट्रैवल एजेंटों पर मानव तस्करी और धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। विकास नगर निवासी संजीव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका भतीजा विशाल अमेरिका पढ़ाई के लिए जाना चाहता था। इसी दौरान उन्होंने रोबिन नामक एजेंट से संपर्क किया। रोबिन ने जीटी रोड स्थित अपने कार्यालय में सोनू और बिल्लू निवासी गांव मोरखी, जींद से मुलाकात कराई।

आरोपियों ने स्टडी वीजा के जरिए सीधे अमेरिका भेजने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर 35 लाख रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद विशाल को 2024 में दिल्ली से फ्लाइट में बैठाया गया, लेकिन उसे अमेरिका की जगह ब्राजील भेज दिया गया।

जॉर्डन की नौकरी छोड़ रमन ने शुरू की 350 किमी लंबी दंडवत कांवड़ यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद के सरूरपुर गांव निवासी 28 वर्षीय रमन की अनोखी दंडवत कांवड़ यात्रा इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। प्रेमानंद महाराज के अच्छे स्वास्थ्य की कामना को लेकर रमन हरिद्वार से वृंदावन तक करीब 350 किलोमीटर लंबी यात्रा दंडवत करते हुए पूरी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जॉर्डन की नौकरी तक छोड़ दी और भारत लौटकर यह कठिन संकल्प लिया।

रमन हरिद्वार से चार लीटर गंगाजल से भरा कलश लेकर 22 जुलाई से अपनी यात्रा पर निकले हैं। कई दिनों की कठिन यात्रा के बाद वह अब फरीदाबाद पहुंच चुके हैं। उनका लक्ष्य वृंदावन पहुंचकर प्रेमानंद महाराज को गंगाजल से स्नान कराना है। रमन का कहना है कि यह यात्रा वह केवल महाराज के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना के लिए कर रहे हैं। रमन ने बताया कि वह करीब पांच वर्ष पहले नौकरी के लिए जॉर्डन गए थे। वहां एक एक्सपोर्ट कंपनी में कोऑर्डिनेटर के पद पर काम करते थे और उन्हें लगभग 45 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था। लेकिन प्रेमानंद महाराज के खराब स्वास्थ्य की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर भारत आने और दंडवत कांवड़ यात्रा करने का निर्णय लिया। वह 21 अप्रैल को जॉर्डन से वापस भारत लौटे थे।

रमन ने बताया कि करीब तीन साल पहले उन्होंने ऑनलाइन प्रेमानंद महाराज के प्रवचन सुनने शुरू किए थे। धीरे-धीरे उनकी आस्था बढ़ती गई और वह प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक प्रवचन सुनने लगे। इससे पहले वह 12 बार अलग-अलग प्रकार की कांवड़ यात्रा कर चुके हैं, लेकिन दंडवत कांवड़ यात्रा पहली बार कर रहे हैं।

इस कठिन यात्रा में रमन के साथ उनके दो भाई सोनू और कुंदन सहित तीन दोस्त भी सहयोग कर रहे हैं। छह लोगों की टीम रास्ते में उनकी सेवा और जरूरतों का ध्यान रख रही है।

आसमानी बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचा परिवार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर में बिजली गिरने से छत और दीवारों में आई गहरी दरारें

यमुनानगर जिले के छछरौली क्षेत्र के गांव फेरूवाला में रविवार देर रात आसमानी बिजली गिरने से एक मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज धमाके के साथ गिरी बिजली से मकान की छत और दीवारों में गहरी दरारें पड़ गईं, जबकि बाहर बना छज्जा भरभराकर नीचे गिर गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार गांव फेरूवाला निवासी शंटी कुमार अपने माता-पिता, छोटे भाई, पत्नी और बेटी के साथ गांव के बस अड्डे के पास बने मकान में रहते हैं। परिवार मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता है। रविवार रात भोजन करने के बाद गर्मी के कारण परिवार के सदस्य मकान के आंगन में सो रहे थे।

परिजनों ने बताया कि देर रात करीब तीन बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई। बारिश से बचने के लिए परिवार के सभी सदस्य बिस्तर समेटकर कमरे के अंदर चले गए। कमरे में पहुंचने के कुछ ही देर बाद अचानक तेज गर्जना के साथ आसमानी बिजली मकान पर गिर गई। बिजली गिरने से जोरदार धमाका हुआ और पूरा परिवार दहशत में आ गया।

हादसे के बाद मकान की छत से प्लास्टर और सीमेंट के टुकड़े गिरने लगे। परिवार के सदस्यों ने बाहर आकर देखा तो मकान की छत और दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी थीं। वहीं, मकान के बाहर बना छज्जा भी टूटकर नीचे गिर गया। छज्जे के नीचे रखा कूलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ग्रामीणों के अनुसार यदि परिवार कुछ मिनट पहले तक आंगन में ही रहता तो बड़ा हादसा हो सकता था। बिजली गिरने के समय सभी सदस्य कमरे में पहुंच चुके थे, जिससे उनकी जान बच गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद गांव के सरपंच रवि सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। ग्रामीणों ने प्रभावित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। सोमवार सुबह राजस्व विभाग के पटवारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मकान में हुए नुकसान का आकलन किया। इसकी रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सरपंच रवि ने कहा कि यह घटना बेहद भयावह थी। समय रहते परिवार के कमरे में चले जाने से बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

बिट्टू बजरंगी घर में नजरबंद नूंह जाने पर पुलिस ने लगाई रोक

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

नूंह हिंसा मामले में आरोपी बिट्टू बजरंगी को सोमवार को पुलिस ने उसके घर पर नजरबंद कर दिया। वह सावन के अवसर पर नूंह स्थित शिव मंदिर में जल चढ़ाने के लिए जाने वाला था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उसे नूंह जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद देर रात से ही पुलिस की एक टीम उसके घर के बाहर तैनात कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 में 31 जुलाई को नूंह के नल्हड़ महादेव मंदिर में जलाभिषेक यात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान पथराव, आगजनी और फायरिंग की घटनाएं हुई थीं। हिंसा में छह लोगों की मौत हुई थी, जिनमें दो होमगार्ड भी शामिल थे। इस मामले में पुलिस ने 100 से अधिक मुकदमों में कुल 595 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बिट्टू बजरंगी ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार पूजा करने का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन उन्हें नूंह जाने से रोक रहा है, जबकि वह भी देश के अन्य नागरिकों की तरह धार्मिक यात्रा में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे वह कोई अपराधी या आतंकवादी हों।

बिट्टू बजरंगी ने बताया कि रात करीब 11 बजे से ही पुलिसकर्मी उनके घर पहुंच गए थे और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि केवल उन्हें ही निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य लोगों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जा रहा।

उन्होंने नूंह की फिरोजपुर झिरका विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मामन खान का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें भी कई बार रोका जाता है, जबकि अन्य लोगों को जाने दिया जाता है।

नारनौल में नवविवाहिता ने टैंक में कूदकर दी जान, पति पर लगा प्रताड़ना का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

दहेज प्रताड़ना के आरोप, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

हरियाणा के नारनौल में सोमवार को एक नवविवाहिता ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। मृतका का शव उसके मायके में बने पानी के टैंक से बरामद हुआ। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, 24 वर्षीय मेघा की शादी 20 अप्रैल 2026 को गांव जोरासी निवासी धीरज के साथ हुई थी। धीरज मानेसर स्थित एक निजी कंपनी में काम करता है। परिजनों के अनुसार रविवार को धीरज मेघा को उसके मायके छोड़कर गया था। रात को मेघा अपनी बहन रजनी के साथ कमरे में सोई थी।

परिजनों ने बताया कि सोमवार सुबह जब परिवार के सदस्य उठे तो घर के अंदर बने पानी के टैंक का ढक्कन खुला हुआ मिला। परिवार वालों ने आसपास तलाश की तो मेघा का शव टैंक के अंदर मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

मृतका के परिजनों ने उसके पति और ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका की बहन रजनी ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही धीरज उसकी बहन को लगातार परेशान करता था। वहीं मेघा की मां पुष्पा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर बेटी को प्रताड़ित करता था।

परिजनों का आरोप है कि धीरज ने दो बार 50-50 हजार रुपये की मांग की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पति के किसी अन्य महिला से संबंध होने की वजह से मेघा मानसिक तनाव में रहती थी। परिजनों ने पुलिस से पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मृतका के ससुराल पक्ष से भी पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

बिजली कर्मचारियों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, 11 अगस्त से हड़ताल की चेतावनी

मांगों को लेकर प्रदेशभर में प्रदर्शन, बिजली कर्मियों ने तेज आंदोलन करने का किया ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पूर्व घोषित आंदोलन के तहत सोमवार को प्रदेशभर में बिजली कर्मचारियों और इंजीनियर्स ने डिवीजन स्तर पर जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किए। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार और बिजली निगम प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। कई स्थानों पर संयुक्त किसान मोर्चा और मजदूर संगठनों ने भी प्रदर्शन में भाग लेकर बिजली कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया और 11 अगस्त से प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के प्रति एकजुटता दिखाई।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा के फैसले के अनुसार 4 और 5 अगस्त को भी प्रदेशभर में प्रदर्शन जारी रहेंगे। इसके बाद आंदोलन के अगले चरण में 6 से 8 अगस्त तक राज्य की सभी सब डिवीजनों में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। मोर्चा नेताओं ने दावा किया कि सोमवार को हुए प्रदर्शन पूरी तरह सफल रहे और कर्मचारियों में सरकार की नीतियों को लेकर भारी रोष है।

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य रविंद्र घणघस, बलजीत बेनीवाल, देवेंद्र सिंह हुड्डा, सुरेश राठी, इकबाल चांदना, यशपाल देसवाल, बिजेंद्र बराड़ और विजेंदर भाटिया ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि प्रदेश के सभी सर्किलों में कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

मोर्चा नेताओं ने बताया कि इससे पहले 29 जुलाई को भी बिजली कर्मचारियों और इंजीनियर्स ने सभी सर्किलों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन किए थे। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त से शुरू होने वाली तीन दिवसीय हड़ताल कई अहम मांगों को लेकर की जा रही है। इसमें नूंह और गुरुग्राम में समानांतर लाइसेंस देने की प्रक्रिया का विरोध, कृषि क्षेत्र के लिए अलग एग्री डिस्कॉम बनाने के फैसले को वापस लेने और स्मार्ट मीटरिंग योजना पर रोक लगाने की मांग प्रमुख है।

इसके अलावा कर्मचारियों की मांग है कि ठेका कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी देने के बजाय उन्हें नियमित किया जाए। कर्मचारियों ने पांच हजार रुपये रिस्क अलाउंस देने, बिजली क्षेत्र में निजीकरण की सभी कोशिशों पर रोक लगाने, एक्स ग्रेसिया रोजगार योजना में लगाई गई अनावश्यक शर्तों को हटाने की मांग भी उठाई है।

मोर्चा नेताओं ने कहा कि कार्यभार के अनुसार नए पदों का सृजन किया जाए और खाली पदों को नियमित भर्ती के माध्यम से भरा जाए। इसके साथ ही आरक्षित श्रेणी के बैकलॉग को पूरा करने और इंटर यूटिलिटीज ट्रांसफर से जुड़े मामलों का समाधान करने की मांग भी रखी गई है।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार और निगम प्रबंधन हड़ताल के नोटिस को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। वरिष्ठ सदस्य देवेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हड़ताल के नोटिस के बावजूद सोनीपत में वितरण, संचालन और रखरखाव का काम दो साल के लिए निजी एजेंसी को सौंपा गया है, जो कर्मचारियों की भावनाओं को आहत करने वाला कदम है।

देशभर में प्रदर्शन की तैयारी : नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) के वरिष्ठ सदस्य और इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईईएफआई) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया कि हरियाणा बिजली कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर 4 अगस्त को ऑनलाइन बैठक बुलाई गई है।

उन्होंने कहा कि बैठक में हरियाणा सरकार की बिजली क्षेत्र में निजीकरण से जुड़ी नीतियों और कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल के समर्थन में देशभर में प्रदर्शन करने पर फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने सरकार से पैरेलल लाइसेंस, एग्री डिस्कॉम और स्मार्ट मीटरिंग के फैसलों को वापस लेने की मांग की।

सुभाष लांबा ने कहा कि ठेका कर्मचारियों को पक्का करने सहित अन्य मांगों का बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए, ताकि प्रस्तावित हड़ताल को टाला जा सके।

फरीदाबाद स्कूल में महिला अध्यापिका की चाकू से गोदकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद के गांव सिकरोना में सोमवार को दिनदहाड़े एक निजी स्कूल की महिला अध्यापिका की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात स्कूल परिसर के बाहर पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर हुई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान संध्या के रूप में हुई है, जो गांव सिकरोना स्थित एक निजी स्कूल में अध्यापिका थीं। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह वह रोज की तरह स्कूल पहुंची थीं और बच्चों को पढ़ाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान एक युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर स्कूल पहुंचा और उसने संध्या से मिलने की बात कही।

स्कूल स्टाफ ने महिला अध्यापिका को इसकी जानकारी दी। जैसे ही संध्या स्कूल के मुख्य गेट पर आरोपी से मिलने पहुंचीं, युवक ने अचानक उन पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने उनके गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गईं।

घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर स्कूल संचालक तेजपाल और अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन आरोपी ने चाकू लहराते हुए उन्हें भी डराने का प्रयास किया और मौका पाकर वहां से फरार हो गया।

स्कूल स्टाफ ने घायल अध्यापिका को बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दिनदहाड़े स्कूल के बाहर हुई इस हत्या से ग्रामीणों और अभिभावकों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी की जा सके। चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि महिला अध्यापिका की हत्या की पुष्टि हो चुकी है। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

राजधानी में धमकी भरे ईमेल का सिलसिला जारी, स्कूलों के बाद लाल किला और मेयर ऑफिस निशाने परमें जुटी

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सोमवार को कई स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। सुबह के समय दिल्ली के कई स्कूलों को धमकी भरे संदेश और ईमेल मिलने की सूचना सामने आई, जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और सुरक्षा जांच शुरू की। पुलिस ने स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया और बम निरोधक दस्ते व अन्य सुरक्षा टीमों की मदद से जांच की गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। स्कूलों को मिली धमकियों की जांच चल ही रही थी कि दोपहर के समय दिल्ली के मेयर ऑफिस और ऐतिहासिक लाल किला को भी बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने की जानकारी सामने आई। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। लाल किला सहित प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और आने-जाने वालों की निगरानी बढ़ा दी गई। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में ये धमकियां अफवाह प्रतीत हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। पुलिस की साइबर टीम धमकी भरे ईमेल और संदेशों की जांच कर रही है, ताकि इन्हें भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान की जा सके।

पुलिस ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां सभी इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं और संबंधित स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और बिना पुष्टि वाली खबरों को साझा न करने की अपील की है। राजधानी में लगातार मिल रही इस तरह की धमकियों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सार्वजनिक स्थानों, प्रमुख इमारतों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि धमकी भेजने के पीछे कौन लोग शामिल हैं और उनका उद्देश्य क्या था। फिलहाल दिल्ली पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

कांवड़ यात्रा के चलते गाजियाबाद में 9 दिन स्कूल बंद प्रशासन ने लिया फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। जिले के कई स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में 4 अगस्त से 12 अगस्त तक अवकाश घोषित किया गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान सड़कों पर बढ़ने वाली भीड़ और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

प्रशासन के अनुसार, कांवड़ मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को देखते हुए छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। इस दौरान स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए कई संस्थानों को ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-एनसीआर के कई क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। भारी भीड़ और जाम की स्थिति से बचने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति सामान्य होने के बाद स्कूलों को दोबारा खोल दिया जाएगा। प्रशासन ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन से सहयोग की अपील की है, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके और छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम आरडब्ल्यूए बैठक में हंगामा पदाधिकारियों में हाथापाई

एजेंसी ,नई दिल्ली। गुरुग्राम के पालम विहार स्थित जे-ब्लॉक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की मासिक बैठक रविवार को हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक के दौरान पुराने वित्तीय लेनदेन और कथित अनियमितताओं को लेकर पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में तीखी बहस के बाद गाली-गलौज और हाथापाई की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि बैठक में आरडब्ल्यूए के पुराने खातों और आर्थिक मामलों को लेकर चर्चा की जा रही थी। इसी दौरान कुछ पूर्व पदाधिकारियों ने वित्तीय लेनदेन को लेकर सवाल उठाए, जिस पर वर्तमान पदाधिकारियों से उनकी बहस हो गई। विवाद बढ़ने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को शांत कराया और दोनों पक्षों से बातचीत की। हालांकि, देर शाम तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। आरडब्ल्यूए के सदस्यों का कहना है कि सोसायटी से जुड़े वित्तीय मामलों में पारदर्शिता जरूरी है और सभी मुद्दों को बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए।

सावन के पहले सोमवार पर पानीपत में उमड़ी कांवड़ियों की भीड़

एजेंसी ,नई दिल्ली। सावन के पहले सोमवार को हरिद्वार से गंगाजल लेने जाने वाले कांवड़ियों की भारी भीड़ पानीपत बस स्टैंड पर देखने को मिली। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु बस स्टैंड पहुंचे और हर-हर महादेव व बोल बम के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरिद्वार रूट पर विशेष बसों का संचालन किया। इससे यात्रियों को समय पर बसें उपलब्ध हो सकीं और उन्हें यात्रा में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। हरियाणा रोडवेज के जीएम विक्रम कम्बोज ने बताया कि कांवड़ यात्रा को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था पहले से ही कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या के अनुसार बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि सभी श्रद्धालु आसानी से हरिद्वार पहुंच सकें। बस स्टैंड पर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और रोडवेज विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

रेवाड़ी में ट्रैफिक नियमों पर सख्ती, पुलिस ने 1443 वाहनों के काटे चालान

एजेंसी ,नई दिल्ली। रेवाड़ी जिला पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 27 जुलाई से 2 अगस्त तक अभियान के दौरान कुल 1443 वाहन चालकों के चालान किए हैं। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव, तेज संगीत बजाने, प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने, लेन चेंज नियमों की अनदेखी करने और बुलेट बाइक से पटाखे जैसी आवाज निकालकर लोगों को परेशान करने वालों पर शिकंजा कसा गया। पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले तीन चालकों के चालान किए गए हैं। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता दें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दिल्ली में सोशल मीडिया के साइड इफेक्ट से ऑनलाइन विवाद बदल रहे खूनी वारदातों में

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सोशल मीडिया अब केवल लोगों को जोड़ने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि कई मामलों में यह अपराध का कारण, साधन और मंच बनता जा रहा है। ऑनलाइन बहस, आपत्तिजनक कमेंट और सोशल मीडिया पर वर्चस्व दिखाने की होड़ कई बार गंभीर आपराधिक घटनाओं में बदल रही है। युवाओं के बीच बढ़ता यह 'स्क्रीन टू क्राइम सीन' ट्रेंड पुलिस और समाज के लिए चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में सोशल मीडिया पर एक कमेंट को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया।

मामूली ऑनलाइन बहस के बाद 18 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 8 से 10 लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर लाइक, कमेंट और फॉलोअर्स को लेकर युवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा कई बार गलत दिशा ले रही है। कुछ लोग ऑनलाइन विवाद को अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लेते हैं और बदला लेने के लिए हिंसक कदम उठा लेते हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में अपराध के बाद वीडियो बनाकर या लाइव आकर अपनी हरकतों का प्रदर्शन करने की प्रवृत्ति भी देखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। गैंग से जुड़े कई युवा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपनी छवि बनाने और डर पैदा करने के लिए कर रहे हैं। ऐसे मामलों में साइबर टीम और स्थानीय पुलिस मिलकर कार्रवाई कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि युवाओं को सोशल मीडिया के जिम्मेदार इस्तेमाल के प्रति जागरूक करने की जरूरत है। माता-पिता और शिक्षकों को भी बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

पलवल के विकास को नई रफ्तार, मंत्री गौरव गौतम ने शुरू किए करोड़ों के काम

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा सरकार में खेल एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को पलवल जिले के खादर क्षेत्र के गांव थंथरी में लगभग 28 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। मंत्री ने ग्राम पंचायत थंथरी के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की और क्षेत्र के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

गौरव गौतम ने विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

राजकीय उच्च विद्यालय थंथरी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास, युवाओं के बेहतर भविष्य और ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि खादर क्षेत्र को विकास की नई पहचान दिलाने के लिए सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से गांवों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा और खेलों से जुड़ने का आह्वान किया।

साथ ही उन्होंने नशे के खिलाफ अभियान को मजबूत करने और युवाओं को इससे दूर रखने के लिए समाज की भागीदारी को जरूरी बताया। गौरव गौतम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर गांव तक विकास की सुविधाएं पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। उन्होंने कहा कि गांवों में होने वाले विकास कार्यों से स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने मंत्री के सामने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दे भी रखे।

आगरा में बड़ी लूट: हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलर्स के मुनीम से लाखों के गहने लूटे

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार तड़के हथियारबंद बदमाशों ने आगरा के एक ज्वेलर्स के मुनीम से लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी से भरा बैग लूट लिया। वारदात बीटा-दो कोतवाली क्षेत्र में सुबह करीब 3:30 बजे हुई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार आगरा निवासी एक ज्वेलर्स का मुनीम कीमती सोने-चांदी के आभूषण लेकर यात्रा कर रहा था। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर कार सवार हथियारबंद बदमाशों ने उसका पीछा किया और मौका मिलते ही वाहन को रोक लिया। बदमाशों ने हथियारों के बल पर मुनीम को धमकाया और उसके पास मौजूद लाखों रुपये के सोने-चांदी से भरा बैग लूट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेज रफ्तार कार में सवार होकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। जांच के लिए एक्सप्रेसवे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्ध वाहनों की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। साथ ही एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात के समय गश्त बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधि या वाहन दिखने पर तुरंत सूचना दें, ताकि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो सके।

नोएडा में एसयूवी की टक्कर से अरनव की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-99 टी प्वाइंट पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार की टक्कर से रेसिंग बाइक सवार युवक अरनव गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका पहिया व शॉकर अलग हो गए। वहीं, कार का अगला हिस्सा भी टूट गया। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-110 की रहने वाली चिकित्सक शालिनी वर्मा का बेटा अरनव बाइक से सेक्टर-99 से सेक्टर-49 की ओर जा रहा था। इसी दौरान सेक्टर-99 कट के पास लखनऊ नंबर की तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए आई और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद घायल अरनव को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की मां ने सेक्टर-39 थाने में कार चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

फरीदाबाद में कांवड़ यात्रा की तैयारी पूरी, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद यातायात पुलिस ने कांवड़ यात्रा को देखते हुए नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान पैदल चलने वाले कांवड़ियों और डाक कांवड़ के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की परेशानी और जाम की स्थिति से बचा जा सके। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 11 अगस्त तक दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

कांवड़ यात्रा पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

इस दौरान भारी वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। पुलिस ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। फरीदाबाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का ही इस्तेमाल करें। पुलिसकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है, ताकि यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा सके। अधिकारियों ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहेगा और जरूरत पड़ने पर यातायात में बदलाव भी किए जा सकते हैं।

इसके अलावा वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान धैर्य बनाए रखें और प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचें। यातायात पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा और आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सभी के सहयोग से कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराई जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान फरीदाबाद यातायात पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। शहर के प्रमुख मार्गों और कांवड़ यात्रा वाले रास्तों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है।

प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल का निरीक्षण, टूटी खिड़की और गंदगी देख भड़के डिप्टी सीएम

ब्रजेश पाठक के निरीक्षण में उजागर हुई अस्पताल की बदहाली, हाथ में आ गया खिड़की का पल्ला

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को प्रयागराज स्थित स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में कई गंभीर खामियां सामने आईं, जिन्हें देखकर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में टूटी खिड़कियां, खुले बिजली के तार, गंदगी और रखरखाव की खराब स्थिति पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई।

ब्रजेश पाठक के निरीक्षण में अस्पताल की बदहाली उजागर

उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एक ऐसी घटना हुई जिसने अस्पताल की बदहाल व्यवस्था को उजागर कर दिया। उप मुख्यमंत्री पुरानी बिल्डिंग में स्टोर रूम के पास पहुंचे और बाहर देखने के लिए खिड़की का सहारा लिया। जैसे ही उन्होंने खिड़की के पल्ले को हाथ लगाया, वह उखड़कर उनके हाथ में आ गया। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए.के. वर्मा सहित अन्य चिकित्साधिकारी और कर्मचारी असहज हो गए। अधिकारियों के चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दी, जबकि उप मुख्यमंत्री ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए भवन के रखरखाव पर सवाल उठाए। ब्रजेश पाठक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं और अन्य विभागों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर इलाज, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल की सभी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए और भवन की मरम्मत, सफाई व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित निरीक्षण, समय पर मरम्मत कार्य और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अस्पताल की हर कमी को जल्द दूर कर मरीजों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को प्रयागराज स्थित स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में कई गंभीर खामियां सामने आईं, जिन्हें देखकर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

15 अगस्त तक आवेदन का मौका रेवाड़ी में खुलेंगी इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय डाक विभाग ने रेवाड़ी जिले में पहली बार **इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी योजना 2.0** लागू की है। इस योजना के तहत जिले में विभिन्न स्थानों पर इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी केंद्र खोले जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवारों से 15 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग का उद्देश्य डाक सेवाओं का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं और बेरोजगार लोगों को स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डाक सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

फ्रेंचाइजी संचालक डाक विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली कई महत्वपूर्ण सेवाएं लोगों तक पहुंचाएंगे। इनमें डाक टिकटों की बिक्री, स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड डाक बुकिंग, पार्सल स्वीकार करना, डाक से जुड़ी अन्य सामान्य सेवाएं तथा ग्राहकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना शामिल होगा। इससे लोगों को छोटी-छोटी डाक संबंधी सुविधाओं के लिए दूर स्थित डाकघरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह योजना विभाग और आम जनता दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी। एक ओर लोगों को उनके आसपास ही सुविधाएं मिलेंगी, वहीं दूसरी ओर फ्रेंचाइजी संचालकों को अपनी आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा। योजना के तहत चयनित आवेदकों को विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करना होगा और निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।

इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 15 अगस्त तक आवेदन जमा कर सकते हैं। विभाग ने अधिक से अधिक योग्य उम्मीदवारों से आवेदन करने की अपील की है, ताकि जिले में डाक सेवाओं का विस्तार हो और रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकें। यह पहल केंद्र सरकार की जनसेवा और डिजिटल डाक सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। फ्रेंचाइजी केंद्र खुलने से स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में ही डाक संबंधी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे समय और यात्रा खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले युवाओं को कम निवेश में अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। डाक विभाग का मानना है कि इस योजना से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी और विभाग तथा फ्रेंचाइजी संचालकों दोनों को लाभ मिलेगा।

'राज्य का दर्जा मांगते ही क्यों होने लगते हैं हमले' : फारूक

कुलगाम आतंकी हमले के बाद बयानों की जंग, फारूक और भाजपा आमने-सामने

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। इस घटना को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के एक बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब भी जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग जोर पकड़ती है, उसी समय इस तरह की आतंकी घटनाएं क्यों सामने आती हैं। उनके इस बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे का राजनीतिकरण बताया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जम्मू-कश्मीर प्रभारी **तरुण चुग** ने फारूक अब्दुल्ला के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कुलगाम में निर्दोष श्रमिकों की हत्या एक जघन्य आतंकी कृत्य है, जिसे किसी भी राजनीतिक संदर्भ से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरे देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए और ऐसे समय में बयानबाजी से बचना चाहिए, जिससे आतंकियों के मंसूबों को अप्रत्यक्ष रूप से बल मिले। भाजपा ने यह भी कहा कि सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

> **कुलगाम** में निर्दोष श्रमिकों की हत्या एक जघन्य आतंकी कृत्य है, जिसे किसी भी राजनीतिक संदर्भ से जोड़ना उचित नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ पूरे देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए और ऐसे समय में बयानबाजी से बचना चाहिए, जिससे आतंकियों के मंसूबों को अप्रत्यक्ष रूप से बल मिले।
> **- तरुण चुग (राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा)**

दूसरी ओर, कुलगाम हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है तथा आतंकियों की तलाश में व्यापक तलाशी अभियान जारी है। हाल के महीनों में प्रवासी श्रमिकों को निशाना बनाने की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इस हमले के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मृतकों की पहचान

कुलगाम आतंकी हमला केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टि से भी अत्यंत दुखद घटना है। निर्दोष श्रमिक अपने परिवारों के बेहतर भविष्य के लिए जम्मू-कश्मीर में कार्य कर रहे थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें अपना निशाना बना लिया। ऐसे समय में सभी राजनीतिक दलों की प्राथमिकता आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन आतंकवाद जैसे संवेदनशील विषय पर संयमित और जिम्मेदार बयान ही राष्ट्रीय हित में माने जाते हैं।

भूस्खलन से मुगल रोड बंद प्रशासन ने यातायात रोका

पुंछ। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक मुगल रोड पर एक बार फिर भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हो गया है। शोपियां जिले की ओर सुख सराय क्षेत्र में हुए लैंडस्लाइड के चलते प्रशासन ने एहतियातन मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। सड़क से मलबा हटाने और यातायात बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रशासन के अनुसार, सोमवार को सुख सराय इलाके में अचानक भूस्खलन होने से मुगल रोड का एक हिस्सा मलबे से भर गया, जिसके कारण दोनों ओर से वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा सड़क को जल्द से जल्द खोलने के लिए राहत एवं सफाई कार्य शुरू कराया। प्रशासन ने यात्रियों से अगली सूचना तक मुगल रोड से यात्रा नहीं करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही यातायात दोबारा शुरू किया जाएगा। यातायात विभाग ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और अन्य अधिकृत माध्यमों से सड़क की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

लद्दाख द्विवार्षिक प्रदर्शनी ने बदली पुराने लेह की तस्वीर

लद्दाख द्विवार्षिक प्रदर्शनी में संस्कृति और हिमालयी विरासत का अद्भुत संगम

भारतेंदु संवाददाता, लेह

हिमालय की भव्य पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित लद्दाख इन दिनों केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि कला और संस्कृति के एक अनूठे उत्सव के कारण भी चर्चा में है। लद्दाख द्विवार्षिक प्रदर्शनी ने पुराने लेह शहर को एक जीवंत ओपन-एयर आर्ट गैलरी में बदल दिया है, जहां इतिहास, लोककथाएं, संस्कृति और आधुनिक कला का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल कलाकृतियों का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि लद्दाख की सांस्कृतिक विरासत, बौद्ध परंपराओं और हिमालयी जीवनशैली को दुनिया के सामने रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करना है।

पुराने लेह शहर की ऐतिहासिक गलियां, पारंपरिक मकान और प्राचीन इमारतें इस प्रदर्शनी का हिस्सा बन गई हैं। स्थानीय तथा विभिन्न देशों से आए कलाकारों ने दीवारों, भवनों और सार्वजनिक स्थलों को अपनी रचनात्मक कल्पनाओं से सजाया है। रंग-बिरंगे ड्रेगन, बौद्ध प्रतीक, लोककथाओं के पात्र, पर्वतीय जीवन, वन्य जीव और प्रकृति से प्रेरित कलाकृतियां लोगों का विशेष आकर्षण बन रही हैं। इन कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकार जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय परंपराओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी प्रभावशाली ढंग से सामने ला रहे हैं।

प्रदर्शनी का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह कला को संग्रहालयों और बंद दीर्घाओं से निकालकर आम लोगों के बीच लेकर आई है। पर्यटक पुराने लेह की गलियों में घूमते हुए हर मोड़ पर नई कलाकृतियों से रूबरू हो रहे हैं। इससे शहर का ऐतिहासिक स्वरूप भी जीवंत हो उठा है और स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी बढ़ी है। स्थानीय निवासी इस आयोजन को अपनी संस्कृति और पहचान से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि पर्यटकों के लिए यह लद्दाख को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर बन रहा है।

लेह बना कलाकारों का खुला कैनवास

लद्दाख द्विवार्षिक प्रदर्शनी सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है। देश-विदेश के कलाकार एक-दूसरे की कला, परंपराओं और विचारों से परिचित हो रहे हैं। इससे रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है और स्थानीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल करने का अवसर भी मिल रहा है। कला के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करने का यह प्रयास लद्दाख को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान दिला रहा है। इस आयोजन का सकारात्मक प्रभाव पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक लेह पहुंच रहे हैं, जिससे होटल, रेस्तरां, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और पर्यटन से जुड़े अन्य व्यवसायों को लाभ मिल रहा है। स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है।

जम्मू के इंदिरा चौक का बदलेगा स्वरूप, 4.57 करोड़ से बनेगा चार मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, जाम से मिलेगी राहत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण चौराहों में शामिल इंदिरा चौक की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने के लिए जम्मू नगर निगम ने एक महत्वाकांक्षी परियोजना तैयार की है। नगर निगम यहां 4.57 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त चार मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना है, बल्कि रेहड़ी-फड़ी कारोबारियों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराकर शहर को अधिक सुव्यवस्थित स्वरूप देना भी है। नगर निगम द्वारा तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स में कुल 127 दुकानें विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही मल्टी लेवल पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे बाजार क्षेत्र में वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी।

बनिहाल में सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई, 21 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

◆ **असम के रास्ते भारत पहुंचे 21 बांग्लादेशी, कश्मीर जाने की तैयारी में थे**

भारतेंदु संवाददाता, बनिहाल। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जांच के दौरान इनके पास भारत में प्रवेश या रहने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। सुरक्षा एजेंसियां अब इनके भारत पहुंचने के रास्ते और मददगार नेटवर्क की जांच कर रही हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये लोग असम के रास्ते अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में दाखिल हुए थे।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने आगामी दिनों में जम्मू और कश्मीर के कई हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान लगाया है साथ ही संवेदनशील स्थानों पर भारी बारिश, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी भी दी है। पूर्वानुमान के अनुसार 4 अगस्त को कई स्थानों पर विशेष रूप से दोपहर, शाम और सुबह के शुरुआती घंटों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ जिलों में भारी बारिश, तीव्र बौछारें और मूसलाधार बारिश की भी आशंका है। 5 से 7 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है जबकि कुछ स्थानों पर संक्षिप्त तीव्र भारी बौछारें भी पड़ सकती हैं।

उम्रकैद के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचीं आसिया अंद्राबी

दुख्तरान-ए-मिल्लत प्रमुख की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई शुरू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

दिल्ली हाईकोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता और प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख आसिया अंद्राबी की उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर अपील पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को नोटिस जारी किया है। अदालत ने एनआईए से इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। आसिया अंद्राबी ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

आसिया अंद्राबी को अलगाववादी गतिविधियों और देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने अपनी याचिका में ट्रायल कोर्ट के फैसले को गलत बताते हुए सजा को रद्द करने की मांग की है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने एनआईए से जवाब मांगा है कि अपील लंबित रहने तक सजा पर रोक लगाने की मांग पर उसका क्या पक्ष है।

इस मामले में आसिया अंद्राबी के साथ दोषी ठहराई गई उनकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन ने भी अपनी सजा के खिलाफ अपील दायर की है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिकाओं पर भी एनआईए को नोटिस जारी किया है।

एनआईए ने आसिया अंद्राबी और उनकी सहयोगियों के खिलाफ देश की संप्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए थे। जांच एजेंसी के अनुसार, दुख्तरान-ए-मिल्लत संगठन के माध्यम से कथित तौर पर भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया।

अखनूर सेक्टर में राइफल चलने से जवान की मौत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू के अखनूर सेक्टर में ड्यूटी के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में सेना के एक जवान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, खौड़ क्षेत्र के जोगवां इलाके में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान जवान की सर्विस राइफल अचानक चल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद जवान को उपचार के लिए सैन्य अस्पताल अखनूर ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना हथियार संभालने के दौरान हुई दुर्घटना मानी जा रही है। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

हल्की बारिश के बीच भी मां वैष्णो देवी यात्रा जारी

मौसम ने रोकी हेलीकॉप्टर सेवा, लेकिन नहीं रुके आस्था के कदम

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

बारिश और ठंडी हवाओं के बीच जयकारों संग भवन की ओर बढ़ रहे श्रद्धालु।

कटड़ा में सोमवार को हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के बावजूद मां वैष्णो देवी की पवित्र यात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी रही। मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई और वे जय माता दी के जयकारों के साथ भवन की ओर बढ़ते रहे। बीच-बीच में बारिश होने पर श्रद्धालुओं ने यात्रा मार्ग पर बनाए गए आश्रय स्थलों में कुछ समय विश्राम किया और मौसम साफ होते ही अपनी यात्रा दोबारा शुरू कर दी। त्रिकूट पर्वत पर दिनभर बादलों का डेरा और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण सोमवार को हेलीकॉप्टर सेवा संचालित नहीं हो सकी, जिससे हवाई मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा।

हालांकि हेलीकॉप्टर सेवा बंद रहने के बावजूद बैटरी कार, घोड़े, पालकी और पैदल यात्रा सहित अन्य सभी सुविधाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी सुचारु रहीं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

श्राइन बोर्ड ने की श्रद्धालुओं से अपील

श्राइन बोर्ड और प्रशासन की ओर से लगातार मौसम की स्थिति पर नजर रखी जा रही है तथा श्रद्धालुओं से सावधानी बरतते हुए यात्रा करने की अपील की गई है। बारिश के कारण मौसम सुहावना होने से कई श्रद्धालुओं ने इसे यात्रा के लिए अनुकूल बताया। भवन और यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम में सुधार होने पर हेलीकॉप्टर सेवा दोबारा शुरू की जाएगी।

पुंछ के दो गांवों में मिले जंग लगे मोर्टार गोले सेना ने नियंत्रित धमाके से टाला बड़ा हादसा

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिले में सोमवार को दो अलग-अलग गांवों से जंग लगे दो मोर्टार गोले मिलने से क्षेत्र में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। दोनों गोले खुले खेतों में पड़े हुए थे और फटे नहीं थे। स्थानीय ग्रामीणों ने संदिग्ध वस्तुएं दिखाई देने पर समझदारी का परिचय देते हुए उन्हें छूने के बजाय तुरंत प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेना का बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर स्थिति का जायजा लिया। विशेषज्ञों ने जांच के बाद दोनों मोर्टार गोलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से नष्ट कर दिया। इस दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन किया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बरामद किए गए मोर्टार गोले नियंत्रण रेखा पर वर्षों पहले हुई गोलाबारी के अवशेष माने जा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में समय-समय पर इस तरह के पुराने और निष्क्रिय दिखाई देने वाले विस्फोटक मिलने की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जो लंबे समय तक जमीन में दबे रहने के बावजूद खतरनाक बने रह सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक जैसी वस्तु दिखाई दे तो उसे हाथ न लगाएं और तुरंत पुलिस, सेना या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

जेएंडके के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शुरू हुआ पीजी पाठ्यक्रम

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

फीस तय करने का अधिकार यूटी सरकार के पास

जम्मू-कश्मीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में उच्च चिकित्सा शिक्षा के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश के छह प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में विभिन्न विशेषज्ञता वाले स्नातकोत्तर यानी पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें राजकीय मेडिकल कॉलेज जम्मू, श्रीनगर, अनंतनाग, बारामुला, कठुआ और राजौरी शामिल हैं। इन संस्थानों में एमडी, एमएस और सुपर स्पेशियलिटी स्तर के कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिससे मेडिकल छात्रों को अपने ही क्षेत्र में विशेषज्ञ डॉक्टर बनने का अवसर मिल रहा है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज अनंतनाग में एमडी जनरल मेडिसिन, एमडी एनेस्थिसियोलॉजी, एमडी पीडियाट्रिक्स, एमएस जनरल सर्जरी और एमएस ईएनटी सहित कई पीजी पाठ्यक्रम संचालित हैं। वहीं जीएमसी बारामुला में एमएस ईएनटी, एमएस जनरल सर्जरी और एमडी पीडियाट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। राजौरी मेडिकल कॉलेज में एमडी पीडियाट्रिक्स की पढ़ाई कराई जा रही है। जीएमसी कठुआ में आठ पीजी पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिनमें जनरल मेडिसिन, एनेस्थिसियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, जनरल सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, पैथोलॉजी, फार्माकोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री शामिल हैं।

अनंतनाग के धार्मिक स्थलों के लिए 10.95 करोड़ रुपए मंजूर

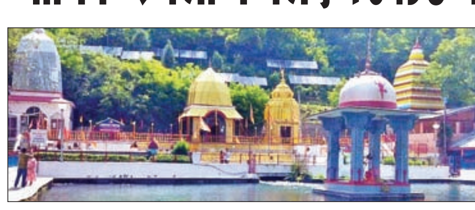

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अनंतनाग जिले के दो प्रमुख धार्मिक स्थलों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और उन्नयन के लिए 10.95 करोड़ रुपये की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ज़ियारत शरीफ़ खिराम के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण के लिए 5.03 करोड़ रुपये और शिव मंदिर थाजीवारा बिजबेहरा के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण के लिए 5.92 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

पार्टी ने एक बयान जारी कर कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य इन पूजनीय पूजा स्थलों की पवित्रता, विरासत और स्थापत्य शैली को संरक्षित करना और साथ ही आवश्यक बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना है ताकि श्रद्धालुओं और आगंतुकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

◆ **खिराम और थाजीवारा मंदिर के लिए करोड़ों की मंजूरी**

ये स्वीकृतियां मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के जम्मू-कश्मीर में धार्मिक और विरासत स्थलों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं जिसके तहत जीर्णोद्धार, संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास में लक्षित निवेश किया जा रहा है।

इन स्थलों की रक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाकर सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आने वाली पीढ़ियां इस क्षेत्र की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से लाभान्वित होती रहें।

हाल ही में सरकार ने जम्मू और कश्मीर में विरासत संरक्षण की कई पहलों को मंजूरी दी है। इनमें सांबा के ऐतिहासिक धरोहर स्थल पुरमंडल के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार, श्रीनगर के ऐतिहासिक इमामबाड़ा ज़ादिबल के संरक्षण और उन्नयन, पुलवामा के यारवान में स्थित पवित्र खू साहिब झरने के विकास और शोपियां की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद शरीफ के जीर्णोद्धार के साथ-साथ रामबन के पूजनीय सर्वधर चौमांदा माता मंदिर का जीर्णोद्धार शामिल है।

लद्दाख में लैंड यूज मंजूरी आसान विकास कार्यों को मिलेगी नई रफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख में विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भूमि उपयोग (लैंड यूज) मंजूरी प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत अब भूमि उपयोग परिवर्तन से जुड़े मामलों में अधिकारों का विकेंद्रीकरण किया गया है, जिससे लोगों को घर निर्माण, कारोबार और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए मंजूरी जल्द मिल सकेगी। नई व्यवस्था के अनुसार, नगर पालिका क्षेत्रों के बाहर दो कनाल से अधिक और चार कनाल तक की भूमि के उपयोग परिवर्तन की मंजूरी मंडलायुक्त दे सकेंगे। वहीं, चार कनाल से अधिक और दो एकड़ तक की भूमि के मामलों में मंजूरी देने का अधिकार मुख्य सचिव को दिया गया है। दो एकड़ से अधिक भूमि के मामलों में अंतिम निर्णय का अधिकार अभी भी उपराज्यपाल के पास रहेगा। प्रशासन का मानना है कि पहले सभी मामलों की मंजूरी केवल उपराज्यपाल स्तर से होती थी, जिससे कई बार विकास परियोजनाओं और भवन निर्माण से जुड़े प्रस्तावों में देरी होती थी।

आस्था

26वें जत्थे में 832 पुरुष, 205 महिलाएं सहित कुल 1,056 श्रद्धालु शामिल, पहलगाम मार्ग से कोई भी दल नहीं भेजा गया

बालटाल मार्ग से आगे बढ़ी अमरनाथ यात्रा, 1,056 श्रद्धालु रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

दर्शन करते श्रद्धालु।

श्री अमरनाथ यात्रा 2026 लगातार श्रद्धा, आस्था और सुरक्षा के कड़े प्रबंधों के बीच आगे बढ़ रही है। सोमवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 1,056 श्रद्धालुओं का नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन, जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक इंतजाम किए हैं। तड़के सुबह सुरक्षा बलों की निगरानी में वाहनों के काफिले को रवाना किया गया, जिससे यात्रा मार्ग पर किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और श्रद्धालु सुरक्षित ढंग से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

संयुक्त पुलिस कंट्रोल रूम की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, यह यात्रा का 26वां जत्था था, जिसे सोमवार सुबह 2 बजकर 49 मिनट पर भगवती नगर यात्री निवास से रवाना किया गया।

अमरनाथ यात्रा में उमड़ी आस्था

इस जत्थे में कुल 1,056 श्रद्धालु शामिल हैं। इनमें 832 पुरुष, 205 महिलाएं, दो बच्चे, 15 साधु और दो साध्वियां शामिल हैं। सभी यात्रियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन और सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद उन्हें निर्धारित वाहनों में बैठाकर बालटाल मार्ग के लिए रवाना किया गया प्रशासन के अनुसार, सोमवार को भी पहलगाम मार्ग के लिए कोई जत्था रवाना नहीं किया गया।

26वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना

बालटाल जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुल 46 वाहनों का प्रबंध किया गया। इनमें 24 बसें, सात मीडियम मोटर वाहन तथा 15 लाइट मोटर वाहन शामिल थे। सभी वाहनों को सुरक्षा बलों के एस्कॉर्ट के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रवाना किया गया। पूरे काफिले की आवाजाही के दौरान मार्ग पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए, जबकि यातायात को भी नियंत्रित तरीके से संचालित किया गया ताकि यात्रा सुचारु रूप से जारी रहे।

यात्रियों की संख्या 1.40 लाख से अधिक

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को नए जत्थे के रवाना होने के साथ ही इस वर्ष जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से श्री अमरनाथ यात्रा पर रवाना होने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या बढ़कर 1,40,748 हो गई है। यह संख्या दर्शाती है कि देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है और प्रशासन भी उनकी सुविधा तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर सक्रिय है।

न्यूज ब्रीफ

नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई रहेगी जारी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय केंद्र (एनकॉर्ड) समिति की बैठक उपायुक्त अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में पुलिस लाइन स्थित कामाक्षा हॉल में आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान, एनडीपीएस मामलों, वित्तीय जांच और विभागीय समन्वय की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने नशा तस्करों के खिलाफ मंडी पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अभियान को पूरी सख्ती से जारी रखा जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 तक मंडी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 207 मामले दर्ज कर 323 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, अवैध भांग व अफीम की खेती पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अभियान लगातार जारी है।

पुलिस भर्ती में आयु छूट की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिला के युवाओं ने हिमाचल प्रदेश पुलिस भर्ती में आयु सीमा को लेकर सरकार से एकमुश्त राहत देने की मांग उठाई है। सोमवार को पत्रकार वार्ता में युवाओं ने कहा कि यदि मांग पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो मंडी से शिमला तक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। युवा नेता विजय ठाकुर ने कहा कि कई अभ्यर्थी लंबे समय से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे थे, लेकिन आयु कटऑफ के कारण आवेदन से वंचित रह गए। उन्होंने बताया कि भर्ती अधिसूचना 6 जुलाई 2026 को जारी हुई, जबकि आयु की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की गई। इससे 1 जनवरी से 6 जुलाई के बीच 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा पात्र नहीं हो पाए। युवाओं ने सरकार से मांग की कि विशेष आयु छूट देकर सभी पात्र उम्मीदवारों को आवेदन का अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदेशभर के वंचित युवा आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पनोह और कोठी में विशेष प्रचार अभियान चलाया गया। कार्यक्रमों की अध्यक्षता संबंधित पंचायत प्रधानों ने की। विभाग से अनुमोदित नटराज संस्कृति कला मंच घुमारवीं के कलाकारों ने लोकगीतों, नुक्कड़ नाटकों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा, रोजगार, गृह अनुदान, स्वास्थ्य योजनाओं, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि अनुसूचित जाति विकास निगम के माध्यम से पात्र लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति का संदेश भी दिया गया। करीब 60 से 70 लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया और योजनाओं की जानकारी को उपयोगी बताया।

पीआरटीसी कर्मी तीन दिवसीय हड़ताल पर

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार से तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने रोडवेज का चक्का जाम कर डिपो परिसर में रैली निकालकर सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। यूनियन के प्रदेश नेता जगदीश्वर सैनी और दविंदर सिंह लाली ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की तो मानसून सत्र के दौरान भूख हड़ताल की जाएगी और मुख्यमंत्री आवास का घेराव भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में सरकार के साथ करीब 70 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। यूनियन नेताओं ने कहा कि रोडवेज के बेड़े में करीब 800 बसें कंडम हो चुकी हैं, लेकिन नई बसों की खरीद नहीं की गई। उन्होंने ठेकेदारी प्रथा खत्म कर कर्मचारियों को पक्का करने और वेतन से ईपीएफ-ईएसआई कटौती में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई की मांग की।

प्राथमिक शिक्षकों का क्रमिक अनशन नौवें दिन भी जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का क्रमिक अनशन सोमवार को नौवें दिन भी निदेशालय स्कूल शिक्षा में जारी रहा। संघ का कहना है कि अनशन पूरे जोश, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ चल रहा है और शिक्षकों की न्यायोचित मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। संघ के अनुसार सोमवार को अनशन में जिला सिरमौर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इनमें जिला अध्यक्ष जय प्रकाश, जिला महासचिव चतर सिंह, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कश्यप, महालेखाकार सुधीर ठाकुर और सुरला खंड के महासचिव रामलाल शर्मा शामिल रहे। इन पदाधिकारियों ने शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और लंबित मांगों को पूरा करने की मांग उठाई। शिक्षक संघ ने बताया कि यह आंदोलन लंबे समय से चल रहे विरोध का हिस्सा है। संघ के मुताबिक 11 जुलाई को न्याय यात्रा शुरू की गई थी, जो पैदल चलकर शिमला पहुंची। इसके बाद 26 जुलाई को चौड़ा मैदान, शिमला में एक बड़ा धरना आयोजित किया गया। उसी के बाद निदेशालय स्कूल शिक्षा परिसर में क्रमिक अनशन शुरू किया गया, जो अब लगातार जारी है। संघ का कहना है कि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के करीब 5 हजार खाली पदों को जल्द भरा जाए। इसके साथ ही नर्सरी शिक्षकों की भर्ती शुरू करने, मुख्य शिक्षक पदोन्नति का लाभ देने, जेबीटी शिक्षकों को टीजीटी पद पर पदोन्नति देने और हायर ग्रेड पे का लाभ जारी करने सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा किया जाए। शिक्षक संघ का कहना है कि इन मांगों को लेकर सरकार के समक्ष लगातार अपनी बात रखी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। इसी कारण संगठन आंदोलन जारी रखे हुए है। संघ ने कहा कि जब तक उनकी न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक क्रमिक अनशन और अन्य लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा संघर्ष जारी रहेगा।

तकनीकी विवि: दूसरे चरण में बी फार्मेसी बीटेक में 160 अभ्यर्थियों की लेटरल एंट्री

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री), बीटेक (लेटरल एंट्री) की दूसरे चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग की 160 सीटें आवंटित की हैं, जिसमें बीटेक (लेटरल एंट्री) में 116 सीटें और बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री) में 44 सीटें हैं। बीटेक व बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री) में सीटों का आवंटन डिप्लोमा की मेरिट के आधार पर किया गया है। वहीं, एमबीए और एमसीए के चौथे चरण की काउंसलिंग में 218 सीटें मेरिट के आधार आवंटित की गईं। एमसीए की 59 और एमबीए 159 सीटें शामिल हैं। तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने कहा कि बीटेक, बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री), एमबीए और एमसीए की काउंसलिंग ऑनलाइन माध्यम से हुई है। जिन अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित हुई हैं, उन्हें संबंधित शिक्षण संस्थान में पांच अगस्त सायं पांच बजे तक संबंधित शिक्षण संस्थान में रिपोर्ट करनी होगी।

बैठक में कृषि विभाग के मामलों पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति की बैठक विधानसभा के मुख्य समिति कक्ष में सभापति अनिल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति ने कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न मामलों पर विभागीय उत्तरों की समीक्षा की और अधिकारियों से मौखिक साक्ष्य लिया। बैठक में कृषि सचिव सी. पाल रासू और कृषि निदेशक रविंद्र सिंह जसरोटिया सहित अन्य अधिकारियों ने समिति के समक्ष जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर समिति के सदस्य संजय रत्न, डॉ. हंस राज, जीत राम कटवाल, मलेन्द्र राजन, केवल सिंह पठानिया, कैप्टन रणजीत सिंह राणा और कमलेश ठाकुर उपस्थित रहे। विधानसभा सचिवालय से नैना कोठवी, धर्मपाल ठाकुर तथा महालेखाकार कार्यालय से प्रधान महालेखाकार पुरुषोत्तम तिवारी सहित वित्त विभाग के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

ऊना अस्पताल को मिलेंगी दो नई एंबुलेंस

आरकेएस गवर्निंग बॉडी की बैठक में त्वरित खर्च के लिए वित्तीय अधिकार बढ़ाए

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) की गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, सुलभ एवं जनहितैषी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल में चल रहे विकास कार्यों, मरम्मत कार्यों और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने उपायुक्त ऊना को अस्पताल के लिए दो फुली लोडेड एंबुलेंस उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए, ताकि गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर आपातकालीन सुविधा मिल सके। उन्होंने अस्पताल में आवश्यक कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी और चिकित्सा अधीक्षक को आरकेएस के तहत पांच लाख रुपये तक तत्काल खर्च करने की अनुमति दी। वहीं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए 15 लाख रुपए तक की राशि पूर्व अनुमति के बिना खर्च करने के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर में सरकारी और निजी एंबुलेंस की पार्किंग व संचालन व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस अधीक्षक ऊना की अध्यक्षता में समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति संबंधित पक्षों से चर्चा कर व्यवस्था सुधारने के लिए सुझाव देगी। बैठक में ऊना से पीजीआई चंडीगढ़ रेफर होने वाले मरीजों के लिए एंबुलेंस किराये में मामूली वृद्धि को मंजूरी दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को राहत देने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को 500 रुपए तक किराये में छूट देने का अधिकार दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को सीटी स्कैन जैसी जांचों के लिए आरकेएस के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए गए। उपमुख्यमंत्री ने आरकेएस कर्मचारियों के मानदेय में तीन हजार रुपये वृद्धि करने और रिक्त चौकीदार व सेवादार पदों को मल्टीपरपज वर्करों से भरने की दिशा में कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2025-26 के आरकेएस आय-व्यय को मंजूरी दी गई, जिसमें करीब 2.59 करोड़ रुपये आय और 1.87 करोड़ रुपये व्यय शामिल है। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए 4.25 करोड़ रुपये अनुमानित आय और 3.28 करोड़ रुपये व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

ऊना डिपो से पांच इलेक्ट्रिक बसें शुरू

ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बस अड्डा परिसर ऊना से ऊना डिपो की पांच इलेक्ट्रिक बसों को सांकेतिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें ऊना से डेरा बाबा रुद्रानंद धाम के लिए शुरू की गई नई ई-बस सेवा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में 297 इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जा रही हैं, जिनमें से 50 बसें जिला ऊना को मिली हैं। उन्होंने बताया कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को करीब 125 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिली है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। ऊना बस अड्डे के आधुनिकीकरण, एचआरटीसी टायर री-ट्रेडिंग प्लांट और परिवहन सुविधाओं के विस्तार की योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हिमाचल के दुर्गम इलाकों के लिए एयर एंबुलेंस शुरू करे केंद्र सरकार: सिकंदर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए स्थायी एयर एंबुलेंस सेवा शुरू करने की मांग उठाई गई है। राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मुलाकात कर चंबा की पांगी घाटी, लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कांगड़ा के बड़ा भंगाल व शिमला के डोडरा-क्वार क्षेत्र के लिए स्थायी एयर एंबुलेंस सेवा मंजूर करने का आग्रह किया। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय मंत्री को एक विस्तृत पत्र भी सौंपा।

डॉ. सिकंदर कुमार ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि प्रदेश के कई जनजातीय और दुर्गम इलाके साल में करीब आठ से नौ महीने तक भारी बर्फबारी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्रभावित रहते हैं। उन्होंने कहा कि पांगी घाटी का मुख्य सड़क मार्ग करीब 14,500 फीट ऊंचे साच पास से होकर गुजरता है, जो लंबे समय तक बंद रहता है। ऐसे समय में गंभीर मरीजों को सड़क मार्ग से 250 से 300 किलोमीटर दूर अस्पतालों तक ले जाना कठिन हो जाता है और कई मामलों में समय पर इलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी है। हृदयाघात, गंभीर सड़क दुर्घटनाओं, गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं और अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को तुरंत बड़े अस्पताल पहुंचाना जरूरी होता है। उनके अनुसार स्थायी एयर एंबुलेंस सेवा शुरू होने से ऐसे मरीजों को कम समय में बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। राज्यसभा सांसद ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से आग्रह किया कि हिमाचल प्रदेश के चिन्हित जनजातीय और अति दुर्गम क्षेत्रों के लिए इस सेवा को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी दी जाए। उनका कहना था कि इससे हजारों लोगों को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा और गंभीर मरीजों को समय पर एयरलिफ्ट कर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाया जा सकेगा।

उपायुक्त राहुल कुमार ने केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं का किया दौरा

विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने सोमवार को केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने स्कूल प्रशासन के साथ विद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा भी की।

उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय को एक ही परिसर में संचालित करने के लिए जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि स्कूल प्रबंधन और विद्यार्थियों को आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि स्कूल भवन निर्माण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भूमि आवंटित की जा चुकी है और आगामी प्रक्रिया को गति देने के लिए लीज डीड से संबंधित औपचारिकताएं जल्द पूरी की जाएंगी। विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर मेहनत सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर निर्माण के संबंध में जानकारी देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार करियर का चुनाव करना चाहिए, ताकि भविष्य में वे अपने निर्धारित लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया। उपायुक्त ने कहा कि नशा वर्तमान समय की गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। इससे बचाव के लिए युवाओं को खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों और अन्य सकारात्मक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भाग लेना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। इसके बाद उपायुक्त ने राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घुमारवीं में स्थापित स्पेस लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने लैब के संचालन, गतिविधियों और विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं की प्रधानाचार्य रिंकू कुमारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

झंडूता की 175 संपर्क सड़कों के लिए केंद्र से 12.50 करोड़ मंजूर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2023 और 2025 की आपदाओं से क्षतिग्रस्त हुई संपर्क सड़कों की मरम्मत के लिए केंद्र सरकार ने पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत 12.50 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है।

झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने इस निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और सांसद अनुराग ठाकुर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस राशि से विधानसभा क्षेत्र की 175 संपर्क सड़कों का सुधार कार्य किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी। उनके अनुसार, वर्ष 2023 और 2025 की आपदाओं के दौरान क्षेत्र की अनेक सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद क्षतिग्रस्त सड़कों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर केंद्र सरकार को भेजे गए थे, जिन्हें बिना किसी कटौती के मंजूरी मिल गई। कटवाल ने बताया कि स्वीकृत राशि में से 1.02 करोड़ रुपए महत्वाकांक्षी बागछाल-मरोतन सड़क पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा बरठीं-जेजवीं-सलवाड़-मरोतन, भगेड़-विजयपुर-चैंता, बुखर-धमीरा, सुन्हाणी-डून, मलारी-कल्लर, सुन्हाणी-बड़गांव, बरठीं-सरगल, बरड़-डूहक वाया मोरथल, आनंदघाट-अमरोआ, लोअर बाला-मेन रोड, लठियाणी-कोटलू-तलाई, निहारी-बरठीं-मोहीं और औहर-बरसंड सहित अन्य संपर्क मार्गों की मरम्मत भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सड़कों का कार्य जल्द शुरू होगा, जिससे ग्रामीणों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और गांवों तक विकास की पहुंच मजबूत होगी। विधायक ने दावा किया कि केंद्र सरकार आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और ग्रामीण आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगातार सहयोग प्रदान कर रही है।

हिमाचल में डीए एरियर भुगतान को लेकर बढ़ी आस

भारतेनदु संवाददाता, मंडी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित महंगाई भत्ता (डीए) किश्तें 15 दिनों के भीतर जारी करने के निर्देश के बाद हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों में भी नई उम्मीद जगी है। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे कर्मचारियों के वैधानिक अधिकारों की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि महासंघ ने भी प्रदेश के कर्मचारियों के लंबित डीए और अन्य वित्तीय देयों के भुगतान को लेकर हिमाचल हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर कर रखी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश के कर्मचारियों को भी न्याय मिलेगा। महासंघ ने राज्य सरकार से न्यायालयों में अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचते हुए लंबित डीए, एरियर और अन्य वित्तीय देयों का शीघ्र भुगतान करने की मांग की है।

बिलासपुर में 232 ग्राम चिट्टा बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए घुमारवीं क्षेत्र में दो अलग-अलग मामलों में करीब 232 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस दोनों मामलों में सप्लाई नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की गहन जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, बलोह फोरलेन लिंक रोड मल्यावर के पास यातायात जांच के दौरान एक निजी बस में सवार रूबल (30) निवासी बटाला, जिला गुरदासपुर (पंजाब) के कब्जे से 122 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना घुमारवीं में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दूसरे मामले में बलोह फोरलेन लिंक रोड मन्दरीघाट के पास चेकिंग के दौरान बस में सवार नीरज कुमार (30) और विकास (27), दोनों निवासी डैहर, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी, के कब्जे से 110 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि केवल बरामदगी ही नहीं, बल्कि पूरे ड्रग सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। इसी कड़ी में 1 अगस्त को 8.72 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किए गए उत्तर प्रदेश निवासी रामू से पूछताछ और डिजिटल व वित्तीय साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर घुमारवीं के मर्सिंघी निवासी प्रतीक चौहान (29) को भी गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि चिट्टे की खेप स्थानीय स्तर पर बेचने के लिए उसे दी जानी थी। पुलिस के अनुसार, प्रतीक चौहान के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के तहत चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बिलासपुर में मारपीट और रास्ता रोकने के तीन मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में पुलिस ने मारपीट, रास्ता रोकने, गाली-गलौज व धमकी देने के तीन अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस थाना झंडूता में पोली-पंजीण (थुराहण) निवासी अजय कुमार की शिकायत पर राकेश, दिनेश और मनोज कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप है कि तीनों ने उनका रास्ता रोककर गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी दी। वहीं, सदर थाना बिलासपुर में दो पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई हैं। मीट मार्केट निवासी कुशल चंद ने अमित, रिंकू उर्फ अमीर खान व अन्य पर रास्ता रोकने, मारपीट करने तथा मकान और स्कूटी के शीशे तोड़ने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर वार्ड नंबर-8 निवासी विनय कुमार ने कुशल चंद व अमित किशोर के खिलाफ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की, रास्ता रोकने और गाड़ी का शीशा तोड़ने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

ढली में 8 ग्राम चिट्टे के साथ दो आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ढली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अपने ठिकाने से हेरोइन (चिट्टा) की अवैध बिक्री कर स्थानीय युवाओं को नशा उपलब्ध करवा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में संबंधित स्थान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान कमरे से करीब 8 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी दीपक वर्मा निवासी ठियोग, जिला शिमला और साहिब सिंह उर्फ सन्नी सरदार निवासी संजौली, शिमला को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ पुलिस थाना ढली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों को न्यायालय में पेश करेगी। साथ ही नशे की सप्लाई चेन और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने के लिए जांच जारी है।

शोघी बैरियर पर 9 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस की स्पेशल सेल ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत शोघी बैरियर पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को करीब 9 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 2 अगस्त 2026 को क्षेत्र में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को शक के आधार पर रोका गया।

स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी ध्रुव सलोतरा (23), निवासी शिमला के हेलमेट की इनर पैडिंग में छिपाई गई हेरोइन बरामद हुई। पुलिस थाना पश्चिमी शिमला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब नशे की सप्लाई चेन से जुड़े लोगों का पता लगाने में जुटी है।

चर्चा चमियाना में मनाया 16वां राष्ट्रीय अंगदान दिवस, लोगों को अंगदान के लिए किया प्रेरित

तीमारदारों को जीवन बचाने के लिए किया जागरूक

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्य अंग व ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (सोटो) हिमाचल प्रदेश द्वारा 16वां राष्ट्रीय अंगदान दिवस अटल आयुर्विज्ञान संस्थान, चमियाना में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर सोटो के संयुक्त निदेशक डॉ. निशांत नड्डा ने संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. बृज तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुधीर शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर अंगदान जागरूकता गतिविधियों पर चर्चा की। इसके उपरांत नेफ्रोलॉजी व न्यूरोलॉजी विभाग की ओपीडी के बाहर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में सैकड़ों मरीजों व उनके तीमारदारों को अंगदान के महत्व, इसकी प्रक्रिया तथा इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान नेफ्रोलॉजी विभाग की रीनल डायलिसिस टीम की साक्षी ने जीवित रहते किए जाने वाले अंगदान तथा मृत्यु के पश्चात अंगदान के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं, कोमल ने अंगदान पर एक भावपूर्ण कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और अंगदान के लिए प्रेरित किया।

सोटो की मीडिया कंसल्टेंट रामेश्वरी ने उपस्थित लोगों को अंगदान की शपथ लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अंगदान एक ऐसा महादान है, जो मृत्यु के बाद भी कई लोगों को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने सभी से अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने और इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर सोटो की प्रोग्राम असिस्टेंट भारती कश्यप सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में लोगों ने अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। सोटो ने मौजूदा समय तक प्रदेश भर में अंगदान जन जागरूकता अभियान के तहत करीब 350 शिविर लगाए। अंगदान महीना यानि जुलाई माह से लेकर 3 अगस्त तक अंगदान जीवन संजीवनी अभियान के तहत प्रदेश भर के मेडिकल कालेजों सहित शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर लगाए गए।

हिमाचल में अभी तक मरने के बाद दो अंगदाताओं ने अंगदान किए हैं वहीं 45 लाइव किडनी ट्रांसप्लांट हुए हैं। वहीं अभी तक 4174 लोगों ने अंगदान के शपथ पत्र भरे हैं।

अंगदान जीवन बचाने का जरिया: डॉ. राव

आईजीएमसी में वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव से भी सोटो की टीम ने शिष्टाचार भेंट की और अंगदान अभियान संबंधित चर्चा की। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद अंगदान जीवन बचाने का जरिया है। अंगदान करने वाला व्यक्ति एक साथ आठ लोगों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अंगदान की मुहीम में अपना योगदान देने आगे आएं।

बिलासपुर कॉलेज में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का शुभारंभ, युवाओं ने ली शपथ

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने की। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं से देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों और नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को गंभीरता से सुनने और उसके संदेश को अपने जीवन के साथ-साथ समाज के अन्य युवाओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं व उनका शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने नशे को युवाओं, परिवारों व देश के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताते हुए समाज, अभिभावकों और शिक्षकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत देशभर में 10 हजार से अधिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण व जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के शुभारंभ अवसर पर एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के संचालन के लिए देशभर में 150 संस्थानों का चयन किया गया है, जिनमें राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर भी शामिल है। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी आर्मी, नेवल, गर्ल्स विंग व रेंजर्स एंड रोवर्स के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशा मुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली।

स्टाइल में भी अलग दिखती हैं एवगेनिया

नई दिल्ली। एवगेनिया मेदवेदेवा रूस की प्रसिद्ध फिगर स्केटर हैं। उनका जन्म 19 नवंबर 1999 को मॉस्को में हुआ। उन्होंने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वह दो बार की विश्व चैंपियन विजेता हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

विश्व ताइक्वांडो पूमसे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे असम के 16 खिलाड़ी

एजेंसी, गुवाहाटी। असम के 16 ताइक्वांडो खिलाड़ियों का चयन दक्षिण कोरिया में होने वाली विश्व ताइक्वांडो पूमसे चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय टीम में किया गया है। यह प्रतियोगिता 16 से 20 सितंबर तक चुंचेओन के एयर डोम में आयोजित होगी। ताइक्वांडो मार्शल आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ असम के अनुसार चयनित खिलाड़ी कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्ग की व्यक्तिगत, युगल और समूह पूमसे स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में सरस्वती देवी काबराबाम, देबाशीष दास, अरण्या दत्ता, दिशा पात्रा, धीर कश्यप तालुकदार, मृणांक के दत्ता, रिद्धी शर्मा सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। संघ ने बताया कि खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए यात्रा, आवास और पंजीकरण का खर्च स्वयं उठाना पड़ रहा है। टीएमएसएए ने असम सरकार और कॉर्पोरेट संस्थानों से खिलाड़ियों की आर्थिक सहायता करने की अपील की है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

पीएचडी के मेरे शोध विषय से खेल में मिलती है मदद : सीमा कालीरमण

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में महिला चक्का फेंक स्पर्धा का कांस्य पदक जीतने वाली हरियाणा की सीमा कालीरमण ने कहा है कि उनके पीएचडी शोध ने खेल प्रदर्शन में काफी मदद की है। सीमा चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी से खेल प्रदर्शन पर कल्पना और सकारात्मक आत्म-चर्चा प्रशिक्षण के प्रभाव विषय पर शोध कर रही हैं। सीमा ने बताया कि शोध के सिद्धांतों को वह अपने खेल जीवन में भी अपनाती हैं। इससे उन्हें प्रतियोगिताओं के दौरान शांत रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और शारीरिक व मानसिक रूप से चुनौतियों का सामना करने में सहायता मिलती है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में 58.65 मीटर का थ्रो कर कांस्य पदक जीतना सीमा के लिए शानदार वापसी रही। इससे पहले वह 2025 एशियाई चैंपियनशिप में महज 16 सेंटीमीटर से पदक से चूक गई थीं। अब सीमा का पूरा ध्यान जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है और वह इसकी तैयारियों में जुट गई हैं।

खिलाड़ियों ने टाटा समूह से लगाई जमशेदपुर एफसी को बचाने की गुहार

एजेंसी, नई दिल्ली। जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने क्लब के मालिक टाटा समूह से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और सीनियर टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने की भावुक अपील की है। क्लब ने आगामी सत्र के लिए भागीदारी शुल्क जमा करने की समय सीमा चूकने के बाद आईएसएल से हटने की घोषणा की थी। मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने टाटा समूह से निर्णय बदलकर आईएसएल में टीम की भागीदारी जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच है और क्लब से उनकी कई यादें जुड़ी हैं। भारतीय टीम के लिए खेल चुके गोलकीपर अल्बिनो गोम्स ने भी क्लब बंद करने के फैसले पर निराशा जताई। मिडफील्डर निखिल बारला ने टाटा समूह और टाटा स्टील से युवा खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की। खिलाड़ियों का कहना है कि यह सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य से जुड़ा मामला है।

वीनस विलियम्स की वापसी पर लगा ब्रेक, रखिमोवा ने हराया

एजेंसी, टोरंटो। अमेरिकी टेनिस दिग्गज वीनस विलियम्स को वापसी के बाद पहली जीत का इंतजार और लंबा हो गया है। नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबले में उन्हें पहले दौर में उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण देर से शुरू हुए मुकाबले में 24 वर्षीय रखिमोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वीनस को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से मात दी। विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज रखिमोवा ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। 46 वर्षीय वीनस विलियम्स को इस डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। जुलाई 2025 के बाद से वह लगातार 12 मुकाबले हार चुकी हैं और अब भी अपनी पहली जीत की तलाश में हैं।

पहले दिन वेस्टइंडीज का दबदबा कायम, 239 रन पर पांच विकेट

ग्रीव्स-चेज ने पारी को संभाला, पाकिस्तान के पेसर्स रहे बेअसर और स्पिनरों को मिली सफलता

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए।

जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी। मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों व विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया। अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया। इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की। ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

आकिब नबी को भारतीय टेस्ट टीम में पहली बार मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट व बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है। 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल व उमरान भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए

29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्राफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है। आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया।

विश्व चैंपियनशिप से पहले कोरिया मास्टर्स में उतरेंगे भारतीय शटलर

एजेंसी, नई दिल्ली

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का अगला पड़ाव कोरिया मास्टर्स 2026 होगा, जहां भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी नई दिल्ली में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेंगे। चार से नौ अगस्त तक दक्षिण कोरिया के आसन शहर में खेले जाने वाले इस सुपर-300 टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का मौका मिलेगा।

आसन यी सुन-सिन जिम्नेजियम में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 2.50 लाख अमेरिकी डॉलर है। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत, किरण जॉर्ज, तरुण मन्नेपल्ली, मिथुन मंजूनाथ, रौनक चौहान और सनीत दयानंद भारतीय चुनौती संभालेंगे। वहीं क्वालीफाइंग दौर में एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम और तुषार सुवीर उतरेंगे। महिला एकल में हालिया प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली तन्वी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। उनके अलावा मालविका बंसोड़, अनमोल खरब, आकांक्षा कश्यप और अन्य भारतीय खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगी। पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल वर्ग में भी भारतीय जोड़ियां पदक की उम्मीदों के साथ कोर्ट पर उतरेंगी।

हालांकि भारत को कुछ बड़े खिलाड़ियों की कमी खलेगी। एचएस प्रणय, लक्ष्य शर्मा, प्रियांशु राजावत समेत कई खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। महिला वर्ग में तस्नीम मीर और समिया इमाद फारूकी भी हिस्सा नहीं लेंगी। भारतीय दल के लिए यह प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप से पहले लय हासिल करने का महत्वपूर्ण मंच होगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत चौथे स्थान पर, मांडविया ने सराहा प्रदर्शन

39 पदकों संग भारतीय दल का शानदार अभियान, अहमदाबाद खेलों को ऐतिहासिक बनाने का जताया संकल्प

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने सीमित खेलों वाले इस संस्करण में भी अपनी बढ़ती खेल ताकत का शानदार परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2030 में अहमदाबाद में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का शताब्दी संस्करण भारत इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बनाएगा।

मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन शानदार चौथे स्थान के साथ किया। ग्लासगो 2026 का यह संस्करण सीमित खेलों वाला था और इसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद

भारतीय दल ने बर्मिंघम 2022 में समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक जीतकर उल्लेखनीय सुधार किया है।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की गहराई और मजबूती लगातार बढ़ रही है। तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले हर खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ पर हमें गर्व है। मांडविया ने कहा कि अब जब भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हमारा संकल्प है कि हम खेलों के इतिहास के सबसे शानदार आयोजनों में से एक का आयोजन करें। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। सीमित खेलों के बावजूद भारत ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन जैसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे और कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड ने भी 39 पदक जीते, लेकिन भारत से कम रजत पदक होने के कारण उसे पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा। 11 दिनों तक चले इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारत राष्ट्रमंडल देशों की प्रमुख खेल शक्तियों में शामिल है व अब उसकी नजरें अहमदाबाद 2030 में सफल मेजबानी के साथ-साथ और भी बेहतर प्रदर्शन पर टिकी हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गोपबंधु दास की प्रतिमा का अनावरण कर सेवा व त्याग को किया याद

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को लाजपत नगर स्थित लाजपत भवन में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात समाजसेवी, शिक्षाविद एवं पत्रकार उत्कलमणि गोपबन्धु दास की प्रतिमा का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम में सबसे पहले लोकसेवक मंडल के संस्थापक और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर उत्कलमणि गोपबन्धु दास की प्रतिमा का अनावरण किया। दिल्ली में स्थापित यह गोपबन्धु दास की पहली प्रतिमा है।

गोपबंधु दास ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, अनाथों एवं पीड़ित मानवता की सेवा, शिक्षा के प्रसार तथा राष्ट्र जागरण के लिए समर्पित किया। उनके अतुलनीय सेवा कार्यों के कारण उन्हें 'उत्कलमणि' (उड़ीसा का रत्न) की उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लोकसेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा और राष्ट्रीय सचिव रमानाथ झा ने राष्ट्रपति का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

लोकसेवक मंडल के मीडिया प्रभारी रविशंकर मिश्र ने बताया कि समारोह में केंद्रीय मंत्री जुअल ओराम, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा, डॉ. संत्रुस मिश्रा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। दीपक मालवीय और राजेंद्र कुमार जेना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सभी ने उत्कलमणि गोपबन्धु दास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान राष्ट्रपति ने लोकसेवक मंडल के आजीवन सदस्यों एवं पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके साथ स्मृति-चित्र भी खिंचवाए। इस अवसर पर उत्कलमणि गोपबन्धु दास के परिजन, देश के विभिन्न राज्यों से आए समाजसेवी, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि तथा लोकसेवक मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने गोपबन्धु दास के सेवा, त्याग, शिक्षा और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

ई20 पेट्रोल पर सरकार के जवाब से खड़े हुए नए सवाल: जयराम रमेश

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि 29 जुलाई को संसद में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से जितने सवालों के उत्तर मिले, उससे कहीं अधिक नए सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर ई20 को पूरी तरह सुरक्षित बता रही है, जबकि दूसरी ओर उपभोक्ताओं के अनुभव और विभिन्न तकनीकी दस्तावेज कई अहम चिंताएं सामने रखते हैं।

जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नितिन गडकरी ने संसद में कहा था कि ई20 ईंधन को वर्षों के वैज्ञानिक परीक्षण के बाद लागू किया गया है और इससे वाहनों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के वाहन मालिक और मैकेनिक माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, 2023 से पहले बने वाहनों की ई20 के साथ अनुकूलता, कोल्ड-स्टार्ट की समस्या, इंजन के तेजी से घिसने, फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, फ्यूल लाइन में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी शिकायतें लगातार उठा रहे हैं।

बृजभूषण को बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे पहलवान: विनेश

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश फोगाट ने सोमवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने वाली महिला पहलवान दिल्ली की अदालत द्वारा उन्हें बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में सिंह और सह आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को इस मामले में बरी किया।

विनेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दिया है, और अपील जल्द से जल्द दायर की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपना संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार पर सिंह को 'संरक्षण' देने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने 'कई लड़कियों को धमकाकर उनके नाम वापस लेने के लिए मजबूर किया।'

विनेश ने कहा कि हमें बहुत दुख है कि अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में बृजभूषण शरण सिंह को दोषी नहीं पाया। शुरू से ही पूरा प्रशासन, सरकार और व्यवस्था बृजभूषण को बचाने में लगी हुई है। बृजभूषण ने अपने प्रभाव और राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल करते हुए कई लड़कियों को धमकाकर उनके नाम वापस लेने पर मजबूर किया। लेकिन कई महिला पहलवानों ने दृढ़ रवैया अपनाया और बृजभूषण के खिलाफ अदालत में लड़ाई जारी रखी।

सोने और चांदी के दाम में बढ़त

सोना 1.43 लाख और 2.18 लाख पर पहुंची चांदी

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में सोमवार को बढ़त हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 105 रुपए बढ़कर 2.17 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए हो गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 12 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.18 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए व चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सेंसेक्स 544 अंक चढ़कर 78,639 पर बंद और निफ्टी भी 390 अंक चढ़ी

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 03 अगस्त को तेजी रही। सेंसेक्स 544 अंक चढ़कर 78,639 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 390 अंक की तेजी रही, यह 24,774 के स्तर पर बंद हुआ। आईटी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएसीजी, मेटल, रियल्टी, प्राइवेट बैंक और सरकारी बैंक शेयरों में आज सबसे ज्यादा खरीदारी हुई। शेयर बाजार में 31 जुलाई, शुक्रवार को तेजी रही। सेंसेक्स 166 अंक चढ़कर 78,094 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 66 अंक की तेजी रही, यह 24,383 पर पहुंचा।

वाहनों में वी-टू-वी संचार प्रणाली होगी अनिवार्य: केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए वाहनों में वाहन-से-वाहन (वी-टू-वी) संचार प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव रखा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन का मसौदा जारी कर लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्रस्ताव के अनुसार एक अक्टूबर 2027 से निर्मित एल, एम और एन श्रेणी के उन वाहनों में एआईएस-230 मानक लागू होगा, जिनमें वी-टू-वी प्रणाली उपलब्ध होगी। वहीं, एक अक्टूबर 2028 से सभी नए वाहनों में यह प्रणाली अनिवार्य करने की योजना है। इस तकनीक के जरिए वाहन अपनी गति, दिशा, स्थिति और त्वरण जैसी जानकारियां आसपास चल रहे वाहनों से साझा कर सकेंगे। इससे टक्कर की आशंका, अचानक ब्रेक लगाने, गलत लेन बदलने और आपातकालीन वाहनों की सूचना समय पर मिल सकेगी।

दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश ने अपना नाम बदला: अब 'नौरू' नहीं 'नाओएरो' कहलाएगा

एजेंसी, यारेन

प्रशांत महासागर में बसे दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपना नाम बदल दिया है। अब यह देश आधिकारिक तौर पर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कहलाएगा। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी अपने रिकॉर्ड में नया नाम लागू कर दिया है। करीब 12 हजार आबादी वाले इस द्वीपीय देश का कहना है कि 'नाओएरो' उसका असली नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी लोगों की सुविधा के लिए प्रचलन में आया था। अब सरकार का मानना है कि समय आ गया है कि देश दुनिया के सामने अपनी मूल पहचान के साथ जाना जाए।

19वीं सदी के आखिर तक नाउरू एक छोटा-सा द्वीप था, जहां 12 स्थानीय जनजातियां रहती थीं। यहां कोई आधुनिक सरकार या सेना नहीं थी। लोगों का जीवन मछली पकड़ने, नारियल की खेती और समुद्र से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर था। 1870 के दशक में यूरोपीय व्यापारी नाउरू पहुंचने लगे। वे यहां नारियल और दूसरे सामान का व्यापार करते थे। बदले में उन्होंने स्थानीय लोगों को शराब और बंदूकें बेचना शुरू कर दिया। इससे द्वीप का सामाजिक संतुलन बिगड़ने लगा। 1878 में एक शादी समारोह के दौरान रीति-रिवाज को लेकर बहस हुई। बहस के बीच एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी, जिससे एक कबीलाई प्रमुख के बेटे की मौत हो गई। नाउरू की पारंपरिक संस्कृति में ऐसी हत्या का बदला लेना सामाजिक जिम्मेदारी माना जाता था। यहीं से बदले का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे पूरे द्वीप के 12 कबीलों के बीच गृहयुद्ध में बदल गया। यह संघर्ष करीब 10 साल तक चला, जिसे नाउरू सिविल वॉर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मारे गए, कई गांव उजड़ गए और लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में इस हिंसा से प्रभावित हुआ। हालात इतने खराब हो गए कि आखिरकार 1888 में जर्मनी ने हस्तक्षेप कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित किया, हथियार जब्त किए और इस लंबे खूनी संघर्ष को समाप्त कराया।

जर्मनी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नौरू पर किया कब्जा

1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होते ही हालात बदल गए। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने बिना ज्यादा प्रतिरोध के नाओएरो पर कब्जा कर लिया। युद्ध खत्म होने के बाद जर्मनी हार गया और उसे अपने कई विदेशी उपनिवेश छोड़ने पड़े। करीब पांच दशक तक विदेशी सरकार के कब्जे में रहने के बाद नाओएरो को 31 जनवरी 1968 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक संप्रभु गणराज्य बन गया।